राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 मैं इस आयोजन को लेकर बेहद खुश हूं: चोपड़ा | पीयूष गोयल बोले- 153 देश भारत से खिलौना आयात कर... 10

वर्ष : 16 | अंक : 62 | नई दिल्ली, रविवार, 06 जुलाई , 2025 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

भारत बना मेडिकल टूरिज्म और फार्मा रिसर्च का वैश्विक केंद्र : ओम बिरला

श्री बिरला नई दिल्ली में इनोवेटिव फिजिशियन फोरम के आयोजित 7वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईपीएफ मेडिकॉन-2025 के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत की चिकित्सा व्यवस्था आज विश्व में अपनी गुणवत्ता, सुलभता और विश्वसनीयता के कारण नई पहचान बना रही है। वे शनिवार को नई दिल्ली में इनोवेटिव फिजिशियन फोरम (आईपीएफ) द्वारा आयोजित 7वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईपीएफ मेडिकॉन-2025 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

बिरला ने कहा कि यह विज्ञान, तकनीक और नवाचार का युग है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन और नैनो साइंस जैसे क्षेत्रों में हो रहे तीव्र विकास ने न केवल चिकित्सा अनुसंधान बल्कि उपचार की पद्धतियों को भी अधिक सटीक, प्रभावशाली और कुशल बना दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक दौर में चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर नवाचार और शोध को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।उन्होंने भारत की चिकित्सा प्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह न केवल उच्च गुणवत्ता वाली है, बल्कि किफायती और सभी के लिए सुलभ भी है। बिरला ने कहा, हमारे डॉक्टर अपनी मेहनत और विशेषज्ञता से वैश्विक स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं, इसी का परिणाम है कि आज भारत मेडिकल टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बन चुका है। दुनिया के अनेक देशों से मरीज इलाज के लिए भारत का रुख कर रहे हैं।

भारत के फार्मा सेक्टर की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्धता और नवाचार की भावना ने ही भारत को फार्मास्यूटिकल और बायोमेडिकल रिसर्च के क्षेत्र में अग्रणी बना दिया है। उन्होंने वैज्ञानिकों, शोधकताओं और चिकित्सकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आप सबने स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं।आईपीएफ मेडिकॉन-2025 सम्मेलन की सराहना करते हुए बिरला ने आशा जताई कि इन दो दिनों के विचार-विमर्श और अनुभवों के आदान-प्रदान से चिकित्सा अनुसंधान को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे मिलकर एक स्वस्थ, सशक्त और निरोगी भारत के निर्माण की दिशा में कार्य करें।सम्मेलन में नेपाल, श्रीलंका, मलेशिया और यूनाइटेड किंगडम से आए मेडिकल प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर सांसद कमलजीत सेहरावत भी उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त खबरें

गड़करी ने देश में बढ़ती गरीबों की संख्या को लेकर जतायी चिंता

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गरीबों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए कहा कि धन कुछ अमीर लोगों के हाथों में केंद्रित हो रहा है,ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा धन के विकेंद्रीकरण की आवश्यकता है, श्री गडकरी ने कृषि, विनिर्माण, कराधान और बुनियादी ढांचे के विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी सहित कई मुद्दों पर बात की।उन्होंने कहा, धीरे-धीरे गरीब लोगों की संख्या बढ़ रही है और धन कुछ अमीर लोगों के हाथों में केंद्रित होता जा रहा है। ऐसा नहीं होना चाहिए। अर्थव्यवस्था को इस तरह से विकसित होना चाहिए कि रोजगार पैदा हो और ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान हो। उन्होंने कहा, हम एक ऐसे आर्थिक विकल्प पर विचार कर रहे हैं जो रोजगार पैदा करेगा और अर्थव्यवस्था की वृद्धि को बढ़ावा देगा। धन के विकेंद्रीकरण की आवश्यकता है और इस दिशा में कई बदलाव हुए हैं। केंद्रीय मंत्री ने भारत की आर्थिक संरचना का किया उल्लेख - केंद्रीय मंत्री गडकरी ने उदार आर्थिक नीतियों को अपनाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह को भी श्रेय दिया, लेकिन उन्होंने अनियंत्रित केंद्रीकरण के खिलाफ चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा, हमें इसके बारे में चिंतित होना चाहिए। भारत की आर्थिक संरचना का उल्लेख करते हुए उन्होंने सकल घरेलू उत्पाद (डीजीपी) में क्षेत्रीय योगदान में असंतुलन की ओर भी इशारा किया।

पूर्व जस्टिस काटजू के विवादित बोल:नेताजी जापान के, महात्मा गांधी ब्रिटेन के एजेंट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस मार्कंडेय काटजू फिर से विवादों में घिर गए हैं। उन्होंने नेता जी सुभाष चंद्र बोस और महात्मा गांधी को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने जहां नेताजी को जापान का और महात्मा गांधी को ब्रिटिश एजेंट बता दिया। उन्होंने जज के भ्रष्टाचार में शामिल होने को लेकर भी सफाई दी। उन्होंने न्यायालय की लेटलतीफी पर भी सवाल उठाया।उन्होंने कहा कि नेता जी जापान के लिए काम करते थे। उन्होंने कई बार जापान की मदद की। वास्तव में बोस का इस्तेमाल जापानियों द्वारा हो रहा था, और वे उन्हें तभी मार देते, जब उनकी उपयोगिता खत्म हो जाती। लेकिन साल 1945 में जब जापान ने आत्म समर्पण किया, तब वे कहां चले गए, इसका पता अभी तक नहीं लग सका। इससे शक गहरा गया कि बोस जापान के एजेंट के रूप में काम करते थे।वहीं जस्टिस काटजू ने गांधी के बारे में कहा कि गांधी जी ब्रिटेन के एजेंट थे और उन्होंने राजनीति में धर्म को घुसाकर देश को बहुत नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश सरकार, फूट डालो राज करो नीति पर चलती थी और महात्मा गांधी इस नीति को बढ़ावा देते थे। गांधी जी की नीतियों की वजह से मुसलमानों का झुकाव मुस्लिम लीग की ओर बढ़ा था। गांधी जी ने भगत जी जैसे क्रांतिकारी के आंदोलन से ध्यान भटकाया।

भारत-त्रिनिदाद एवं टोबैगो द्विपक्षीय संबंधों के नये युग की शुरूआत

प्रातः किरण/एजेंसी

पोर्ट ऑफ स्पेन। भारत ने कैरेबियाई द्वीपीय देश त्रिनिदाद एवं टोबैगो को डिजिटल शासन की सार्वजनिक बुनियादी अवसंरचना को सशक्त बनाने, कृषि एवं खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, फार्मास्यूटिकल्स एवं आयुर्वेद, क्षमता निर्माण तथा सांस्कृतिक जुड़ाव के कार्यक्रमों को सहायता देने की वचनबद्धता व्यक्त की है जबकि त्रिनिदाद एवं टोबैगो ने आतंकवाद के हर रूप के प्रति कड़ा विरोध जताया और बहुपक्षीय मंचों पर भारत के साथ घनिष्ठ सहयोग की प्रतिबद्धता जतायी है।

भारतीय प्रवासियों के देश में आगमन की 180वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की त्रिनिदाद एवं टोबैगो की दो दिवसीय यात्रा के संपन्न होने के साथ दोनों देशों ने संयुक्त वक्तव्य जारी किया जिसमें कहा गया, ह्लभारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 3 से 4 जुलाई तक त्रिनिदाद एवं टोबैगो की ह्लअत्यधिक सफलह्व आधिकारिक यात्रा का परिणाम दोनों देशों के बीच उन्नत द्विपक्षीय संबंधों के एक नए युग का मार्ग प्रशस्त करता है और एक मजबूत, समावेशी और दूरदर्शी भारत-त्रिनिदाद एवं टोबैगो साझीदारी के लिए उनकी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। वक्तव्य में कहा गया है कि यह ऐतिहासिक यात्रा 26 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा थी, जिसका गहरा महत्व था, क्योंकि यह 1845 में त्रिनिदाद एवं टोबैगो में भारतीय प्रवासियों के आगमन की 180वीं वर्षगांठ के साथ हुई थी। इसने गहरे जड़ वाले सभ्यतागत संबंधों, लोगों के बीच जीवंत संबंधों और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों की पुष्टि की जो दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती का आधार हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिससेर को उनकी हाल ही में मिली चुनावी जीत पर बधाई दी तथा भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की।

वक्तव्य में कहा गया कि भारत के भीतर और वैश्विक मंच पर प्रधानमंत्री मोदी के असाधारण नेतृत्व की मान्यता में, उन्हें ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद और टोबैगो से सम्मानित किया गया- जो देश का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर व्यापक चर्चा की। दोनों नेताओं ने संबंधों की गहराई और विस्तार पर संतोष व्यक्त किया और स्वास्थ्य, आईसीटी, संस्कृति, खेल, व्यापार, आर्थिक विकास, कृषि, न्याय, कानूनी मामलों, शिक्षा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में एक व्यापक-आधारित, समावेशी और दूरदर्शी साझेदारी बनाने के अपने संकल्प की पुष्टि की। दोनों नेताओं ने आतंकवाद द्वारा शांति और सुरक्षा के लिए उत्पन्न सामान्य खतरे को स्वीकार किया।उन्होंने आतंकवाद की कड़ी निंदा और उसके प्रति दृढ़ विरोध को दोहराया।

उन्होंने घोषणा की कि सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद का कोई औचित्य नहीं हो सकता है। उन्होंने फार्मास्यूटिकल्स, विकास सहयोग, शिक्षाविदों, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, राजनयिक प्रशिक्षण और खेलों सहित प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण समझौतों और समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने का स्वागत किया।दोनों नेताओं ने नवंबर 2024 में आयोजित दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के परिणामों को याद किया और उसमें घोषित पहलों के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्धता जताई।

वक्तव्य के अनुसार दोनों देशों ने डिजिटल क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने में गहरी रुचि व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की प्रमुख डिजिटल भुगतान प्रणाली यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को अपनाने वाला पहला कैरेबियाई देश बनने पर त्रिनिदाद एवं टोबैगो को बधाई दी। वे डिजिलॉकर, ई-साइन और गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) सहित इंडिया स्टैक समाधानों के कार्यान्वयन में और सहयोग का पता लगाने पर सहमत हुए। त्रिनिदाद एवं टोबैगो ने परिसंपत्ति पंजीकरण प्रणाली के डिजिटलीकरण और उन्नयन में भारत से सहयोग का अनुरोध किया। नेताओं ने इस बात को भी रेखांकित किया कि दोनों देश डिजिटल गवर्नेंस और सार्वजनिक सेवा वितरण समावेशी विकास, नवाचार और राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रभावी एवं अधिक सक्षम बनाने के लिए कार्य कर सकते हैं।

वक्तव्य में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने शिक्षा के डिजिटलीकरण के प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण की सराहना की और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के प्रमुख शैक्षिक कार्यक्रम का समर्थन करने के लिए 2000 लैपटॉप के उपहार की घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिनिदाद एवं टोबैगो के छात्रों को भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित विभिन्न छात्रवृत्ति कार्यक्रमों के तहत भारत में

एनसीआर व आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण रोकथाम के लिए सीएक्यूएम ने की हरियाणा-पंजाब के साथ बैठक

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए पंजाब और हरियाणा के मुख्य सचिवों के साथ चंडीगढ़ में दो बैठकें कीं।इन बैठकों में दोनों राज्यों में अंतर-विभागीय समन्वय को मजबूत बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए प्रमुख क्षेत्रीय उपायों के कार्यान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी।

सीएक्यूएम ने एक बयान में बताया कि हरियाणा के अधिकारियों के साथ बैठक में इस साल धान की पराली जलाने को खत्म करने की तैयारी, ईंट-भट्टों में धान की पराली आधारित बायोमास छर्रों का उपयोग और थर्मल पावर प्लांटों द्वारा निर्धारित उत्सर्जन मानदंडों के अनुपालन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विस्तृत समीक्षा की गई। सीएक्यूएम के अध्यक्ष राजेश वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में आयोग के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आयोग ने बताया कि राज्यों को कहा गया है कि दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाले परिवहन एवं वाणिज्यिक माल वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू करें। इसके साथ सभी डीजल-संचालित ऑटो-रिक्शा को चरणबद्ध तरीके से हटाने और अंतर-शहर बसों को स्वच्छ ऊर्जा में बदलने की प्रगति पर भी विचार-विमर्श किया गया।

समीक्षा बैठकों के अलावा आयोग की टीम ने 04 जुलाई को पंजाब और हरियाणा में धान की पराली के बाहरी उपयोग से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं/प्रतिष्ठानों का दौरा किया। इसमें पेलेटाइजेशन प्लांट, कंप्रेस्ड बायो-गैस प्लांट, बायोगैस प्लांट, 2जी इथेनॉल प्लांट और औद्योगिक बॉयलर शामिल हैं। सीएक्यूएम ने दोनों राज्य सरकारों द्वारा अब तक किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में सुधार को दशार्ने वाले दृश्यमान और मापनीय आंकड़े सुनिश्चित करने के लिए विशेषकर सर्दियों के मौसम के मद्देनजर सभी संबंधित हितधारकों की निरंतर कार्रवाई और साझा प्रतिबद्धता का आग्रह किया।

घटिया हेलमेट बेचने वालों पर कार्रवाई करें राज्यः केंद्र

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र ने राज्यों से दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए घटिया हेलमेट बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई करने को कहा है। शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया, उपभोक्ता मामलों के विभाग और भारतीय मानक ब्यूरो देशभर के उपभोक्ताओं से केवल बीआईएस प्रमाणित हेलमेट का उपयोग करने की अपील करते हैं।

विभाग ने बीआईएस प्रमाणीकरण के बिना हेलमेट के निर्माण या बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का भी आह्वान किया। विभाग ने कहा, भारतीय सड़कों पर 21 करोड़ से अधिक दोपहिया वाहन हैं, इसलिए सवार की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत हेलमेट पहनना अनिवार्य है।

हिंदी अच्छी भाषा है, लेकिन इसे थोपा नहीं जा सकता : राज ठाकरे

प्रातः किरण/एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में जारी भाषा विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी एकता पर मुंबई के वर्ली डोम में एक रैली को संबोधित किया। इस अवसर पर राज ठाकरे ने कहा, मैंने कहा था कि झगड़े से बड़ा महाराष्ट्र है। हम 20 साल बाद एक मंच पर आए हैं। हमारे लिए कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र और मराठी हमारे लिए एजेंडा है। राज ठाकरे ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम शांत हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि हम किसी से डरते हैं। मुंबई को महाराष्ट्र से कोई भी अलग नहीं कर सकता। हिंदी अच्छी भाषा है, लेकिन इसे थोपा नहीं जा सकता है। हिंदी बोलने वाले महाराष्ट्र में रोजगार के लिए आते हैं। मनसे अध्यक्ष ने कहा,एक मंत्री मुझसे मिले और अपनी बात सुनाने को कहा। मैंने साफ कहा कि मैं सुनूंगा पर मानूंगा नहीं। मैंने उनसे सवाल किया कि उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में तीसरी भाषा क्या होगी। ये सभी हिंदी भाषी राज्य हमसे पीछे हैं, हम उनसे आगे हैं, फिर हमें जबरन हिंदी क्यों सीखनी पड़े? तो यह अन्याय है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि तीन भाषा का फॉमूर्ला कहां से आया? ये सिर्फ केंद्र सरकार से आया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में सब कुछ अंग्रेजी में है, किसी और राज्य में ऐसा नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र में ही ऐसा क्यों? जब महाराष्ट्र जागता है, तो दुनिया देखती है। मराठा शासन हिंदी भाषा से भी पुराना है। मेरे पिता और बाला साहेब ने भी इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाई की थी। क्या आपने कभी उनके मराठी या महाराष्ट्र प्रेम पर सवाल उठाया? राज ठाकरे ने कहा कि हमारे बच्चे इंग्लिश मीडियम जाते हैं तो हमारी मराठी पर सवाल उठते हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए पहला दल रवाना, सीएम धामी ने दिखाई हरी झंडी

प्रातः किरण/एजेंसी

चम्पावत। उत्तराखंड से कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए शनिवार को पहला दल रवाना हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टनकपुर पर्यटक आवास गृह से यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दल में 11 राज्यों के 45 श्रद्धालु शामिल हैं, जिनमें 32 पुरुष और 13 महिलाएं हैं।मुख्यमंत्री धामी ने यात्रियों का पारंपरिक रूप से स्वागत किया और उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ा स्मृति चिह्न भी भेंट किया। उन्होंने श्रद्धालुओं से संवाद करते हुए देवभूमि उत्तराखंड में उनका हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मिक और आध्यात्मिक जागरण का मार्ग है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा उन चंद भाग्यशाली लोगों को ही नसीब होती है जो भोलेनाथ की कृपा से इसे पूर्ण कर पाते हैं। मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य, भोजन, आवास, सुरक्षा और परिवहन समेत हर स्तर पर पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। सभी पड़ावों पर आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं, जिससे किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो।

सीमाओं से परे शिव साक्षात्कार

मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि पहले जहां इस यात्रा को पूरा करने में सात दिन या उससे अधिक का समय लगता था, अब उन्नत कनेक्टिविटी और इन्फ्रास्ट्रक्चर के चलते यह कुछ ही घंटों में संभव हो सकी है। उन्होंने कहा, कि यह यात्रा अब केवल भौगोलिक मार्ग नहीं रही, बल्कि सीमाओं को लांघकर शिव से साक्षात्कार का सशक्त माध्यम बन चुकी है।

इन राज्यों से पहुंचे हैं श्रद्धालु

कैलाश मानसरोवर यात्रा के पहले दल में छत्तीसगढ़, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित 11 राज्यों के यात्री शामिल हुए हैं। इन यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री धामी ने भगवान भोलेनाथ से सभी यात्रियों की सफल, मंगलमय और सुरक्षित यात्रा की कामना की।

लोकतंत्र पर भारत का अटूट भरोसा : देश की जनता लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में रखती है विश्वास

लोकतांत्रिक प्रणाली में संतुष्टि के मामले में भारतीय दूसरे स्थान पर

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय लोगों का अपनी लोकतांत्रिक प्रणाली के मामले में भरोसा लगातार बढ़ रहा है। भारत ने हाल ही में अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भी उल्लेखनीय प्रगति की है, जो भारतीय नागरिकों की अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था में बढ़ते विश्वास के अनुरूप है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय लोग दुनिया में अपने लोकतंत्र से संतुष्टि के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, भारत अपने लोकतंत्र से संतुष्टि के मामले में दुनिया भर में दूसरे स्थान पर है, जो स्वीडन (75 प्रतिशत) के ठीक पीछे 74 प्रतिशत के साथ खड़ा है। यह उपलब्धि 23 देशों के सर्वेक्षण में हासिल की गई है, जहां औसतन 58 प्रतिशत लोग अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था से असंतुष्ट हैं। यह आंकड़ा भारत की प्रगति और जनता के विश्वास को दशार्ता है जो देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में स्थापित करता है। इस सर्वे के अनुसार 15 देशों में आधे से अधिक लोग अपने देश की लोकतांत्रिक प्रणाली से संतुष्ट नहीं हैं। 2017 से लगातार किए जा रहे प्यू रिसर्च के सर्वेक्षणों में यह स्पष्ट हुआ है कि उच्च आय वाले देशों जैसे कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इटली, जापान, नीदरलैंड, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका में लोकतंत्र के प्रति असंतोष 64 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जबकि संतुष्टि महज 35 प्रतिशत है। इसके विपरीत, भारत में 74 प्रतिशत लोग अपने लोकतंत्र के कामकाज से खुश हैं, जो यह दशार्ता है कि देश की जनता अपनी सरकार और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास रखती है। यह विश्वास आर्थिक प्रगति और सामाजिक स्थिरता से भी जुड़ा है, क्योंकि सर्वेक्षण बताते हैं कि जहां अर्थव्यवस्था मजबूत है, वहां लोकतंत्र के प्रति संतुष्टि भी अधिक है। भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। कई चीजें इस बात को प्रभावित कर सकती हैं कि लोग अपने लोकतंत्र के काम करने के तरीके से कितने संतुष्ट हैं, लेकिन आर्थिक धारणाएं एक महत्वपूर्ण कारक हैं। जिन देशों में जनता का एक बड़ा हिस्सा कहता है कि अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है, वहां आम तौर पर ऐसे लोग भी होते हैं जो अपने लोकतंत्र से संतुष्ट होते हैं। सर्वेक्षण में यह भी उभरकर सामने आया है कि कोविड-19 महामारी के बाद कई देशों में लोकतंत्र के प्रति संतुष्टि में गिरावट आई है, लेकिन भारत में यह स्तर बरकरार रहा। 2017 में जहां दुनिया के बड़े देशों में 49 प्रतिशत लोग अपनी लोकतांत्रिक प्रणाली से संतुष्ट थे, वहीं आज 74 प्रतिशत का आंकड़ा भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली में सुधार दिखा रहा है।

मैं अभी 30-40 साल और जीवित रहूंगा, मुझ पर अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद:दलाई

प्रातः किरण संवाददाता

धर्मशाला। दलाई लामा ने अपने उत्तराधिकारी को लेकर जारी अफवाहों पर विराम लगा दिया है। शनिवार को उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह लोगों की सेवा के लिए 30-40 साल और जीवित रहेंगे। मैकलोडगंज में मुख्य दलाई लामा मंदिर त्सुगलागखांग में रविवार को वर्तमान दलाई लामा के जन्मदिन माना जाना है। इससे पहले, दीघायु प्रार्थना समारोह में तेनजिन ग्यात्सो ने कहा कि उन्हें स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद उनके साथ है।तिब्बत के आध्यात्मिक नेता ने कहा कि कई भविष्यवाणियों को देखते हुए मुझे लगता है कि मुझ पर अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद है। मैंने अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया है। मुझे उम्मीद है कि मैं अभी 30-40 साल और जिंदा रहूंगा। आपकी प्रार्थनाएं अब तक फलदायी रही हैं। उन्होंने कहा कि हमने अपना देश खो दिया है और हम भारत में रह रहे हैं।

यहीं मैं जीवात्माओं को काफी लाभ पहुंचाने में सक्षम रहा हूं। मैं जितना संभव हो सके, जीवात्माओं को लाभ पहुंचाने और उनकी सेवा करने की इच्छा रखता हूं।वहीं विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा था कि भारत सरकार आस्था और धर्म से जुड़े मामलों में कोई पक्ष नहीं लेती है।

संक्षिप्त समाचार

थामा पहाड़ का दामन, महिलाओं को बना रहीं आत्मनिर्भर

रानीखेत (अल्मोड़ा), एजेंसी। शहरों की चकाचौंध छोड़ सुदूर गांव पहुंची शुचि राकेश जोशी ने गांव की महिलाओं के साथ मिलकर पलायन रोकने की ठानी है। 'प्योर पहाड़ी' नाम की संस्था बनाकर शुचि ने गांव की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सराहनीय पहल शुरू की है। उनके प्रयासों की लोगों ने सराहना की है। ताड़ीखेत ब्लॉक के नौगांव में 'प्योर पहाड़ी' संस्था के जरिए स्थानीय उत्पादों को नई पहचान दी जा रही है। लंबे समय तक नोएडा सहित कई अन्य स्थानों पर काम कर चुकी नोएडा निवासी शुचि पूजा-पाठ के लिए गांव पहुंचीं और यहीं की मिट्टी से जुड़ने का संकल्प लिया। परिजनों से सहयोग मिलने पर उन्होंने स्थानीय महिलाओं के साथ मिलकर लहसुन, अदरक, पुदीना, भांग, लाल मिर्च आदि से बना पहाड़ी नमक बेहतरीन पैकिंग में नोएडा के बाजारों में उतारा। इसके साथ ही शहद और अन्य मसालों को भी बाजार में लाने की तैयारी की जा रही है। गांव में रोजगार मिलने से महिलाएं बेहद उत्साहित हैं। संस्था की संस्थापक शुचि ने बताया कि जल्द ही और महिलाओं को जोड़ा जाएगा जिससे उन्हें घर बैठे रोजगार मिल सके। उन्होंने बताया कि नोएडा में पहाड़ी नमक को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। अन्य शहरों में भी उत्पादों को पहुंचाने की योजना है। गांव की बहू शुचि की यह पहल न सिर्फ ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है। बल्कि पहाड़ से हो रहे पलायन पर भी लगाम लगाने में मददगार साबित हो रही है।

आरोपित अब्दुल मलिक व अन्य को जमानत नहीं, हाई कोर्ट ने निचली कोर्ट जाने को कहा

नैनीताल, एजेंसी। हाई कोर्ट ने हल्द्वानी के बनभूलपुरा दंगा के मुख्य आरोपित अब्दुल मलिक, अब्दुल मोइद और चालक मोहम्मद जहीर की जमानत याचिका पर सुनवाई की। वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी व न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ ने फिलहाल आरोपितों को कोई राहत नहीं देते हुए अगली सुनवाई को एक माह बाद की तिथि नियत है। गुरुवार को सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से कहा गया कि तीनों आरोपितों के विरुद्ध सत्र न्यायालय में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है, इसलिए आरोपियों को जमानत के लिए फिर से सत्र न्यायालय में जाना चाहिए, जबकिआरोपियों की ओर से कहा गया कि सत्र न्यायालय के बजाय खंडपीठ इस प्रकरण में सुनवाई करे। कहा कि उन्हें फिलहाल डिफॉल्ट जमानत दी जाए, मामले में तय समय पर पुलिस ने चार्जशीट दायर नहीं की। इन्हीं आरोपों में हाई कोर्ट अन्य आरोपियों को पहले जमानत दे चुका है। नागरिक सहित सरकारी संपत्ति को नुकसान हुआ था। जांच करने पर पुलिस ने मुख्य आरोपित सहित अन्य के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया, दंगे में शामिल करीब 50 से अधिक लोगों की जमानत हो चुकी है, मुख्य साजिश कर्ता व उसके साथ देने वालों की जमानत कोर्ट में विचाराधीन है।

द्वाराहाट के छात्रों ने शून्य बजट में विकसित की वर्चुअल लैब

द्वाराहाट (अल्मोड़ा), एजेंसी। बिपिन त्रिपाठी कुमाऊं प्रौद्योगिकी संस्थान द्वाराहाट के बीटेक कंप्यूटर साइंस के चार छात्रों ने शून्य निवेश में एक कार्यात्मक वर्चुअल लैब विकसित की है। लैब कंप्यूटर संगठन और वास्तुकला (सीओए) विषय को आसान और संवादात्मक रूप में समझाने के उद्देश्य से तैयार की गई है।छात्र अजय सिंह बिष्ट, क्षितिज कथूरा, आयुष सैनी और हर्षित की टीम ने यह परियोजना शिक्षा मंत्रालय की वर्चुअल लैब परियोजना के तहत उत्तराखंड नोडल केंद्र आईआईटी रुड़की के तकनीकी मार्गदर्शन में पूरी की है। छात्रों ने बताया कि ओपन सोर्स प्लेटफार्म, निशुल्क में उपलब्ध डेवलपमेंट टूल्स और अपने प्रोग्रामिंग कौशल का उपयोग करके यह उच्च स्तरीय सिमुलेशन लैब तैयार की है।

40 साल पुराना कटहल पेड़, 100 क्विंटल से ज्यादा पैदावार, मालामाल हो रहा किसान

हल्द्वानी, एजेंसी। अगर आपको कोई कहे कि एक पेड़ से 100 क्विंटल से अधिक कटहल की पैदावार हो सकती है तो आपको असंभव लगेगा. लेकिन उत्तराखंड के नैनीताल जिले के हल्द्वानी के गौलापार के रहने वाले प्रगतिशील किसान नरेंद्र सिंह मेहरा ने यह कर दिखाया है. कटहल उत्पादन अब नरेंद्र सिंह की आर्थिकी का साधन बन गया है और उनके कटहल की मार्केट में भारी मांग रहती है.

फलों से लदा रहता है कटहल का पेड़- वहीं एक परिपक्व कटहल का पेड़ प्रतिवर्ष 200 से 500 फल दे सकता है, लेकिन नरेंद्र मेहरा ने जैविक विधि से तैयार किए गए कटहल के पेड़ से 100 क्विंटल से अधिक का उत्पादन किया है. किसान नरेंद्र मेहरा कृषि और बागवानी के क्षेत्र में कई मुकाम हासिल कर चुके हैं. उन्होंने अपने बगीचे में कटहल का पेड़ तैयार किया है, जो कटहल से लदा रहता है.

कटहल से होती है कमाई- नरेंद्र मेहरा ने बताया कि उनके बगीचे में लगभग 40 साल पुराना कटहल का पेड़ है. बगीचा पूरी तरह से ऑर्गेनिक है. पिछले कई सालों से वो कटहल के पेड़ से भारी उत्पादन कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि उनके पेड़ पर इस वर्ष करीब 100 क्विंटल से अधिक कटहल लगा हुआ है उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष उन्होंने एक पेड़ से 45 हजार रुपए की कटहल बेचा था और उम्मीद है कि इस बार पिछले साल की तुलना में अधिक कमाई होगी.

नरेंद्र मेहरा का कहना है कि किसानों के लिए कटहल की खेती को काफी लाभदायक माना जाता है, क्योंकि इससे सालों साल मोटी कमाई हो सकती है. कटहल का पौधा लगाने के बाद किसानों को इसका 2 से 4 साल तक रखरखाव और मेंटेनेंस करना होता है. जिसके बाद फल आना शुरू हो जाता है और अच्छी कमाई होती है. इसके लिए ना तो किसानों को दवाई की आवश्यकता होती है और ना ही किसी मेंटेनेंस की. साथ ही मौसम परिवर्तन या फिर आंधी तूफान का भी कोई असर नहीं होता है.

5 सालों में फल देने लगता है कटहल का पौधा- कटहल का पौधा लगने के लगभग 5 सालों बाद फल देना शुरू कर देता है. शुरुआत में इसका पौधा 200 से 300 किलोग्राम तक उत्पादन देता है. लेकिन 10 वर्ष पुराना होने के बाद उसके फल देने की क्षमता लगातार बढ़ती जाती है और इसका एक पेड़ लगभग 500 से 600 किलो तक फल का उत्पादन कर सकता है. मार्केट में कटहल की खासी मांग- कटहल का इस्तेमाल सबसे अधिक सब्जी और अचार बनाने के लिए किया जाता है. कई राज्यों में पके हुए कटहल को फल के रूप में लोग खाते हैं. विदेशों में भी अब कटहल की अच्छी खासी डिमांड रहने लगी है.

कार-बाइक की टक्कर के बाद महिला ने खोया आप, बोली- मुझे धमका रहे हो, मेरा बेटा आइपीएस है एक-एक को अंदर कर दूंगी

हल्द्वानी, एजेंसी। मुझे अकेली महिला समझकर धमका रहे हो। मैंने बोला कि मुझसे गलती हो गई। इसके बाद मुझे परेशान करने की क्या जरूरत है। अब मैं तुम्हें बताऊंगी गुंडागर्दी किसे कहते हैं। मेरा बेटा आइपीएस है। एक-एक को अंदर करा दूंगी। एक महिला की ये सब बातें कहते हुए वीडियो इंटरनेट मीडिया में तेजी से प्रसारित हो रहा है। जिसमें लोग प्रतिक्रिया कर चटकारे ले रहे हैं।

वीडियो बुधवार का बताया जा रहा है। कुछ युवक अपनी कार से परीक्षा देने के लिए हल्द्वानी आए थे। एमबीपीजी कालेज के पास सड़क किनारे खड़ी युवकों की कार पर स्कूटी सवार महिला से टक्कर लग गई। कार सवार दो तीन युवक बाहर आए और महिला से कहने लगे कि उनकी वजह से कार में स्क्रैच आया है। उन्हें नुकसान का भुगतान करना होगा।

इस बीच एक युवक ने वीडियो बना दी। इससे महिला नाराज हो गई। कुछ देर बहस के बाद महिला का धैर्य जवाब दे गया। महिला ने गुस्से में युवकों को अपशब्द कह डाले। कुछ लोगों ने विवाद का वीडियो इंटरनेट मीडिया में प्रसारित कर दिया। जिसमें महिला कह रही है कि उनका बेटा आइपीएस है। उन्हें धमकी देने से पहले परिणाम के बारे में सोच लो।

वीडियो में महिला यह तक कहते हुए सुनाई दे रही है कि तुम परीक्षा देने आए हो। जीवनभर किसी परीक्षा में पास नहीं हो पाओगे। मेरे बेटे ने ईमानदारी से परीक्षाएं दीं। तुम्हारी तरह किसी को गुंडागर्दी नहीं दिखाई। इधर, पुलिस ने वीडियो के जांच की बात कही है।

पुलिस रातभर हल्द्वानी में करती रही तलाश, रामपुर में मिला छठवीं का छात्र

हल्द्वानी, एजेंसी। डहरिया के साप्ताहिक बाजार में काटन कैंडी बेचने गया कक्षा छह का छात्र रात को घर नहीं लौटा। स्वजन ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी। बुधवार की पूरी रात पुलिस व स्वजन उसकी तलाश करते रहे।

बुधवार की सुबह उत्तरप्रदेश के रामपुर मिलक से फोन आया कि बच्चा वहां पहुंच गया है। इस सूचना के बाद स्वजन ने राहत की सांस ली। टीपीनगर चौकी क्षेत्र के शिवाजी कालोनी फार्म नंबर तीन डहरिया निवासी विषम पाल ने पुलिस को बताया कि उनका 13 वर्षीय बेटा अभिकेत देवलचौड़ सरकारी स्कूल में पढ़ता है। बुधवार को बेटा डहरिया में साप्ताहिक बाजार में काटन कैंडी बेचने के लिए गया था पर वापस नहीं लौटा। उन्होंने अनहोनी की आशंका जताई।

सूचना पर कोतवाल राजेश कुमार यादव व चौकी इंचार्ज मनोज कुमार टीम के संग साप्ताहिक बाजार पहुंचे। रातभर पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए इधर-उधर दौड़ती रही। मगर छात्र का पता नहीं चला। सुबह उनके मूल निवासी उत्तरप्रदेश के रामपुर थाना मिलक के कूप गांव से फोन आया कि बच्चा यहां पहुंच गया है।

वादों में उलझा विकास, जस के तस हालात; गांवों में सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य पर स्थिति दयनीय

अल्मोड़ा, एजेंसी। उत्तराखंड में पंचायत चुनाव का बिगुल बज चुका है। गांवों में विकास के दावे और वादों की गूंज सुनाई दे रही है लेकिन हकीकत में ताड़ीखेत विकासखंड के सैकड़ों गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

उत्तराखंड में पंचायत चुनाव का बिगुल बज चुका है। गांवों में विकास के दावे और वादों की गूंज सुनाई दे रही है लेकिन हकीकत में ताड़ीखेत विकासखंड के सैकड़ों गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी जरूरतें आज तक पूरी नहीं हो सकीं।

सरकारी रिकॉर्ड में अधिकतर गांवों को सड़कों से जोड़ने का दावा किया है लेकिन जमीनी हकीकत अलग है। मल्ला विश्वा, दाड़िमा, गैरा जैसे गांवों में आज भी सिर्फ कच्ची सड़कें हैं। बरसात में ये कीचड़ से लथपथ हो जाती हैं और गर्मियों में धूल उड़ाती हैं।

ग्रामीण हर चुनाव में पक्की सड़क का सपना देखते हैं लेकिन हर बार सिर्फ वादा ही हाथ आता है। स्वास्थ्य सेवाएं भी नाम मात्र की हैं। अधिकतर गांवों में स्वास्थ्य केंद्र तो है लेकिन छोटी बीमारी में भी लोगों को कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। रोजगार की कमी के कारण युवा गांव छोड़ रहे हैं। पलायन की रफ्तार इतनी बढ़ गई है कि कई गांव आधे खाली हो गए हैं।

2011 की जनगणना के अनुसार क्षेत्र की जनसंख्या 66,831 थी जो अब घटकर लगभग 55000 रह गई है। ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव आते ही घोषणाएं होती हैं लेकिन काम कभी नहीं होता। अब पंचायत चुनाव के माहौल में एक बार फिर वही वादे दोहराए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर चल रहे चुनाव पर रहेगी पुलिसिया नजर

रामनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के नामांकन शुरू होने के साथ प्रचार भी जोर पकड़ने लगा है। इस बीच प्रत्याशी और उनके समर्थक सोशल मीडिया से माहौल बनाने में जुट गए हैं। इस बीच नैनीताल पुलिस की सोशल मीडिया निगरानी सेल सभी चुनाव संबंधी पोस्ट पर नजर रखी रही है ताकि चुनाव प्रभावित न होने के साथ माहौल सही बना रहे।

नैनीताल पुलिस की सोशल मीडिया निगरानी सेल फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि प्लेटफॉर्म से चुनाव प्रचार करने वालों पर गिरानी रखे हुए है। अपने-अपने पक्ष में चुनावी माहौल बनाने वाले पोस्ट पर यदि कोई समर्थक या अन्य व्यक्ति आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहा है तो सोशल मीडिया सेल की टीम संबंधित थाने को सूचित करेगी।

दो महीने के भीतर सचिवालय की आधिकारिक वेबसाइट तैयार करें, हाईकोर्ट का राज्य सरकार को आदेश

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड सचिवालय की आधिकारिक वेबसाइट न होने के मामले पर नैनीताल हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. मामले में हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए राज्य सरकार को दो महीने के भीतर उत्तराखंड सचिवालय की आधिकारिक वेबसाइट तैयार करने के आदेश दिए हैं. साथ ही कोर्ट ने इस याचिका को निस्तारित कर दिया है.

समाधान संस्था ने दायर की थी याचिका- दरअसल, देहरादून की समाधान संस्था ने नैनीताल हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की है. जिसमें संस्था का कहना है कि उत्तराखंड सचिवालय की अपनी वेबसाइट नहीं है. यह सूचना अधिकार अधिनियम 2005 का खुला उल्लंघन है.

याचिकाकर्ता ने कोर्ट में कही ये बात- याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि एक साल पहले भी इस संदर्भ में प्रत्यावेदन भी सौंपा गया था. तब उन्हें एक साल के भीतर सचिवालय की

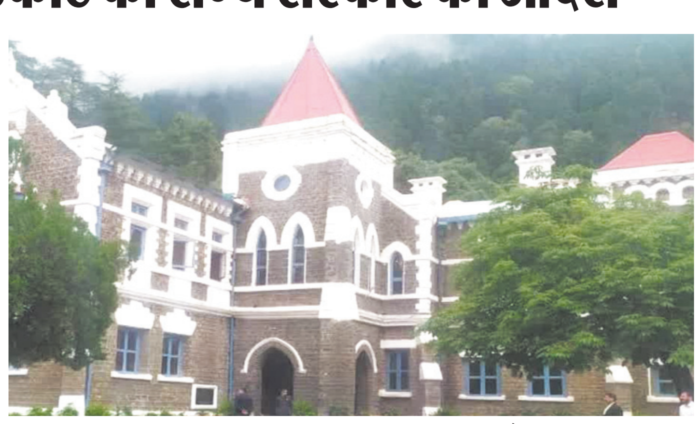

आधिकारिक वेबसाइट के गठन का आश्वासन दिया गया था, लेकिन आज तक मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है. अभी तक वेबसाइट नहीं बनी है. याचिकाकर्ता का कहना था कि आधिकारिक वेबसाइट न होने से सूचना कार्यकर्ताओं और आम लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. सचिवालय की आधिकारिक वेबसाइट न होने से आम जनता को उचित जानकारी नहीं मिल पा रही है.

हाईकोर्ट ने निस्तारित की याचिका- वहीं, मामले में सुनवाई करते हुए वरिष्ठ न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने जनहित याचिका को निस्तारित कर दिया है. साथ ही कोर्ट ने सामान्य प्रशासन विभाग को निर्देश दिया है कि जल्द ही सचिवालय की आधिकारिक वेबसाइट बनाई जाए.

मौत ने बुलाया था : नहाना तो बस एक बहाना था, घूमने की जिद खींच लाई मुसाताल

नैनीताल, एजेंसी। भीमताल ब्लॉक की ग्राम पंचायत चाफी के मुसाताल में नहाने गए दो एयरफोर्स कर्मियों की डूबने से मौत हो गई। अब साथ आए जवानों के दिल में बची हैं तो इस ट्रिप की बुरी यादें।

प्रकृति की गोद में सुंदर नजारे के बीच नहाने की जिद से एयरफोर्स के दो जवान काल के गाल में समा गए। अब साथ आए जवानों के दिल में बची हैं तो इस ट्रिप की बुरी यादें। साथ ही यह टीस भी उन्हें जिंदगीभर सालती रहेगी कि काश नहाने के लिए ताल में नहीं उतरते।पहाड़ के प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ उठाने के लिए पठानकोट पंजाब एयरफोर्स के चार जवान अपने चार अन्य दोस्तों के साथ नैनीताल के धारी स्थित सुंदरखाल के होटल में बुधवार को पहुंचे।

बृहस्पतिवार को आठों दोस्त भीमताल में चाफी के तोक बेलवागांव स्थित परिताल के मध्य मुसाताल घूमने के लिए पहुंचे। मुसाताल पहुंचने के बाद सौरभ सिंह नयाल, प्रिंस यादव, शाहिल और विजेंद्र का नहाने का मन हुआ तो बिना सोचे समझे ताल में उतर गए। ताल में नहाते-नहाते प्रिंस यादव और शाहिल गहराई में चले गए। इस बीच वे डूबने लगे तो सौरभ और विजेंद्र ने दोनों को बचाने का काफी प्रयास किया लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। दोनों दोस्तों की मौत के बाद सौरभ और विजेंद्र के साथ चार अन्य महिला दोस्तों का रो-रोकर बुरा हाल है।

लोगों ने बताया कि नहाने की जिद के चलते दोनों की जान चले गई। एसडीएम केएन गोस्वामी और सीओ प्रमोद साह ने सभी को सांत्वना दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह सुंदरखाल होटल में ठहरे हुए थे।

उत्तराखंड के छात्र के हाथ लगा जैकपॉट, अमेजन में मिला 47.88 लाख का पैकेज

भवाली, एजेंसी। ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल परिसर ने अपने उत्कृष्ट प्लेसमेंट की परंपरा को जारी रखते हुए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यूनिवर्सिटी के बीटेक कंप्यूटर साइंस के अंतिम वर्ष के छात्र शैलेश रौतेला को विश्व की अग्रणी कंपनी अमेजन से 47.88 लाख वार्षिक का आकर्षक पैकेज प्राप्त हुआ है।

यूनिवर्सिटी से मिली जानकारी के अनुसार यह प्रस्ताव शैलेश को इस वर्ष के सबसे उच्च वेतन वाले छात्रों में शामिल करता है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा विद्यार्थियों की योग्यता पर भी उद्योग जगत का प्रभाव बढ़ा है।शैलेश के साथ पारुल सिंह, सान्या पांडे और मुकेश नेगी को भी अमेजन से नौकरी के प्रस्ताव मिले हैं। इसके अलावा कंप्यूटर साइंस विभाग के ही करण मटियाली और मयंक जोशी को वीजा कंपनी से 32.88 लाख वार्षिक का पैकेज प्राप्त हुआ है। वर्ष 2025 के प्लेसमेंट सत्र में कई प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भाग लिया। प्रमुख भर्ती कंपनियों में अमेजन, वीजा, टीसीएस, विप्रो, इन्फोसिस, कैपजेमिनी, एक्सेंचर, कान्जिंट, हिताची, एडोबी, जेडएस एसोसिएट्स, डेलाइट, आईबीएम, एचसीएल, जारो एजुकेशन, एबी इनबेव जीसीसी, टाटा हेल्थकेयर और बीएनवाई मेलान प्रमुख हैं।

अल्मोड़ा में भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने कराया नामांकन

अल्मोड़ा, एजेंसी। जिले में पंचायत चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई है। जिला पंचायत चुनाव को लेकर प्रत्याशियों से लेकर समर्थकों तक में खासा उत्साह है. प्रत्याशी अपने चुनाव क्षेत्र में जगह जगह पोस्टर बैनर लगाकर प्रचार में जुट गए हैं. चुनाव के लिए कई लोग नामांकन करा चुके हैं. धारानौला स्थित जिला पंचायत कार्यालय परिसर में नामांकन दाखिल करने के दौरान प्रत्याशियों और उनके समर्थकों का जमावड़ा लग रहा है.

अल्मोड़ा में जिला पंचायत सदस्य की 45 सीटों पर चुनाव होना है. पिछले तीन दिन में 143 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल कर चुनावी ताल ठोक दी है. प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ नामांकन करने पहुंच रहे हैं. अल्मोड़ा भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने भी अपना नामांकन दाखिल किया है. वह एक बार फिर सकनियाकोट से चुनावी मैदान में हैं. महेश नयाल साल 2019 में सकनियाकोट से जिला पंचायत सदस्य चुने गए थे.

तब भाजपा ने उन्हें जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव लड़ाया था. लेकिन उस चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार उमा बिष्ट जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित हुई थी. इधर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल की बहू सुनीता कुंजवाल को भी इस बार खॉकर सीट से कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशी के रूप में उतारा गया है. जबकि कई पूर्व जिला पंचायत सदस्यों ने भी दोबारा चुनाव मैदान में ताल ठोकी है. भाजपा कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों के साथ ही कई निर्दलीय प्रत्याशी भी नामांकन करा रहे हैं. रिटर्निंग ऑफिसर अजय कुमार ने बताया कि पिछले तीन दिनों में कुल 143 लोगों ने इस पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए हैं. तीसरे दिन जिला पंचायत सदस्य पद के लिए 96 लोगों ने नामांकन कराए. जिसमें 39 महिला व 57 पुरुष उम्मीदवारों ने पर्चा भरा. और 57 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई. इससे पहले तीन जुलाई को 44 तथा दो जुलाई को तीन प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं. भाजपा और कांग्रेस ने जिप सदस्य पद पर अपने समर्थकों को जीत दिलाने के लिए पूरी ताकत लगा रखी है. शनिवार यानि आज नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन है. इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी होगी. नाम वापसी के निर्धारित समय बाद 45 सीट पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की संख्या पता चलेगी.

दिल्ली में बीजेपी के चारों इंजन फेल, पांच महीने में साफ पानी तक नहीं दे पाए : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, पूर्वी दिल्ली में सीवेज मिला गंदा पानी घरों में सप्लाई होने को लेकर कोर्ट से मिली डीजेबी को फटकार के बाद आम आदमी पार्टी ने बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। ह्लआपह्व के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में बीजेपी के चारों इंजन फेल हो चुके हैं। ये चारों इंजन मिलकर भी पांच महीने में दिल्ली की जनता को साफ पानी तक नहीं दे पाए। आज हालात ये है कि दिल्ली के जिन इलाकों में कभी गंदा पानी नहीं आता था, वहां भी गंदा पानी आ रहा है और लोगों को मजबूर होकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री से लेकर बीजेपी के मंत्री और विधायक तक नहीं सुन रहे हैं। लोगों के साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है। आप के वरिष्ठ नेता व दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को पानी के मुद्दे पर मीडिया बातचीत में कहा कि आज दिल्ली में लोगों को हाई कोर्ट क्यों जाना पड़ रहा है? क्योंकि ना तो बीजेपी के विधायक, ना बीजेपी सरकार के विभाग, ना मंत्री और ना मुख्यमंत्री सुन रहीं हैं। जिन इलाकों में कभी गंदा पानी नहीं आया, आज वहां गंदा पानी आ रहा है। मेरे अपने घर में 8 साल पहले हम लोगों ने पानी की लाइन बदलवाई। यहां तक कि पूरे इलाके की लाइन चेंज कराई। कभी गंदा पानी नहीं आया। मगर पिछले 15 दिनों से मेरे घर में भी गंदा पानी आ रहा है। सीवर का पानी आ रहा है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस तरीके की गंदी व्यवस्था और गंदी राजनीति है कि अगर कोई बीजेपी विधायक के कार्यालय में शिकायत करने जाता है, तो उससे पूछा जाता है कि तुमने किसको वोट दिया? तुम तो फलां पार्टी के हो। इस तरीके का दुर्व्यवहार जो दिल्ली की जनता के साथ किया जा रहा है, वह पहले कभी देखा नहीं गया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अभी तक जितने काम जनता को दिख रहे हैं, लगभग 95 फीसद काम पिछली आप सरकार ने सेंक्शन करके छोड़े थे। नए कामों की शुरूआत अभी भी नहीं हो पाई है, जबकि जल बोर्ड, सीवर और हमारे इलाके के काम मेरे द्वारा सेंक्शन किए गए थे, जिसके लिए मैंने विधायक निधि दी थी। नई सरकार के कामों में सुस्ती है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मौजूदा सरकार की प्राथमिकता विज्ञापन करना और हर चीज का ढिंढोरा पीटना है। बीजेपी सरकार अपनी बस नहीं लाई, पुरानी बसों पर उसने लीपापोती कर दी और दावा किया कि यह उनकी है। ऐसे ही भाजपा अपना आरोग्य मंदिर नहीं बना पाई, पुराने मोहल्ला क्लीनिकों की लीपापोती कर दी और कह रहे हैं, अब ये हमारे हैं। सिर्फ लीपापोती करने से सरकारें नहीं चलतीं, काम करना पड़ेगा।

दिल्ली: क्राइम ब्रांच ने गोगी गैंग के पंछी को गोवा से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कुख्यात जितेंद्र गोगी गैंग के सक्रिय सदस्य मोहित उर्फ ह्यपंछीह्व को गोवा से गिरफ्तार किया है। मोहित हरियाणा के सोनीपत के पंछी जाटान गांव का रहने वाला है। 2016 में गोगी को पुलिस हिरासत से भगाने में शामिल था। उसे 2018 में मकोका मामले में गिरफ्तार किया गया था। फरवरी 2025 में उसे बहन की शादी के लिए चार दिन की अंतरिम जमानत मिली थी। जिसका फायदा उठाकर वो फरार हो गया। क्राइम ब्रांच की आरके पुरम टीम, इंस्पेक्टर रामपाल और एसीपी उमेश बर्थवाल की अगुआई में गुप्त सूचना के आधार पर मोहित को पकड़ने के लिए गोवा में ऑपरेशन चलाया।

सूचना मिली थी कि मोहित बार-बार ठिकाने बदल रहा था और गोवा में छिपा हुआ था। वह अपनी पहचान छिपाने के लिए छिपने की जगह से दूर जाकर कॉल लगाता था और जघन्य अपराध की योजना बना रहा था। पुलिस ने सावधानीपूर्वक जांच की और 4 जुलाई को उत्तरी गोवा के शहीद सर्कल के पास छापेमारी कर मोहित को धर दबोचा। पूछताछ में मोहित ने अपनी पहचान स्वीकारी और बताया कि वह मकोका मामले में जमानत तोड़कर फरार था। वह गोगी गैंग का कट्टर सदस्य है और 2016 में बहादुरगढ़ में दिल्ली पुलिस की एस्कॉर्ट टीम पर हमले में शामिल था, जिसका मकसद गैंग के सरगना जितेंद्र गोगी को भगाना था। इस हमले का मामला बहादुरगढ़ के सदर थाने में दर्ज है। मोहित गैंग के कई अन्य आपराधिक मामलों में भी संलिप्त रहा है। फरार होने के बाद वो मुंबई, गोवा और कर्नाटक में छिपता रहा। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने इस गिरफ्तारी को बड़ी सफलता बताया है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है, ताकि गैंग के अन्य सदस्यों और उनके आपराधिक नेटवर्क का पदार्फाश किया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

दिव्यांग छात्रों के बेहतर असेसमेंट के लिए 20 वर्कशीट्स तैयार

नई दिल्ली, । शिक्षा निदेशालय की समावेशी शिक्षा शाखा ने दिव्यांग छात्रों के शैक्षणिक और व्यावहारिक कौशल विकास को लेकर 20 वर्कशीट्स तैयार की हैं। यह पहल नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में दिए गए समावेशी शिक्षा के प्रविधानों के अनुरूप शुरू की गई है। ये वर्कशीट्स विषय और कौशल आधारित होंगी, जिनका उद्देश्य दिव्यांग छात्रों की कार्यात्मक पढ़ाई, लेखन और गणना सहित विभिन्न विकासात्मक क्षेत्रों में मूल्यांकन करना है। वर्कशीट्स को प्रत्येक पखवाड़े निदेशालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। वर्कशीट्स का प्रयोग पीजीटी, टीजीटी और प्राथमिक अतिथि विशेष शिक्षक और संबंधित कक्षा या विषय शिक्षक कर सकेंगे। इन्हें व्यक्तिगत शिक्षा योजना के लक्ष्यों को पूरा करने में सहायक टूल के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। शिक्षक छात्रों के स्तर और जरूरतों के अनुसार अपनी रचनात्मकता से नई वर्कशीट्स भी बना सकते हैं शिक्षा निदेशालय ने सभी सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया है कि इन वर्कशीट्स की हार्ड कॉपी सभी संबंधित शिक्षकों को समय पर उपलब्ध कराई जाए ताकि दिव्यांग छात्रों की बेहतर शैक्षणिक प्रगति सुनिश्चित की जा सके।

दिल्ली में रिटायर्ड महिला टीचर ने तीन लोगों को दी नई जिंदगी, ब्रेन हेमरेज से खुद थीं पीड़ित

नई दिल्ली, । ब्रेन हेमरेज पीड़ित 69 वर्षीय एक सेवानिवृत्त शिक्षिका स्टेला सुचित्रन के द्वारका स्थित मणिपाल अस्पताल में अंगदान से लिवर की बीमारी से पीड़ित एक महिला समेत तीन लोगों को जीवन मिला। जिसमें किडनी की बीमारी से पीड़ित दो पुरुष मरीज शामिल हैं। इसके अलावा दोनों कार्निया भी नेत्र बैंक में सुरक्षित रखवा दिया गया है। इससे दो दृष्टिबाधित लोगों की आंखों को रोशनी भी मिल सकेगी। अस्पताल के अनुसार 29 जून को योग के लिए तैयार होने के दौरान वह बेहोश होकर वाशरूम में गिर गई थीं। स्वजन उन्हें लेकर मणिपाल अस्पताल लेकर गए जहां सीटी स्कैन जांच में ब्रेन में क्लाट होने की बात सामने आई। डाक्टरों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया लेकिन दो जुलाई को ब्रेन डेड हो गईं। इसके बाद परिवार के लोगों ने अंगदान का फैसला किया। उनके अंगदान में मिला लिवर मणिपाल अस्पताल में ही एक 33 वर्षीय महिला मरीज और एक किडनी 51 वर्षीय पुरुष मरीज को प्रत्यारोपित की गई। दूसरी किडनी एक अन्य अस्पताल में ले जाकर 34 वर्षीय युवक को प्रत्यारोपित की गई।

शिक्षा मंत्री आतिशी सूद का लंदन दौरा, दिल्ली के स्कूलों में तकनीकी सुधार

नई दिल्ली, । दिल्ली सरकार अपने स्कूलों की शिक्षा गुणवत्ता और तकनीक सुधारने के लिए देश और विदेश के बेहतरीन मॉडल से सीख ले रही है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने लंदन के ब्रिटानिया विलेज प्राइमरी स्कूल का दौरा किया। यह स्कूल 1:1 क्रोमबुक क्लासरूम, लचीली कक्षाएं और छात्रों की भलाई पर केंद्रित शिक्षा के लिए जाना जाता है। एक बयान में सूद ने बताया कि इस स्कूल से मिले अनुभवों को सीएम श्री स्कूलों में लागू किया जाएगा। उन्होंने लंदन में गूगल एक्सेसिबिलिटी डिस्कवरी भी देखा, जहां उन्होंने दिव्यांग बच्चों के लिए सहायक तकनीक जैसे आई-ट्रैकिंग गेम्स, स्क्रीन रीडर और लाइव कैप्शनिंग के बारे में जाना। इससे पहले सूद ने गुजरात के सूरत में स्कूलों का दौरा किया। जहां स्मार्ट बोर्ड्स और एआई-रोबोटिक्स लैब्स का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की तकनीकी सुविधाएं अब जल्द ही दिल्ली के स्कूलों में भी लागू की जाएंगी। अपने स्कूलों की शिक्षा गुणवत्ता व तकनीक सुधारने के लिए दिल्ली सरकार देश-विदेश के बेहतरीन मॉडलों से सीख ले रही है

ए-दोस्त इब्ने साकिये कौसर हुसैन है जाने बतूल सिब्ते पयम्बर हुसैन हैं

अमरोहा।अंजुमन तहफ्फुजे अजादारी के तत्वाधान में नौ मोहर्रम का जोड़ियो का जुलूस मौह0 बड़ा दरबार स्थित अजाखाना शम्स अली खां से बरामद हुआ। जिसमे हजारों की तादाद में लोग ने शिरकत की। जोड़ियों का यह जुलूस शाम में बरामद हुआ। जिससे पहले मजलिस का आयोजन किया गया। जिसमें मौलाना ने करबला का ज़िक्र किया और कहा की हजरत इमाम हुसैन ने अपने भरे घर को दीन और इंसानियत की खातिर कुरबान कर दिया। यहाँ तक के अपने छे माह के छोटे बच्चे हजरत अली असगर की भी शहादत पेश की। जिससे सुन अजादारों ने मातम बरपा किया। मजलिस के बाद नौहा खानी की गई। जोड़ियों के पीछे अजादार मशहूर मुनाकिब ए दोस्त इब्ने साकिये कौसर हुसैन हैं, पढ़ते हुये चल रहे थे जोड़ियों का यह जुलूस अजाखाना मौहम्मद युसूफ मण्डी चैब, बड़ा बाजार, जट् बाजार होता हुआ कटकुई स्थित अजखाना दोस्त अली पहुँचा जहॉ अजादारों ने नजरे हुसैन पेश की और जोड़ियों को उनके खास मकाम पर रखा कर पड़ा ऐ दोस्त इब्ने साकिये कौसर हुसैन हैं, जाने बतूल सिब्ते पयम्बर हुसैन हैं, हजरते हसन का बरादर हुसैन हैं, मुख्तार कारखाना-ए-दावर हुसैन हैं, हम आसियों का शाफा-ए- महशर हुसैन हैं। जुलूस के आगे हुसैनी बाजा था, उसके पीछे अजादार जोड़िया उठाकर चल रहे थे, जगह-जगह जुलूस का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। जुलूस में जिलाधिकारी अमरोहा द्वारा जुलूस अजा के लिए नामित अंजुमन तहफ्फुजे अजादारी की तदर्थ समिति के सदस्य लियाकत अली, बाकर रजा, नदीम नकवी, शेजाद रजा, कासिम जैदी आदि रहे। तथा जुलूस का संचालन अंजुमन ए असगरी ने किया।

विश्व हिंदी परिषद द्वारा हिंदी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का सम्मान समारोह संपन्न

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, विश्व हिंदी परिषद द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024झ25 में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षा में हिंदी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह आज हरियाणा भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस समारोह की मुख्य अतिथि माननीया राज्यसभा सांसद श्रीमती दर्शना सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. मार्कण्डेय राय एवं वरिष्ठ हिंदी सेवी श्री ब्रह्मानंद पांडेय जी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में श्रीमती सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के इतने वर्षों बाद भी हिंदी को उसका यथोचित स्थान नहीं मिल सका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हिंदी शीघ्र ही अपने गौरव को पुनः प्राप्त करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि हम आज भी लॉर्ड मैकॉले की शिक्षा प्रणाली के प्रभाव से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाए हैं। श्रीमती सिंह ने प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2020 में प्रारंभ की गई नई शिक्षा नीति के अंतर्गत हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने मध्यप्रदेश जैसे राज्यों में मेडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान कार्यों के हिंदी में संपन्न होने का उदाहरण देते हुए यह बताया कि हिंदी अब उच्च शिक्षा में भी अपने पाँव जमा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यूट्यूब एवं अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से हिंदी के प्रचार को नई ऊर्जा प्राप्त हुई है। आपके अनुसार हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी है तथा यह विविध भाषाओं को जोड़ने का सेतु भी बन सकती है। विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव श्री विपिन कुमार ने अपने वक्तव्य में कहा कि हिंदी को सशक्त बनाने के लिए युवा पीढ़ी को इससे जोड़ना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से हिंदी विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया, जो हिंदी के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री डी.पी.मिश्र ने कहा कि भारतीय भाषाओं के समन्वय से ही हिंदी को विश्वभाषा का दर्जा दिलाया जा सकता है। आपने शासन और प्रशासन में हिंदी के प्रयोग पर बल देते हुए कहा कि यदि हमें 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो हिंदी के व्यापक विकास को सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संस्कृति को समझने के लिए हिंदी का ज्ञान आवश्यक है। इस अवसर पर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के तीन वरिष्ठ अधिकारियों श्री राजेश श्रीवास्तव (संयुक्त निदेशक, राजभाषा), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, श्री रघुवीर शर्मा (उपनिदेशक, राजभाषा), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय एवं श्री हरीश रावत (उपनिदेशक, राजभाषा), राजभाषा विभाग, वित्त मंत्रालय को हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए उनके विशिष्ट योगदान के लिए विश्व हिंदी परिषद द्वारा हिंदी सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह में परिषद के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. श्रवण कुमार, दिल्ली प्रदेश के शैक्षिक प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. श्रीनिवास त्यागी, अध्यक्ष प्रो. हर्षबाला शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा राणा एवं डॉ. दीनदयाल, महामंत्री डॉ. प्रीति सहित अनेक प्रतिष्ठित महाविद्यालयों के प्राध्यापक एवं परिषद के सदस्यगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्व हिंदी परिषद के महासचिव एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की उपस्थिति में दिल्ली प्रदेश (सामान्य प्रकोष्ठ) कार्यकारिणी के गठन पर चर्चा हेतु सुश्री ऋचा बैनर्जी, पूर्व संयुक्त निदेशक (राजभाषा), आकाशवाणी एवं सुश्री अभिलाषा मिश्रा, पूर्व उप-निदेशक राजभाषा विभाग एवं वर्तमान में केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड की राजभाषा अधिकारी सहित दिल्ली प्रदेश सामान्य प्रकोष्ठ कार्यकारिणी के कई सदस्यों ने भाग लिया।

सुभासपा की समीक्षा बैठक का आयोजन, चुनावी रणनीति पर दिया जोर

अमरोहा। सुभासपा जिला कार्यालय पर पार्टी की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कार्यकर्ताओं से कहा कि पंचायत चुनाव नजदीक हैं ऐसे में सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता से चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि पार्टी आगामी पंचायत चुनाव में अपने प्रत्याशी उतारेगी और बूथ पर मजबूती से चुनाव लड़ा जाएगा। बैठक में संगठन की मजबूती, बूथ प्रबंधन, मतदाता संपर्क और गांव स्तर पर कमेटियां बनाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिये कि वे घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों और योजनाओं को जनता तक पहुंचाएं ताकि अधिक से अधिक लोग पार्टी से जुड़ सकें। बैठक से पूर्व लक्खी शाह बंजारा की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि कर उनके बलिदान को याद किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि लक्खी शाह बंजारा 17 वीं शताब्दी के महान व्यापारी और वीर योद्धा थे। उनका जन्म 1580 में हुआ था और वे दिल्ली में रहते थे। 1675 में जब औरंगजेब ने सिख धर्मगुरु गुरु तेग बहादुर जी को शहीद किया तब लक्खी शाह बंजारा ने गुरु का पार्थिव शरीर चांदनी चौक से अपने घर लाकर अंतिम संस्कार किया। इस दौरान उन्होंने अपने घर और संपत्ति को भी जला दिया ताकि औरंगजेब के सैनिकों को धोखा दिया जा सके। उनकी यह वीरता और निस्वार्थ त्याग आज भी सिख इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। बैठक में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर, जगत सिंह गुर्जर जिला महासचिव, आदेश अमरोही कोषाध्यक्ष, युनुस सैफी प्रधान, रमेश चौहान जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा, जसवीर सिंह चौहान जिला उपाध्यक्ष, मोहम्मद शफी जिला उपाध्यक्ष, बाबू राम पाल जिला उपाध्यक्ष, जितेंद्र राणा ब्लॉक अध्यक्ष गजरौला, चन्द्र पाल सिंह विधानसभा अध्यक्ष हसनपुर, रामगोपाल जाटव, लोकेश चौधरी प्रदेश महासचिव, नीटू जाटव जिलाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा, चन्द्र प्रकाश सैनी तहसील अध्यक्ष हसनपुर, अतिकुर रहमान मंडल महासचिव, पदम सिंह ब्लॉक अध्यक्ष अमरोहा आदि मौजूद रहे।

श्री वेंक्टेश्वरा का पुणे स्थित देश के शीर्ष एंटरप्रेन्योर स्कूल एंट्रोलाजी बिजनेस स्कूल के साथ शैक्षणिक समझौता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा/गजरौला।श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान का पुणे स्थित देश के शीर्ष एंटरप्रोन्योर स्कूल एंट्रोलाजी बिजनेस स्कूल के साथ शैक्षणिक अनुबन्ध हो गया। इस शैक्षणिक अनुबन्ध के तहत दोनो संस्थान मिलकर देश के ग्रेजुऐटस युवाओ को पुणे एवं लन्दन में 11 माह का वैश्विक एक्सप्लोजर एवं प्रशिक्षण देकर भविष्य के बिजनेस लीडर/ एंटरप्रोन्योर तैयार करेंगे। इस आशय की जानकारी आज दोनो के बीच हुए एम0ओ0यू0 के एक दूसरे के साथ एक्सचेंज करने के बाद संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि के आधिकारिक प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने दी। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान के डॉ0 सी0वी0 रमन सभागार में विश्वविद्यालय एवं एंट्रोलाजी बिजनेस स्कूल की बीच हुए इस शैक्षणिक अनुबन्ध के लिए आयोजित एम0ओ0यू0 सेरेमनी का शुभारम्भ अध्यश श्री सुधीर गिरि, एंट्रोलाजी बिजनेस स्कूल के सी0ई0ओ0 प्रो0 भूपेश गुप्ता, प्रतिकुलाधिपति, डॉ0 राजीव त्यागी, प्रधान सलाहकार प्रो0 वी0पी0एस0 अरोडा, कुलपति प्रो0 कृष्ण कान्त दवे, कुलसचिव पीयूष पाण्डेय आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय एवं एंट्रोलाजी बिजनेस स्कूल पुणे के बीच हुए शैक्षणिक करार के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी एवं कुलपति प्रो0 कृष्ण कान्त दवे ने संयुक्त रूप से बताया कि एंट्रोलाजी बिजनेस स्कूल पुणे जोकि लंदन स्कूल आफ बिजनेस एण्ड फाईनेन्स यू0के0 की एकेडमिक सहयोगी संस्था है, एवं यह नये युवाओ को प्रशिक्षित कर देश एवं दुनिया को वैश्विक बिजनेस लीडर/ एंटरप्रोन्योर उपलब्ध कराती है। इस प्रतिष्ठित संस्था के साथ वेंक्टेश्वरा समूह का शैक्षणिक अनुबन्ध होने से देश के ग्रेजुऐटेस युवा पुणे एवं लंदन में ग्यारह माह का प्रशिक्षण प्राप्त करके सीखेंगे। ताकि वो खुद अपने पैरो पर खडे होकर दूसरो को भी सम्मानित स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने की ओर अग्रसर हो। इस अवसर पर समूह सलाहकार प्रो0 आर0एस0 शर्मा, लीगल डायरेक्टर देव प्रताप सिंह, लक्ष्मन ए0आर0, डॉ0 एल0एस0 रावत, सी0एफ0ओ0 विकास भाटिया, डॉ0 मोहित शर्मा, विशाल शर्मा, मारूफ चौधरी, तनुज कम्बोज, अरूण गोस्वामी, शुभम चौधरी, अरविन्द, नीरज, संजीव, शीलभद्र, रवि यादव, प्रीतपाल, मेरठ परिसर से डॉ0 प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने पीतमपुरा में सड़क, सीवर और स्ट्रीट लाइट्स का किया लोकार्पण

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को पीतमपुरा के वीपी ब्लॉक और सीपी ब्लॉक में नव निर्मित सड़कों और बीयू ब्लॉक में सेंटर पार्क के नजदीक नई सीवर लाइन और स्ट्रीट लाइट्स का लोकार्पण कर उन्हें क्षेत्र की जनता को समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि आज विकास सिर्फ आंकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों के दैनिक जीवन में अनुभव किया जाता है। चाहे वो बरसात के मौसम में जलजमाव से राहत हो या रात के समय बेटियों की सुरक्षित आवाजाही, हर पहल इसी भावना से जुड़ी है कि सुविधाएं अब दिल्लीवासियों का अधिकार है। दिल्ली में अब विकास का मतलब हर दरवाजे तक रोशनी, हर सड़क तक सुविधा और हर चेहरे पर विश्वास है। उन्होंने कहा कि ये सुगम आवागमन, प्रभावी जल निकासी और रात्रिकालीन सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक सशक्त और संवेदनशील पहल है। हर कॉलोनी की जरूरत को समझना, हर समस्या का स्थायी समाधान खोजना और हर नागरिक को एक सुविधाजनक, सुरक्षित जीवन देना दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है।

नशे के खिलाफ लड़ाई में जनसहयोग जरूरी : मंत्री रविंद्र इंद्राज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने शनिवार को उत्तर-पश्चिम दिल्ली स्थित बवाना क्षेत्र की जेजे कॉलोनी का दौरा करते हुए जन सुनवाई की। इस दौरान उन्होंने नशे के खिलाफ लड़ाई में जनसहयोग की अपील की। मंत्री ने एक बयान में कहा कि नशे की लत किसी भी व्यक्ति को केवल शारीरिक और मानसिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से भी कमजोर बना देती है। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति को परिवार से दूर करता है, बल्कि समाज में उसकी प्रतिष्ठा भी समाप्त कर देता है। अगर कोई व्यक्ति अपनी मेहनत की कमाई नशे में गंवा देगा तो बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और भविष्य पर गंभीर असर पड़ेगा। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में राज्य को नशामुक्त बनाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। नशे की समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए दिल्ली सरकार हर संभव प्रयास कर रही है और विभागीय समन्वय से इस दिशा में निरंतर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। जन सुनवाई के दौरान स्थानीय निवासियों ने पानी की नई लाइन बिछाने, सड़कों और नालियों के निर्माण एवं नियमित सफाई, पार्कों के सौंदर्यीकरण को लेकर चर्चा की और अपने सुझाव दिए। समाज कल्याण मंत्री ने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बवाना कॉलोनी में जल्द से जल्द बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि सड़कों की मरम्मत, नियमित सफाई व्यवस्था और पीने के पानी की उपलब्धता पर प्राथमिकता से काम किया जाए। मंत्री रविंद्र इंद्राज ने कहा कि सभी झुग्गी-बस्तियों और कॉलोनियों का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता है। जनसहयोग से दिल्ली को विकसित दिल्ली बनाना है।

राहुल गांधी की तरफ से कोर्ट में दलील, संस्थो को बेचने का नहीं बचाने का कर रहे थे प्रयास

नई दिल्ली, । नेशनल हेराल्ड मनी लांड्रिंग मामले में शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरएस चीमा ने राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत में पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की मंशा एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपत्तियां बेचने की नहीं थी बल्कि इस ऐतिहासिक संस्था को बचाने की थी, जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम की विरासत से जुड़ी रही है। नेशनल हेराल्ड मात्र अखबार नहीं.चीमा ने अदालत में कहा कि एजेएल नेशनल हेराल्ड जैसे अखबार प्रकाशित करने वाला केवल एक व्यावसायिक संगठन नहीं रहा, बल्कि यह स्वतंत्रता आंदोलन का प्रतीक रहा है। उनकी दलील थी कि कांग्रेस की कोशिश थी कि यह संस्था जीवित रहे और उससे जुड़ी ऐतिहासिक विरासत खत्म न हो। ईडी पर कसा तंज अधवक्ताक चीमा ने कोर्ट में ईडी पर तंज कसते हुए सवाल किया कि ईडी एजेएल का मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (एमओए) कोर्ट में रखने से क्यों हिचक रही है? चीमा ने तर्क दिया कि एजेएल कांग्रेस की विचारधारा का विस्तार था। इसकी स्थापना वर्ष 1937 में पंडित जवाहरलाल नेहरू, जेबी कृपलानी, रफी अहमद किदवई और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा की गई थी। एजेएल का एमओए साफ कहता है कि उसकी नीति वही होगी जो कांग्रेस पार्टी की नीति होगी। उन्होंने दलील दी कि एजेएल ने कभी मुनाफा नहीं कमाया और आजादी के बाद से यह कभी व्यावसायिक संस्था नहीं रही। चीमा ने दलील दी कि कांग्रेस मुनाफा कमाने या बिक्री करने नहीं, बल्कि उस संस्था को पटरी पर लाने के लिए प्रयासरत थी जो आजादी के आंदोलन की विरासत का हिस्सा रही है। चीमा ने दलील दी कि एजेएल को दिया गया 90 करोड़ रुपये का कर्ज वापस लेना उद्देश्य नहीं था, बल्कि उसका पुनरुद्धार प्राथमिकता थी। अतः यह मामला पूरी तरह से एक टेढ़ी नजर से देखे गए तथ्य की तरह है।

सिरसा ने की राजौरी गार्डन क्षेत्र में सड़कों के निर्माण कार्य की शुरूआत

नई दिल्ली, । पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र राजौरी गार्डन में सड़कों के नव निर्माण कार्य की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि यह सभी विकास कार्य मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मजबूत नेतृत्व का परिणाम है। उनके सहयोग और मार्गदर्शन से ही आज विकसित दिल्ली का संकल्प पूरा हो रहा है और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। सिरसा ने इस दौरान पत्रकारों से कहा कि इलाके में भाजपा सरकार नए कामों की शुरूआत कर रही है और अब तक पांच करोड़ रुपये के कामों की शुरूआत हो चुकी है। उन्होंने पिछली सरकार पर यहां विकास न करने का भी आरोप लगाया है। मंत्री सिरसा ने इलाके में अवैध रूप से चल रही फैक्टरियों और कच्चे मांस की दुकानों पर सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रिहायशी इलाके में ऐसी गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उन्होंने कहा कि रोहिंगिया, बांग्लादेशी या जिन लोगों ने यहां आकर गुंडागर्दी मचा रखी है उसके खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। क्षेत्र में किसी भी प्रकार की गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजौरी गार्डन को एक आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाने तक यहां विकास के काम जारी रहेंगे।

दक्षिणपुरी में बंद मकान से मिले चार बेहोश युवक, तीन की मौत, एक की हालत गंभीर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दक्षिणी दिल्ली के दक्षिणपुरी इलाके में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एक घर के अंदर से चार युवक बेहोशी की हालत में पाए गए। इन चारों को तत्काल अंबेडकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीन को मृत घोषित कर दिया जबकि एक की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे एम्स ट्रॉमा सेंटर में रेफर कर दिया गया है। डीसीपी अंकित चौहान के अनुसार पुलिस को यह सूचना 5 जुलाई को एक पीसीआर कॉल के जरिए मिली, जिसमें जिशान पुत्र मुन्ने निवासी भलस्वा डेयरी ने बताया कि उसका भाई बार-बार फोन करने पर भी कॉल रिसीव नहीं कर रहा है। वह जिस घर में ठहरा था वह भीतर से बंद था। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और जब घर का दरवाजा खोला गया तो अंदर का नजारा चौंका देने वाला था वहां पहली मंज़िल पर चार युवक बेहोश पड़े हुए थे।जिशान ने पुलिस को बताया कि उसके रिश्तेदार इमरान उर्फ सलमान और मोहसिन, के साथ-साथ अन्य व्यक्ति हसीब (इलाजरत) और एक अज्ञात युवक उस कमरे में मौजूद थे। चारों युवक एसी मैकेनिक के रूप में काम करते थे और एक कमरे के सेट में रह रहे थे। चारों को तत्काल अंबेडकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया। चौथे युवक हसीब की हालत गंभीर होने के कारण उसे पहले सफदरजंग और फिर एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, मामला गैस लीक, एसी गैस या किसी अन्य रासायनिक रिसाव का हो सकता है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही असली कारण स्पष्ट हो पाएगा। मौके पर एफएसएल टीम और पुलिस अधिकारी मौजूद हैं और मामले की बारीकी से जांच की जा रही है।

विशाल मेगा मार्ट में आग, एक की मौत

नई दिल्ली, । करोल बाग के पदम रोड स्थित विशाल मेगा मार्ट की चार मंजिला इमारत में शुक्रवार शाम लगी आग 13 घंटे बीत जाने के बाद भी नहीं बुझी है। आग दूसरी मंजिल पर लगी थी। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल की 15 गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। दमकलकर्मियों ने जैसे-तैसे देर रात दूसरी मंजिल पर आग पर काबू पाया। आग बुझाने के दौरान दमकलकर्मियों को बताया गया था कि एक व्यक्ति लापता है। जांच करने पर एक व्यक्ति लिफ्ट के पास रात दो बजे अचेत अवस्था में मिला। जिसे पुलिस ने तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दमकल अधिकारी के अनुसार फिलहाल अभी तीसरी मंजिल पर आग बुझाने का काम जारी है। मध्य जिले के डीसीपी निधिन वाल्सन के अनुसार रात में सर्च ऑपरेशन में कुमार धिरेंद्र प्रताप सिंह (25) आग लगने के दौरान लिफ्ट में फंस गए थे। उन्हें तुरंत निकालकर आरएमएल अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार शाम करीब 6.44 बजे दमकल विभाग को करोलबाग स्थित मेगा मार्ट की इमारत की दूसरी मंजिल पर आग लगने की जानकारी मिली थी। सूचना मिलते ही आस पास के फायर स्टेशनों से 15 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। मौके पर पहुंचे दमकल अधिकारी एम के चट्टोपाध्याय ने बताया कि आग इमारत की दूसरी मंजिल से शुरू हुई थी। कपड़े और प्लास्टिक के सामान होने के कारण आग पूरी इमारत में तेजी से फैल चुकी थी।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, रविवार, 06 जुलाई, 2025

भाजपा कभी भी नहीं चाहती कि दिल्ली की जनता के काम हो और एमसीडी में किसी भी कमेटी का गठन होः अंकुश नारंग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी ने बीजेपी के मेयर राजा इकबाल सिंह द्वारा स्पेशल और एडहॉक कमेटियों के चुनाव रद्द करने पर कड़ी आपत्ति जताई है। एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग का कहना है कि मेयर को सत्ता का लालच है। वह एमसीडी की सारी शक्तियां अपने पास रखना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने स्पेशल और एडहॉक कमेटियों के चुनाव को रद्द कर दिया है। जबकि इन कमेटियों के चुनाव के लिए 3 जुलाई तक नामांकन पत्र दाखिल किया जाना था। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने ह्लआपह्व सरकार के दौरान भी कमेटियों का गठन नहीं होने दिया और अब जब खुद एमसीडी में है, तब भी इन कमेटियों का गठन नहीं होने देना चाहती है। क्योंकि बीजेपी को दिल्ली की जनता के हित में कोई काम नहीं करना है। अंकुश नारंग ने शनिवार को कहा कि एमसीडी की स्पेशल और तदर्थ कमेटीयों की 3 जुलाई 2025 को नॉमिनेशन की लास्ट डेट थी, लेकिन 2 जुलाई को मेयर राजा इकबाल सिंह ने पत्र संख्या 358/टर/टउञ/2025 के जरिए एक नोटिफिकेशन जारी कर इलेक्शन की नई तारीख आने तक रद्द कर दिए।उन्होंने कहा कि भाजपा ने ना तो कभी एमसीडी के हाउस को चलने दिया और ना ही कभी कमेटियों का गठन होने दिया। जब से वे सत्ता में हैं, उन्होंने नकारात्मक तरीके से अपनी भूमिका निभाई है। ना तो हाउस को चलने दिया, ना दिल्ली की जनता की आवाज को उठने दिया और ना ही कोई फैसला लेने दिया। आज फिर जब स्पेशल कमेटी और एडहॉक कमेटी की अधिसूचना निकली, तो मेयर राजा इकबाल सिंह ने खुद एक पत्र जारी करके इसका गठन रद्द करवा दिया। यह शर्मनाक है कि मेयर ने एक बार फिर कमेटियों के गठन को रोक दिया। अंकुश नारंग ने कहा कि मेयर

राजा इकबाल सिंह सिर्फ सत्ता अपने हाथ में रखना चाहते हैं और दूसरों को कोई अधिकार देना नहीं चाहते। सूत्रों से पता चला है कि भाजपा के अंदर इस बात को लेकर रोष है, क्योंकि राजा इकबाल सिंह सारी शक्तियां अपने पास रखना चाहते हैं। सभी लोग इसका विरोध कर रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि कमेटियों का गठन खुला होना चाहिए। साथ ही, राजा इकबाल सिंह को भविष्य में किसी भी कमेटी का चेयरमैन नहीं बनाना चाहिए। इस रोष की वजह से मेयर भारी दबाव में हैं। अंकुश नारंग ने कहा कि जब स्टैंडिंग कमेटी के सदस्यों का चुनाव होना था, तब हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि स्टैंडिंग कमेटी के सदस्यों का चुनाव होना चाहिए। लेकिन फिर भी भाजपा ने इसमें अड़ंगा डाला। इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि निगम पार्षद पूरी रात बैठे रहे। स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव की प्रतीक्षा करते रहे, लेकिन चुनाव नहीं हो सका। ढाई साल तक भाजपा ने स्टैंडिंग कमेटी का गठन नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि जब ह्लआपह्व विपक्ष में आई, तो उसने सकारात्मक भूमिका निभाई। ह्लआपह्व ने एक-एक को ढंग से करवाया और स्टैंडिंग कमेटी का गठन करवाया। इसके विपरीत, भाजपा ने हमेशा नकारात्मक तरीके से विपक्ष की भूमिका निभाई। ना तो दिल्ली की जनता के काम होने दिए, ना हाउस को चलने दिया। अंकुश नारंग ने कहा कि बीजेपी कभी नहीं चाहती कि दिल्ली की जनता के हित में काम हो। वे नहीं चाहते कि कमेटियों का गठन हो। भाजपा में सिर्फ एक व्यक्ति, मेयर राजा इकबाल सिंह, सारी शक्तियां अपने पास रखना चाहते हैं। यह दिल्ली की जनता के साथ अन्याय है। जब मेयर का चुनाव होना था, तब भी भाजपा ने इसे रोकने की कोशिश की। भाजपा ने माइक तोड़े। खुद सीएम रेखा गुप्ता उस वक्त निगम पार्षद थी। और पार्षद के रूप में रेखा गुप्ता खुद माइक तोड़ती हुई नजर आईं और उन्होंने कहा कि मेयर का चुनाव नहीं होगा। इस तरह उन्होंने दिल्ली के मेयर का चुनाव नहीं होने दिया। खूब हंगामा किया।

शाहदरा जिले में दिनदहाड़े स्नैचिंग करने वाला गैंग दबोचा गांधी नगर थाने की पुलिस को बड़ी सफलता, बाइक बरामद

प्रात : किरण . मनोज जैन

शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि गांधी नगर इलाके में हुई दिनदहाड़े स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को गांधी नगर थाने की सतर्क पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित व्यक्ति जब अपनी दुकान जा रहा था, तो गुरुद्वारा गली के पास दो युवकों ने साजिश के तहत उसे रोका, बहस की और उसकी जेब से पर्स निकालकर फरार हो गए। इस वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपियों ने काली बाइक का इस्तेमाल किया था। डीसीपी ने बताया कि शिकायत मिलते ही थाना गांधी नगर के एसएचओ प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई। जांच की प्रारंभिक जिम्मेदारी संदीप को सौंपी गई और बाद में विवेचना शेर सिंह को दी गई। पुलिस टीम ने इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गुप्त सूचना विकसित की गई। सूचना के आधार पर लोहे के पुल के पास से दो संदिग्धों को पकड़ा गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान नितिन गुप्ता उर्फ जुगनू (निवासी राजू पार्क, देवली) और राजीव (निवासी संत नगर, बुराड़ी) के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने स्नैचिंग की वारदात में शामिल होने की बात कबूली है। इनके पास से वह काली बाइक भी बरामद कर ली गई है, जिसका इस्तेमाल वारदात में किया गया था। अब पुलिस आरोपियों से अन्य मामलों में भी पूछताछ कर रही है। इस पूरी कार्रवाई में थाना गांधी नगर की टीम झ्र विकास कुमार, शेर सिंह, संदीप, राहुल चौधरी, अमन बंसल और हर्ष बंसल शामिल रहे। डीसीपी ने बताया कि टीम की सक्रियता और सूझबूझ के चलते घटना के 48 घंटे के भीतर ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया, जिससे इलाके में सुरक्षा को लेकर जनता में विश्वास और मजबूत हुआ है।

शाहदरा पुलिस की बड़ी सफलताः डीसीपी प्रशांत गौतम की निगरानी में एएसबी सेल ने झपटमार को दबोचा, दो वारदातों का खुलासा, मोबाइल बरामद

प्रात : किरण .मनोज जैन

डीसीपी शाहदरा प्रशांत गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में एक महिला से मोबाइल फोन झपटने की घटना के बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए एएसबी सेल/शाहदरा की टीम ने आरोपियों की पहचान कर एक को गिरफ़्तार किया है। शिकायत के अनुसार दो युवक एक सफेद रंग की एक्टिवा स्कूटी पर सवार थे, जिन्होंने महिला का मोबाइल छीनकर फरार हो गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एएसबी सेल प्रभारी सब-इंस्पेक्टर अजय तोमर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई, जिसमें हेड कांस्टेबल सचिन, हेड कांस्टेबल दिव्या वत्स, हेड कांस्टेबल नवदीप, हेड कांस्टेबल रोहित, हेड कांस्टेबल सोनू, कांस्टेबल महेन्द्र और कांस्टेबल सौरव शामिल रहे। टीम ने एसीपी ऑप्स/शाहदरा श्री मुकेश वालिया की निगरानी में कार्य किया। पुलिस टीम ने सबसे पहले घटनास्थल और उसके आस-पास के

इलाकों की सौ से अधिक सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया। फुटेज में दोनों आरोपी सफेद रंग की एक्टिवा स्कूटी पर झपटमारी करते हुए नजर आए। कुछ ही देर बाद वही स्कूटी न्यू सीमापुरी गुरुद्वारा के पास लावारिस हालत में मिली। इसके बाद टीम ने फुटेज में आगे की दिशा में आरोपियों की गतिविधियों को ट्रैक किया, जिसमें वे सुंदर नगरी की ओर जाते दिखे। कुछ जगहों पर अपराधियों की तस्वीरें स्पष्ट रूप से कैमरे में कैद हो गईं, जिन्हें गुप्त सूत्रों के माध्यम से स्थानीय सूचनाओं के साथ मिलाया गया। इस प्रक्रिया में एक आरोपी की पहचान रिहान उर्फ नन्हे के रूप में हुई, जो सुंदर नगरी, दिल्ली का निवासी है। पुलिस ने जब उसके घर पर दबिश दी तो वह फरार मिला। इसके बाद लगातार मानवीय और तकनीकी निगरानी के जरिए आरोपी को संत नगर, बुराड़ी से गिरफ़्तार किया गया। उसके कब्जे से पीड़िता का झपटा गया मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। पूछताछ के दौरान आरोपी रिहान उर्फ नन्हे ने न केवल इस वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार की बल्कि सीमापुरी इलाके में हुई एक और झपटमारी की घटना में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उसने बताया कि उसका साथी वारिस उर्फ तहजीब, निवासी सुंदर नगरी, इस घटना में उसके साथ था। पुलिस ने वारिस के घर पर भी दबिश दी लेकिन वह फरार मिला। रिहान से हुई पूछताछ में यह भी पता चला कि उसका जानकार नवीन उर्फ विकास, जो नशे का आदी है और हाल ही में जेल से छूटा है, भी झपटमारी जैसे अपराधों में लिप्त रहा है। हालांकि नवीन इस घटना में शामिल नहीं था, लेकिन पुलिस द्वारा उसकी गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। पुलिस टीम द्वारा एक झपटा गया मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पूछताछ के आधार पर दो झपटमारी की घटनाओं का खुलासा हुआ है – एक कृष्णा नगर क्षेत्र में और दूसरी सीमापुरी इलाके में। मुख्य आरोपी रिहान उर्फ नन्हे, उम्र 22 वर्ष, सुंदर नगरी दिल्ली का निवासी है और इससे पहले भी चार मामलों में झपटमारी व शस्त्र अधिनियम के तहत गिरफ्तार हो चुका है।

इंस्पेक्टर सुदेश पाल सिंह बने कांठ थाना प्रभारी निरीक्षक

कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण मेरी प्राथमिकताः सुदेशपाल

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

मुरादाबाद/कांठ। नवागत थाना कांठ प्रभारी निरीक्षक सुदेशपाल सिंह ने थाना कांठ का चार्ज संभालने के बाद कहा कि सरकार और शासन प्रशासन के आदेशों का पालन कराते हुए थाना क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाना व अपराध पर नियंत्रण करना तथा पीड़ितों को इंसाफ दिलाना मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी। छोटे से छोटे अपराधों पर भी पैनी नजर रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि पीड़ितो विशेषकर महिलाओं तथा बच्चो के साथ अपराध करने वाले अपराधियो

के विरुद्ध कठोर कार्यवाही कर उन्हें इंसाफ दिलाया जाएगा। पीड़ित व्यक्ति मुझसे सीधे आकर मिल सकता है। किसी को भी कानून हाथ मे लेने की

> सरकार एवं शासन प्रशासन के आदेशो का पालन करते हुए यातायात के नियमों का भी सख्ती के साथ पालन कराया जाएगा जिससे आकस्मिक सड़क दुर्घटनाओ में होने वाली जनहानि से बचा जा सके

इजाजत नही होगी इसके साथ ही उन्होंने कांठ थाना क्षेत्र में चोरी ,पशु चोरी,जुआ, सट्टा,नशे का अवैध काम करने वालों को चेतवानी देते हुए कहा कि जो लोग इस बुरे कार्यो में सम्मिलित हैं तुरंत ये गैर कानूनी कारोबार बंद कर दें । अन्यथा उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कानूनी कार्यवाही अमल में लाकर जेल भेजा जाएगा। इसके साथ ही यातायात के नियमो का भी कड़ाई से पालन कराया जाएगा। कानून का सम्मान करने वालों को पूरा सम्मान दिया जाएगा। आपको बताते चले कि सुदेश पाल सिंह बहुत सीनियर और गम्भीरता के साथ अपने पुलिस कार्य को तत्काल करने वाले तेजतर्रार पुलिस इंस्पेक्टर है वह मण्डल मुरादाबाद के अनेक थानों में थाना प्रभारी निरीक्षक रहते हुए पुलिस विभाग को अपनी सरहानीय सेवाएं दे चुके हैं।

ओपीएस इंटरनेशनल स्कूल में सांसद ने किया पौधरोपण

गजरौला। सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर ने अपने संसदीय क्षेत्र के गजरौला स्थित डढर इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित एक पेड़ मां के नाम 2.0 कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रूप में पहुंचकर पौधारोपण किया। स्कूल प्रबंधन एवं छात्रों ने पौधा भेंट कर स्वागत किया उपस्थित जनसभा को संबोधित करते हुए एक पेड़ मां के नाम लगाने का संदेश दिया व मेधावियों को सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी, गजरौला ब्लॉक प्रमुख पति वीरेंद्र सिंह, जिला पंचायत सदस्य, अशोक नागर, महेश खडगवंशी, चमन कसाना, मनोज शर्मा आदि भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, वन अधिकारी, स्कूल प्रबंधन प्रधानाचार्य, समस्त अध्यापकगण व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

पुलिस की लापरवाही से हुई घटना, आग में जिंदा जल गया हेल्पर

गजरौला।कैंटर में भीषण आग लगना व हेल्पर का जिंदा जलना कहीं न कहीं पुलिस की बड़ी लापरवाही माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि कैंटर पलटने के बाद वहां रात्रि गश्त कर रही पुलिस पहुंची थी लेकिन कैंटर सुबह हटवाने की बात कहते हुए वहां से लौट आई। कैंटर पलटने के करीब तीन घंटे बाद केमिकल में आग लगी तो बड़ा हादसा हुआ। लोगों का कहना है कि कैंटर पलटा देख पुलिस सक्रिय हो जाती तो बड़ी घटना न होती। केमिकल से भरा कैंटर कुमराला चौकी से महज 100 मीटर की दूरी पर पलटा था। मिठाई की फड़ लगाने वाले अतरपुरा मोहल्ला निवासी जोगेंद्र व उनका परिवार भी वहीं पास में ही सो रहे थे।हादसा होने पर परिवार वालों की आंख खुल गई। जोगेंद्र वहां खड़े थे, तभी बाइक पर सवार रात्रि गश्त कर रही पुलिस भी वहां पहुंच गई। जोगेंद्र से उन्होंने कैंटर पलटने के बारे में जानकारी की। सुबह कैंटर हटवाने की बात कहते हुए पुलिसकर्मी वहां से चले गए। हादसा रात्रि एक बजे के बाद का बताया जा रहा है। करीब तीन घंटे बाद यानि शनिवार की सुबह चार बजे के लगभग जमीन पर फैले केमिकल में आग लग गई। कुछ ही देर में कैंटर को आग ने अपनी चपेट में लिया। इसमें जोगेंद्र सिंह की मिठाई की फड़ समेत दो फड़ भी जलकर राख हो गईं। जोगेंद्र सिंह ने अपने बयान प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान को दिए हैं। जिनमें उन्होंने बाइक से पुलिसकर्मियों के आने की बात कही है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि कौन से सिपाही मौके पहुंचे थे, जोगेंद्र से उनकी शिनाख्त कराई गई है। सिपाहियों के नहीं जाने की पुष्टि हुई है। होमगार्डों के मौके पर जाने की बात सामने आ रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बादलों में धुएं का गुब्बार देख जमा हो गई कई गांवों की भीड़ गजरौला। केमिकल के कैंटर में आग की ऊंची लपटें उठ रही थी। धुएं का गुब्बार आसमान को छू रहा था। आसपास में कई गांवों के लोगों ने आसमान में धुआं उठता देखा तो बड़ी घटना होने का अंदेशा जताया। लोग घटना को देखने के लिए कुमराला चौकी के निकट पहुंचना शुरू हो गए। कुछ ही देर में घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बिजली की दो लाइनों के टूटे तार, घंटों ठप रही आपूर्ति गजरौला। कैंटर की टक्कर हाईटेंशन बिजली की लाइन के खंभे में लगी थी। जिससे खंभे टूट गया था और तार भी टूटकर नीचे गिर गए थे। आग लगने पर वहां से गुजर रही उच्च शक्ति की लाइन के तार भी गर्म होकर टूट गए। जिससे उच्चशक्ति की लाइन का एक खंभा भी टूट गया। विद्युत विभाग द्वारा बिजली आपूर्ति ब्रेक की गई। आग बुझाने के बाद कैंटर को वहां से हटाया गया। इसके बाद बिजली विभाग की टीम ने तार जोड़कर आपूर्ति सुचारू की। इस दौरान घंटों तक बिजली गुल रही। खंभे से टकराकर रुक गया था कैंटर, नहीं तो चली जाती पांच जान गजरौला। अतरपुरा मोहल्ला निवासी जोगेंद्र पक्का पुल पर सड़क किनारे फड़ लगाता है। जिस पर वह मिठाई पकौड़ी आदि बेचता है। जोगेंद्र व उसकी पत्नी व तीन बच्चे भी वहीं पर रहते हैं। रात को भी पूरा परिवार वहीं पर सोता है। शुक्रवार की रात भी परिवार वहीं पर सो रहा था। केमिकल से भरा कैंटर पलटने के बाद बिजली के खंभे से टकराया तथा फड़ से कुछ दूर पहले ही रुक गया। खंभे से टकराकर कैंटर नहीं रुकता तो पांच लोगों की जान भी जा सकती थी।

स्योहारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया वृक्षारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में वन महोत्सव अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। शासन के आदेशों के अनुसार आज वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत जो कि 1 जुलाई से 7 जुलाई तक चलाया जा रहा है के क्रम में सीएचसी स्योहारा में अधीक्षक डॉ.बी.के. स्नेही ने यूकेलिप्टस का पेड़ लगाकर अभियान की शुरूआत की। साथ ही समस्त कर्मचारियों द्वारा भी एक एक पेड़ रोपित किया गया ओर सभी ने इनकी सेवा करने की प्रतिज्ञा ली। इस दौरान सीएचसी स्योहारा अधीक्षक

डॉ0 स्नेही ने विस्तार से बताया कि वृक्षारोपण अभियान 2025 एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है। यह अभियान विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा चलाया जा रहा है। हमारे ब्लॉक स्योहारा में सीएचसी को भी सरकारी नर्सरी खलीलपुर से 1235 पेड़ लगाने का लक्ष्य मिला है जो सभी पेड़ पीएचसी और उपकेंद्रों ओर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में लगाए जाएंगे और ऑनलाइन जियो टैगिंग भी की जाएगी।इनमें यूकेलिप्टस ,शीशम,नीम अमरुद,सागौन ,अनार, आंवला,सहजन,नींबू , जामुन, बकान आदि के पेड़ प्राप्त हुए है।जिनको सीएचसी स्योहारा कैंपस में रोपित किया जा रहा है। वन महोत्सव 2025 जुलाई के पहले सप्ताह में आयोजित किया जाता है जिसमें देशभर के साथ बिजनौर जिले को भी 68 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियाँ नियमित आयोजित की जा रही है।इस दौरान डॉ रहमत,हैल्थ सुपरवाइजर राजेश कुमार, वीर सिंह, फार्मासिस्ट योगेश कुमार, हरीश कुमार, प्रदीप रावत,बीपीएम शालिनी बिश्नोई, डी ओ राशि,अनम परवीन, एलटी स्नेहलता,आरती, वार्ड बॉय शुभम राजन, अंकुर ,सुनील कुमार आदि उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर पिस्टल के साथ डाले वीडियो, गिरफ्तार

● द्वारका पुलिस ने हथियार सप्लाई करने वाले बिचौलिए को भी गुरुग्राम से दबोचा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। द्वारका जिला पुलिस ने गैंगस्टरों से प्रभावित होकर सोशल मीडिया पर पिस्टल लहराते हुए वीडियो डालने के आरोप में शनिवार को नितेश नागर (25) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक पिस्टल और पांच कारतूस बरामद किए हैं। वहीं, पुलिस ने नितेश की निशानदेही पर गुरुग्राम से हथियार सप्लाई करने वाले बिचौलिए को भी

गिरफ्तार कर पिस्टल और कारतूस बरामद किए हैं। जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि 25 जून को एक ऐसे युवक के बारे में जानकारी मिली जो अक्सर पिस्टल लहराते हुए वीडियो और फोटोग्राफ सोशल मीडिया पर डाल रहा था। जांच में आरोपी की पहचान सैनिक एन्क्लेव, झरौदा कलां निवासी नितेश के रूप में हुई। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने बताया कि धारुहेड़ा, गुरुग्राम निवासी नरेंद्र (29) से उसने पिस्टल खरीदी थी। इसके बाद नरेंद्र को भी दबोच लिया गया। 12वीं तक पढ़ा नितेश बेरोजगार है। पूछताछ में उसने बताया कि गैंगस्टरों से प्रभावित होकर इलाके में दबदबा बनाना चाहता था। लोगों में डर पैदा करने के लिए वह हथियार लहराता हुआ वीडियो और फोटोग्राफ सोशल मीडिया पर डाल रहा था। वहीं, दसवीं तक पढ़े नरेंद्र का परिवार खेतीबाड़ी करता है। वह कई राज्यों के हथियार तस्करों के संपर्क में है। पुलिस नरेंद्र से पूछताछ कर हथियार तस्करों का पता लगा रही है।

एक पेड़ माँ के नाम

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली : मौजपुर नगर निगम स्कूल में स्कूल के प्रधानाचार्य माननीय निगम पार्षद श्रीमानअनिल गौड़ जी पार्षद मौजपुर वार्ड जी के सानिध्य में पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण का कार्य किया गया जिसमें श्री गोपाल गौ रक्षा दल के संस्थापक नवीन तिवारी जी को सामाजिक रूप से शामिल होने का मौका मिला और सभी लोगों के द्वारा प्राइमरी स्कूल में वृक्षों का रोपण किया गया जिसमें यह नारा दिया गया धरती करे यही पुकार हरा भरा हो सब संसार माननीय निगम पार्षद जी के द्वारा लोगों को कहा गया कि हर सप्ताह एक वृक्ष जरुर लगे जिससे की बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग को रोका जाए जिस प्रकार से गर्मी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है यह विनाश का कारण है स्कूल के बच्चों से व उनके माता-पिता व अन्य सामाजिक कार्य करता से वचनबद्धता के साथ एक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया गया

आधी रात को हिमांशु भाऊ गैंग के दो शूटरों की दिल्ली पुलिस संग मुठभेड़, रोहतक हत्याकांड में चल रहे थे फरार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की नरेला इलाके में दो बदमाशों संग मुठभेड़ हो गई। आरोपी बदमाशों ने हाल ही में रोहतक में एक हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। सूत्रों के मुताबिक, ये दोनों शूटर हिमांशु भाऊ गैंग के हैं, जिन्होंने गैंगवार में इस वारदात को अंजाम दिया था। बदमाशों के नाम मोहित और भूमित है। स्पेशल सेल नॉर्दर्न रेंज को इन बदमाशों के दिल्ली में होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद एक ट्रैप नरेला इलाके में लगाया गया था। रात को जब दोनों बदमाश वहां आए तो उन्हें सरेंडर करने के लिए कहा गया। लेकिन उन्होंने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों को काबू करते हुए उनके पैर में गोली मारी। दोनों बदमाश अस्पताल में हैं, जिसके बाद इनसे पूछताछ की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, बदमाशों ने पुलिस पर 3 राउंड फायर किए। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए 4 राउंड फायर किए। देर रात 1 बजे यह एनकाउंटर हुआ। दोनों शूटर रोहतक हत्याकांड के बाद से फरार थे। पुलिस ने अब उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। क्या है पूरा मामला? रिटौली गांव में दो गैंग एक्टिव हैं। एक हिमांशु भाऊ गैंग और दूसरी अंकित उर्फ बाबा गैंग। दोनों के बीच पहले से ही दुश्मनी चल रही है। इसी झगड़े के चलते 1 जून को हिमांशु भाऊ गैंग ने अंकित बाबा के रिश्तेदार अनिल को गोली मार दी थी।हत्या में रेकी करते समेत पांच लोग शामिल थे। यह हत्या गैंगस्टर हिमांशु उर्फ भाऊ ने अमेरिका से ही कराई थी। भाऊ ने सोशल मीडिया पर अनिल की हत्या की जिम्मेदारी ली थी और साथ नीरज फरीदपुरिया का भी नाम लिया था। इससे पहले मामले में तीन गिरफ्तारियां हुई थीं। अब दो और गिरफ्तारियां हुई हैं।

एनसीसी कैडेट्स को दिया गया हथियार एवं मैप प्रशिक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

धामपुर। क्षेत्र के ग्राम मोरना में चल रहे दस दिवसीय राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 100 के चौथे दिन रोज की तरह विभिन्न मुद्राओं में व्यायाम कराया गया।व्यायाम के पश्चात ड्रिल में हवलदार विनोद नेगी एवं हवलदार संजय, हवलदार मनोज राय आदि के द्वारा एनसीसी कैडेट्स को बाजू शस्त्र,सलामी शस्त्र तथा तेज चाल से मुड़ना, चाल से आगे कदम बढ़ाना सिखाया रीडिंग मैप में उत्तर के प्रकार एवं फील्ड क्राफ्ट एवं बैटल क्राफ्ट में इंडिकेशन ऑफ लैंडमार्क को एनसीसी कैडेट्स को विस्तार से बताया गया ' कैंप अटेंडेंट मौहम्मद यूनुस चौधरी एवं लेफ्टिनेंट देवानंद राय ने साइबर सिक्योरिटी के विषय में कैडेट्स विस्तार से पढ़ाया जबकि लेफ्टिनेंट धीरज शर्मा एवं लेफ्टिनेंट ललित कुमार ने टीमवर्क एवं टाइम मैनेजमेंट के विषय में कैडेट्स को अवगत कराया शिविर में सभी कैडेट्स प्रशिक्षण के दौरान एनसीसी पाठ्यक्रम को विस्तार से समझ रहे हैं ' उधर थल सेना कैंप में आए कैडेट्स भी अपना प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं जो विभिन्न प्रतियोगितायों में प्रतिभाग करेंगे ' इस अवसर पर कैंप कमांडेंट कर्नल गणेश शंकर विद्यार्थी, डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल ललित भट्ट, कैंप अटेंडेंट कैप्टन मौहमद यूनुस चौधरी, लेफ्टिनेंट शशांक कुमार शर्मा,लेफ्टिनेंट धीरज शर्मा, लेफ्टिनेंट ललित कुमार, लेफ्टिनेंट देवानंद रॉय, सुबेदार मेजर बलवंत सिंह,सेकंड अफसर भूपेंद्र सिंह,थर्ड अफसर रिंकी, सुबेदार कृष्ण कुमार, सुबेदार पलजर भूटिया,नायब सूबेदार मन बहादुर रतूड़ी, नायब सूबेदार विनिल कुमार, हवलदार विनोद नेगी,हवलदार संजय सिंह, हवलदार मन बहादुर लिम्बु, हवलदार विनोद कुमार, हवलदार तिरलोक सिंह, हवलदार अर्जुन सिंह, हवलदार रघुवीर सिंह, हवलदार मनोज राय, हवलदार ज्ञानेंद्र श्रेष्ठ आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली में फ्लाईओवर और पुलिया की मरम्मत

नई दिल्ली,। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) दक्षिण दिल्ली में तीन प्रमुख फ्लाईओवर और एक पुलिया की मरम्मत कराने के साथ साथ शहर के पूर्वी छोर पर न्यू अशोक नगर के निकट तीन नए पुलों का निर्माण शुरू करने की योजना बना रहा है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार 1994 में बने आईआईटी फ्लाईओवर, ओल्ड राव तुला राम फ्लाईओवर और मोदी मिल फ्लाईओवर को व्यापक मरम्मत कार्य के लिए चुना गया है। आने वाले दिनों में इन फ्लाईओवर के साथ-साथ लाला लाजपत राय मार्ग के पास एक पुलिया का संरचनात्मक ऑडिट किया जाएगा। पूर्वी दिल्ली में पीडब्ल्यूडी न्यू अशोक नगर में आरआरटीएस मेट्रो स्टेशन के पास तीन छोटे पुलों का निर्माण करने जा रहा है। हाल ही में इस मेट्रो स्टेशन का उद्घाटन हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली-उत्तर प्रदेश सीमा के निकट और शाहदरा नाले से सटे इस क्षेत्र में यातायात की भीड़ बढ़ गई है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यो का जिला पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी स्वयं कर रहे हैं मॉनिटरिंग

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । जिला निर्वाचन पदाधिकारी - सह- जिलाधिकारी मुंगेर अरविंद कुमार वर्मा के सघन मॉनिटरिंग में मुंगेर जिले के सभी विधान सभा क्षेत्रों में मतदाता सूची के सत्यापन हेतू विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा है। मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों को लेकर वो स्वयं भी जिले के विभिन्न प्रखंडों के पंचायतों में जाकर भौतिक निरीक्षण कर रहे हैं। इसके अलावे पंचायत के मुखिया, वार्ड सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ मिल कर बैठक करते हुए इस कार्य में सहयोग की अपील कर रहे हैं। इस क्रम में आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी द्वारा खड़गपुर प्रखंड के बढ़ौना एवं भदौरा पंचायत में जाकर जहां बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधयों के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक निर्देश देते हुए सहयोग की अपील की। इधर किला परिसर स्थित प्रेक्षागृह में भी आज उनके द्वारा सदर अनुमंडल अंतर्गत विभिन्न पंचायतों के मुखिया, वार्ड सदस्य सहित अन्य के साथ बैठक कर उन्हें भी इस विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में अपना सहयोग देने तथा अपने क्षेत्रांतर्गत अधिक से अधिक फॉम भराने में बीएलओ एवं अन्य को अपन योगदान देने की अपील की। मुंगेर जिले के मतदाताओं से जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिलाधिकारी, मुंगेर ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में अपेक्षित सहयोग करने की अपील करते हुए कहा है कि यह कार्य मतदाताओं के हित के लिए किया जा रहा है, इसमें आपका सहयोग अत्यंत ही अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि जिले के सभी पंचायतों में इसके लिए सहायता केंद्र भी बनाया गया है, जहां मतदाता जाकर इसकी विशेष जानकारी ले सकते हैं। इसके अलावे उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों द्वारा इस कार्य से संबंधित कई सवालों के जवाब भी दिए। उन्होंने कहा कि अब मतदाता ऑनलाइन भी विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 से संबंधित आवेदन को अपने घर में अपने अपने मोबाइल के माध्यम से भी भर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यों के दौरान मतदाताओं की जानकारी एवं सुविधा हेतु सभी मतदाताओं के लिए इस पुनरीक्षण अंतर्गत अपना नाम अद्यतन मतदाता सूची में जोड़ने हेतु दो सुविधाएं उपलब्ध है। 1. ऑनलाइन सुविधा -इसके लिए ँ३३स्त्र२://श्ङ्मी१२ीू. ङ्म५.ल्ल इस पोर्टल पर मतदाता स्वयं अपना फॉर्म डाउनलोड कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपलोड कर सकते हैं। 2. ऑफलाइन सुविधा - इस प्रक्रिया में बीएलओ घर-घर जाकर फॉर्म का वितरण कर रहे हैं तथा सभी मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेजों के साथ भरे हुए फॉर्म का संग्रहण भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी ग्राम पंचायत, नगर निकाय के वार्ड एवं अनुमंडल स्तर पर सहायता केंद्र संचालित किए गए हैं। सभी मतदाता आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना भरा हुआ फॉर्म सहायता केंद्र पर जमा कर सकते हैं एवं अन्य आवश्यक सूचना भी सहायता केंद्र से प्राप्त कर सकते हैं। मतदाता विशेष जानकारी के लिए टॉल फ्री नंबर - 1950 तथा मुंगेर जिला नियंत्रण कक्ष के 06344- 223025/06344- 223026/06344- 451698 इस नंबर पर सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने मुंगेर जिले के सभी मतदाताओं से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में अपना पूर्ण सहयोग देने की अपील की।

जदयू ने किया प्रेस वार्ता कहा की विपक्षी कर रहे है जनता को गुमराह

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जनता दल यूनाइटेड मुगेर के गार्डन बाजार स्तिथ जिला कार्यालय में प्रवक्ता विमलेन्दु राय एवं जिला उपाध्यक्ष सह मुंगेर बिधानसभा बीएलए कृष्णा चन्द्र उर्फ बाबुल द्वारा संयुक्त प्रेस को संबोधित किया गया। नेता द्वय ने कहा की मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 को लेकर विपक्ष लगातार मतदाता को गुमराह कर रहा है । विपक्ष गन्दी राजनीति कर रहा है। चुनाव आयोग के द्वारा जारी पत्र को बिना पढ़े भारत की संवैधानिक संस्था पर दोसारोपण करना लोकतंत्र के लिए खतरा है, राजद के 9वीं फैल नेता आये दिन बेबजह जनता को भ्रमित करने वाला बयान दे रहा है और आने वाले दिनों में चक्का जाम की धमकी विहार की जनता को दे रहा है। चक्का जाम करने की धमकी एक तरह से जनता के साथ साथ चुनाव आयोग को भी दी जा रही है जिससे चुनाव आयोग महागढ़बंधन के गुडों के डर से उनके बताये अनुसार बिहार में काम करे, जिस तरह 2005 से पहले चुनाव आयोग के अधिकारी को डराया जाता था, बूथ लूटा जाता था, फर्जी मतदाता द्वारा वोट डलवाया जाता था, गरीब दलित अति पिछड़ा मतदाताओं को बूथ तक पहुँचने नहीं दिया जाता था, काउंटिंग में जिन्न निकाला जाता था, जीत के जसन्न में राजद के गुडों द्वारा चौराहों पर गोली चलाया जाता था, उन दिनों की याद आज भी मुंगेर की जनता को है. भारत के संबैधानिक व्यवस्था के अनुरूप ही चुनाव आयोग के द्वारा मतदाता सूची को तैयार किया जाता है लेकिन राजद के नेता यह भूल जाते है और सत्ता पाने के लिए अनगरल बयान देते हैं. राजद का चक्का जाम का निर्णय भारत के संबैधानिक संस्था चुनाव आयोग को धमकाने वाला कृत्य है. जद(यू) राजद के चक्का जाम के निर्णय की घोर निंदा करती है.

अपने राजनीतिक एवं संबैधानिक दावित्यों के प्रति पार्टी का एक एक कार्यकर्ता सभी मतदाता की सहयता के लिए हर बूथ पर सहयोग कर रहा है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है की एक भी मतदाता का नाम नहीं छुटे. ह्हो हंगामा करना राजद की संस्कृतिह्व लेकिन माननीय मुख्यमंत्री नितीश कुमार के नेत्रित्व में जद(यू) का काम बिहार की जनता की सेवा करना है।

पद्म भूषण रामविलास पासवान संसद के सजग प्रहरी व दलित चेतना के अग्रदूत थे: प्रो. गौरी शंकर

- रामविलास पासवान भारतीय लोकतंत्र के उस स्तंभ का नाम है, जिन्होंने सत्ता को साधन नहीं, समाज सेवा का माध्यम माना

प्रात : किरण संवाददाता

जमुईः-पद्म भूषण से सम्मानित स्व. रामविलास पासवान की 79वीं जयंती पर वर्तमान परिप्रेक्ष्य में राम विलास पासवान के विचारों की प्रासंगिकता और उपादेयता पर केकेएम कॉलेज के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ गौरी शंकर पासवान अपने प्रबोधन में कहा कि पद्म विभूषण से सम्मानित स्व. रामविलास पासवान संसद के सजग प्रहरी और दलित चेतना के अग्रदूत थे। वे राजनीतिक नैतिकता के मिशाल, संविधान के रक्षक और जन सेवा की जीवित प्रतिमूर्ति थे। कहते हैं कि शहरबनी की माटी बोली, बेटा मेरा संसद डोली। गरीबों से बना मशाल रामविलास थे वे मिशाल। उन्होंने कहा कि रामविलास पासवान भारतीय लोकतंत्र के उस स्तंभ का नाम है, जो सत्ता को साधन नहीं, समाज व देश सेवा का माध्यम बनाया। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में स्वर्गीय पासवान के विचार और सिद्धांत पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। उनका कहना था कि दलित सिर्फ वोट नहीं, बल्कि भारत का मस्तक हैं, एक विचारधारा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की मौलिक घोषणा हैं। प्रो.पासवान ने आगे कहा कि रामविलास पासवान को दलितों का सिर्फ नेता कह देना उनकी विराट व्यक्तित्व और राष्ट्रव्यापी योगदानो को संकुचित करने जैसा है। यह न केवल उनके राजनीतिक जीवन का अपमान है, बल्कि उनके मूल्यों और आदर्शों की अवहेलना भी है। वे 8 बार लोकसभा के सदस्य रहे। छह प्रधानमंत्रियों के साथ विविध मंत्रालयों जैसे रेल, संचार, कोयला, इस्पात, रसायन व उर्वरक, उपभोक्ता खाद्य और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की बागडोर उनके हाथों में रही, जिसका लाभ देश के करोड़ों नागरिकों को मिला। स्वर्गीय पासवान ने हाजीपुर लोकसभा से रिकार्ड मतों (5 लाख से अधिक) जीत दर्ज कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराकर विश्व में कीर्तिमान स्थापित किया था, तो सिर्फ दलित समाज की नहीं, बल्कि पूरे भारत की लोकतांत्रिक शक्ति और जन समर्थन की पहचान बनकर उभरे थे। इसीलिए रामविलास पासवान को राजनीति का गावस्कर और तेंदुलकर कहा जाता है। स्वर्गीय पासवान के व्यक्तित्व में वह जन नेता दिखता था,जो हर वर्गो, हर मजहब और हर भाषा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता था। प्रो.गौरी शंकर ने कहा कि परिवर्तन की बयार का दूसरा नाम ही रामविलास पासवान है। रामविलास पासवान को जाति सीमाओं में समेटना उनकी राष्ट्रव्यापी पहचान को नकारने जैसा है। वे दलित समाज के गौरव तो थे ही,लेकिन उनकी पहचान उससे कहीं अधिक व्यापक थी। वे भारत के एक समर्पित सेवक, समावेशी नेता और हिंदुस्तान के अभिमान भी थे। वही नेता अमर होता है, जो अपने पीछे लगातार विचारों की मशाल छोड़ जाता है, जो आज भी उनके सुपुत्र और केंद्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान के हाथों में जल रही है। चिराग अपने पिता की सपनों को साकार करने के लिए राजनीति में सशक्त भूमिका निभा रहे हैं। स्वर्गीय पासवान जी ने हमेशा समरसता समानता और सामाजिक न्याय की बातें की। उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत किया। वे भारतीय राजनीति के उस युगपुरुष के रूप में याद किए जाएंगे, जिन्होंने सामाजिक न्याय को जन-जन तक पहुंचाया था। उनकी स्मृति आज भी समाज के वंचितों, उपेक्षितों के लिए प्रेरणा है तो उनके विचार व सिद्धांत आज भी प्रासंगिक और उपादेय है।

मुहर्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर, पुलिस प्रशासन ने भी की चाक-चौबंद व्यवस्था

- एसपी अजय कुमार के निर्देश पर जगह-जगह पुलिस बलों की गई तैनाती
- सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने वालों से सख़्ती से निपटेगी पुलिस-एसपी

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय !मुहर्रम जिसे यौमे आशूरा भी कहा जाता है !जिसकी 10वीं तारीख रविवार को है !इस त्योहार को हजरत इमाम हसन हुसैन की शहादत और बलिदान को याद कर मनाया जाता है !मुहर्रम का पर्व गम का पर्व है !इमाम हसन-हुसैन ने अपनी शहादत देकर पूरी दुनिया को इंसानियत का पैगाम दिया ! लखीसराय जिले के बड़ी दरगाह, इंग्लिश, छोटी दरगाह, सूर्यगढा, हल्दी मौलानगर, मेदनीचौकी, अलीनगर, बालगुदर, खगौर, हकीमगंज, वृंदावन, तेतराहट, नंदनामा आदि स्थानों पर ताजिए और सीपर बनाए गए हैं ! जहां-जहां इमामवाड़े बनाये गये हैं, वहां-वहां दंडाधिकारी और पुलिस बलों की प्रतुनियुक्ति की गई है ! मुहर्रम के मद्देनजर जिले के एसपी अजय कुमार खुद कमान संभाले हुए हैं !जिले की पुलिस पूरी तरह से एक्शन मोड में दिख रही है !शरारती और उपद्रवी तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है !एसपी के अनुसार सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर है ! डीजे और घातक हथियारों पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया गया है ! एसपी अजय कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो भी सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने की कोशिश करेगा उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी !

सिंटानाबाद उत्तरी पंचायत में उपचुनाव की सरगर्मी तेज, शनिवार को समसीदा खातून ने दिखाई ताकत

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडल सिंटानाबाद उत्तरी पंचायत में 9 जुलाई को होने वाले मुखिया पद के उपचुनाव को लेकर चुनावी हलचल तेज हो गई है। प्रत्याशी पूरी ताकत से मैदान में जुटे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को पूर्व मुखिया मसीर खान की पत्नी एवं मुखिया पद की प्रत्याशी समसीदा खातून ने एक विशाल चुनावी रैली निकाली, जिसमें जनता का अपार जनसमर्थन देखने को मिला। रैली पंचायत के विभिन्न वार्डों से गुजरती हुई मुख्य बाजार तक पहुंची, जहां समर्थकों ने नारेबाजी और ढोल-नगाड़ों के साथ माहौल को जोशीला बना दिया। समसीदा खातून ने जनता को संबोधित करते हुए कहा, यह चुनाव विकास, विश्वास और महिला सशक्तिकरण का चुनाव है। मैं अपने पति के अधूरे कार्यों को पूरा करने का संकल्प लेकर आई हूं। इस मौके पर पूर्व मुखिया एनामुल हक ने भी पत्रकारों से बातचीत में कहा, हम सब और पंचायत की तमाम जनता मसीर मुखिया की पत्न ी समसीदा खातून को समर्थन दे रहे हैं। उन्हें जनसमर्थन लगातार मिल रहा है और लोग स्वेच्छा से उनके पक्ष में जुट रहे हैं। रैली में शामिल स्थानीय लोगों ने भी खुलकर समर्थन जताया। सरपंच हैदर खान ने कहा, मसीर खान जी के समय में पंचायत में विकास हुआ था। अब उनकी पत्नी को मौका मिलना चाहिए। मंसूर खान ने कहा, समसीदा खातून पढ़ी-लिखी हैं और महिलाओं की आवाज बन सकती हैं। हमें उन पर भरोसा है। अब देखना यह है कि 9 जुलाई को जनता किसे अपना नेतृत्व सौंपती है। लेकिन इतना तय है कि चुनावी मुकाबला दिलचस्प मोड़ पर पहुंच चुका है। रैली में प्रमुख रूप से पूर्व मुखिया एनामुल हक, सरपंच हैदर खान, मंसूर खान, जावेद शेख, मो. दानिश, अंसारी, अंजार, चंद किशोर यादव, भावेश पासवान, मोहम्मद साजिद हुसैन, मोहम्मद नेहाल, हाफिज जियाउल रहमान, फिरोज अंसारी, सहित हजारों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रेमी संग आपत्तिजनक हालत में पकड़ी गई दो बच्चों की मां, पति ने ग्रामीणों के सामने करवा दी शादी

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिले के बैजनाथपुर थाना क्षेत्र से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि दो बच्चों की मां को इश्क का ऐसा बुखार चढ़ा कि उसने सामाजिक मयार्दाओं की सारी सीमाएं लांघ दी। महिला को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में रंगे हाथों पकड़ा गया। स्थानीय लोगों और पड़ोसियों ने दोनों की जमकर पिटाई कर दी। जब मामला बढ़ा, तो महिला के पति ने सामाजिक शर्मिंदगी और मान-सम्मान को देखते हुए खुद ही पत्नी का सिंदूर पानी से धो दिया और ग्रामीणों की मौजूदगी में प्रेमी के साथ उसकी शादी करवा दी। यह मामला पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीण समाज में इस प्रकार की घटनाएं रिश्तों और मूल्यों को लेकर कई सवाल खड़े कर रही है। मामला जो भी हो लेकिन पति ने पत्न ी की खुशी के लिए अपना बलिदान दिया तो वहीं प्रेम क्या होता है है इसकी परिभाषा प्रेमी और प्रेमिका ने दे दी।

जिला अल्पसंख्यक छात्रावास में नि:शुल्क गैर आवासीय कोचिंग कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा : जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग बिहार पटना से प्राप्त सूचना के आलोक में जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी मुंगेर के द्वारा बताया गया कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के द्वारा संचालित हज भवन कोचिंग एवं मार्गदर्शन कोषांग पटना के द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग की 71वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा हेतु बिहार के जिला अल्पसंख्यक छात्रावास में निःशुल्क गैर आवासीय कोचिंग कार्यक्रम का संचालन किया जाना है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी मुंगेर के द्वारा आगे बताया गया कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग बिहार सरकार की राज्य अल्पसंख्यक कोचिंग योजना अंतर्गत नोडल एजेंसी मौलाना मजहरूल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय के पर्यवेक्षण में हज भवन पटना में बिहार लोक सेवा आयोग की 71वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा की निशुल्क गैर आवासीय कोचिंग एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम में भाग लेने हेतु अल्पसंख्यक समुदाय (बौद्ध, सिख,पारसी, ईसाई, मुस्लिम एवं जैन) के उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय मुंगेर में दिनांक 12 जुलाई 2025 तक ऑफलाइन आवेदन भी भर सकते हैं। इच्छुक आवेदकों में जो पूर्व में संघ लोक सेवा आयोग/ राज्य लोक सेवा आयोग/बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग इत्यादि के साक्षात्कार, प्रारंभिक अथवा मुख्य परीक्षाओं में से किसी में भी सफल हुए हैं उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी मुंगेर ने बताया कि परीक्षा के गैर आवासीय ऑनलाइन कोचिंग की व्यवस्था बिहार के सभी जिले में की जा रही है तथा परीक्षा का आवेदन पत्र संबंधित जिले के जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में जमा किया जा सकता है। परीक्षा के उपरांत चयनित अभ्यर्थियों का पंजीकरण किए जाने के बाद चयनित आवेदकों को इस योजना का लाभ प्राप्त होगा। अभ्यर्थियों को छात्रावास/जिला मुख्यालय स्थित केंद्र/ऑनलाइन मोड में कक्षा की सुविधा प्राप्त करने हेतु अभ्यर्थियों द्वारा भरे गए विकल्प के आधार पर निर्णय के उपरांत दी जाएगी/ इस कार्यक्रम से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तिथियां निम्न प्रकार हैः- 1.ऑफलाइन आवेदन भरने की तिथिः- 12.7.2025 के अपराह्न 5:00 बजे तक 2. प्रवेश परीक्षा की तिथि-14.07. 2025 3. प्रवेश परीक्षा फल की तिथि-18.07. 2025 4. नामांकन प्रक्रिया पूर्ण करने की तिथिः-20.07.2025 से 21.07. 2025 तक।

छोटी नदियों से है बड़ी नदियों का अस्तित्व : प्रो.ओम प्रकाश भारती

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा नदी मित्र इकाई द्वारा आभासी माध्यम से नदी संवाद कार्यक्रम का आयोजन कला ग्राम सहरसा में किया गया। संवाद कार्यक्रम में नदी मित्र ओम प्रकाश भारती ने कहा छोटे लोग और छोटी नदियों को अस्तित्व के लिए संघर्ष करना पड़ेगा, यह भारत का अपना अनुभव है। बड़ी नदियां बाढ़ लाती हैं, खेत, बहियार, गांव को बहा ले जाती हैं, यह उनका भौगोलिक चरित्र है, वह पूज्य हैं, हम माताएं कहते हैं। छोटी नदियां बरसाती है, बरसात के दिनों में उग्र होती हैं। लोगों को अपने अस्तित्व का आभास दिलाती है। शेष वर्ष भर समाज के लिए अति उपयोगी है। खेतों में सिंचाई के लिए पानी, ।जानवरों के लिए पानी मसलन भारत में लगभग सत्तर प्रतिशत सामाजिक आवश्यकता की पूर्ति छोटी नदियां ही करती है। छोटी नदियां पहाड़, मैदान तथा खेतों से पानी बटोरती है, समेटती है और बड़ी नदियों को पानी देती है। और बड़ी नदियां बड़े और विशाल होने का गौरव प्राप्त करती है। भारत के बड़ी नदियों के उद्गम क्षेत्र को देखिए, वहां उसका जल ग्रहण क्षेत्र देखिए, छोटी नदियों से कम है। गंगोत्री में गंगा और अमरकंकट में नर्मदा के का उदगम धारा संकीर्ण है ।छोटी नदियां नहीं हो तो बड़ी नदियां बनेगी ही नहीं। ।लेकिन छोटी नदियों के अस्तित्व को लेकर कई संकट है। सरकार द्वारा भू राजस्व सर्वे में अधिकांश छोटी नदियों के लिए एक लकीर खींच दी गयी है। उनके नाम नहीं लिखे गए हैं। उनके धार्मिक और सांस्कृतिक महत्त्व को कमतर आंका गया है। शहरों में उसे नाला बनाकर उसे कचरे और गंदगी को ढोने का मार्ग बनाया गया। और तो और रिकॉर्ड में उनका नाम नाला ही रख दिया गया है, मसलन चम्पा नाला भागलपुर, अंग जनपद की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व की नदी, नाग नदी नागपुर, अस्सी नाला वाराणसी तथा मीठी नदी मुंबई आदि। छोटी नदियों के अस्तित्व के संकट का सबसे बड़ा कारण है, उनके वहन क्षेत्र की अधिकांश जमीन रैयत और किसानों की है। सूखे की स्थिति में किसान उसे आबाद करते हैं, फसलें लगाते हैं। शहरों में भू माफिया सक्रिय है, उनका ध्यान शहरों से बहने वाली नदियों पर है। वह औने पौने दाम में किसानों से नदियों की जमीन खरीद कर घर बना रहे हैं। शहरों में नदियां सिकुड़ती जा रही है। सरकार को चाहिए इन नदियों के वहन क्षेत्र में आने वाले भूमि का अधिग्रहण कर, किसानों को जमीन के बदले जमीन दें या मुआवजा दे। नदियों की जमीन हड़पने संबंधी कठोर कानून बने। उच्च मार्ग हाइवे, रेलवे, उद्योग के लिए जमीन अधिग्रहण करने की नीति, योजना तथा अभ्यास है आपके पास, तो इन छोटी नदियों के लिए क्यों नहीं ।छोटी नदियां बड़ी नदियों का आधार है। वे भी संस्कृति के प्रवाह हैं, जीवनदायिनी है। छोटे लोगों की उपेक्षा तो करते रहिए, मानव है संघर्ष उनकी नियति है। नदियां तो निर्जीव है, चल फिर तो सकती है, लेकिन कानूनी लड़ाई लड़ सकती, कोर्ट कचहरी नहीं जा सकती। उसके लिए लड़ना तो समाज को ही होगा। कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों ने अपने विचार रखे। धन्यवाद ज्ञापन नदी संवाद के संयोजक डॉ. महेन्द्र ने किया।

ईश्वरीय विश्वविद्यालय का माउंट आबू से अभियान दल सहरसा पहुँच कराया मेडिटेशन

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की सह संस्थान राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से प्रशासकों की सेवार्थ निकला एक अभियान बिहार के अनेक स्थानों पर सेवा करता हुआ सहरसा पहुंचा। जहां प्रेक्षागृह, इलेक्ट्रिसिटी ऑफिस, नगर निगम, एसबीआई क्षेत्रीय कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मियों ने कार्यक्रम का लाभ प्राप्त किया। अभियान में शामिल मुख्य प्रेरक वक्ता ज्योति बहन ने कहा कि हम अंग्रेजी के वॉच शब्द को अंडरलाइन कर स्वयं को तनावमुक्त व हर्षित बना सकते हैं। डब्ल्यू अर्थात वड्र्स। हमारे शब्द मधुर, नपे-तुले और कम हों। ए अर्थात एक्शन। हमारे कर्म सुखदायी और प्रेरक हों। टी अर्थात थॉट्स। हमारे विचार शुद्ध, सकारात्मक और शक्तिशाली हों। सी अर्थात कैरेक्टर। हमारा चरित्र बेदाग और उच्च मानदंडों वाला हो। एच अर्थात हैबिट्स। पहले हम आदतों को बनाते हैं फिर आदतें हमें बनाती हैं। अपने शब्दों, कर्मों, विचारों एवं चरित्र पर ध्यान देकर हम अच्छी आदत का निर्माण कर सकते हैं जिससे हमारे श्रेष्ठ भाग्य का निर्माण होता है। मैं आत्मा हूँ- इस स्मृति से हमारा स्वयं पर शासन होता है और हम एक कुशल प्रशासन दे पाते हैं। स्नेहा बहन ने सभी को मेडिटेशन के द्वारा शांति का अनुभव कराया। भास्कर भाई ने कार्यक्रम का संचालन किया। सभी अधिकारियों एवं कर्मियों ने कार्यक्रम का लाभ उठाया। प्रेक्षागृह में दोनों एडीएम, नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त, एसबीआई क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य प्रबंधक एवं उप मुख्य प्रबंधक तथा विद्युत कार्यालय में एडीओ सहित अन्य अधिकारीगण व कर्मचारीगण भी शामिल थे।

बनवारी शंकर महाविद्यालय में काला बिल्ला लगाकर शिक्षकों ने किया विरोध प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय महासंघ द्वारा पूर्व निर्धारित कार्य क्रम के अनुसार शनिवार को बनवारी शंकर महाविद्यालय, सिमरहा में धरना प्रदर्शन एवं काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। मुख्य माँग सम्बद्ध महाविद्यालय के शिक्षक को वेतनमान देने को सुनिश्चित किये जाने की मांग शामिल है। इस कार्यक्रम में डॉ दीपक कुमार सिंह वि वि उपाध्यक्ष, डॉ रमेश चन्द्र यादव महाविद्यालय अध्यक्ष, प्रो समीउल्ला जिला अध्यक्ष, प्रो दीपक कुमार यादव, प्रो जयप्रकाश झा प्रो संजय कुमार गुप्ता, प्रो नूतन कुमारी, प्रो शिव कुमार यादव, प्रो घनश्याम यादव, प्रो लालेस्व मंडल, प्रो संतोष कुमार झा, प्रो उमेश कुमार, प्रो संजय सिंह, प्रो अहमद हुसैन, संजय कुमार, अरविंद कुमार, बीरेंद्र कुमार यादव, अशोक कुमार यादव सहित सभी कर्मी शामिल हुए।

पद्म भूषण रामविलास पासवान का 79 वां जन्म दिवस मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। लोजपा संस्थापक पद भूषण रामविलास पासवान का 79वीं जयंती समारोह केक काटकर धूमधाम से मुंगेर किला परिषद शहीद स्मारक में लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के युवा जिला अध्यक्ष प्रेम प्रकाश के अध्यक्षता में मनाया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन एससी एसटी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अभय कुमार रजक ने किया। जिसमें लोजपा के पुराने साथी मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष सुरेश प्रसाद तांती युवा के प्रदेश महासचिव रंजीत पासवान लोजपा नेता गणेश पासवान ने राम विलास पासवान जी को दबे कुछ ले शोषित पीड़ित का नेता बताते हुए वक्ताओं ने अपनी अपनी विचारों को रखा उन्होंने कहा था कि हम उसे घर में दिया जलना जलने चले हैं जिस घर में सदियों से अंधेरा है इस कार्यक्रम में मौजूद महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष निशु कुमारी लेबर सेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नवल किशोर पासवान मनोज पांडे मिथिलेश कुमार संदीप शर्मा सोनू छतरी पासवान दीपक कुमार युवा लोक पर प्रधान महासचिव गौरव शर्मा प्रभात कुमार युवा लोचपा जिला उपाध्यक्ष एवं सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वक्फ संपत्तियों का पारदर्शी प्रबंधन - वंचितों को सशक्त बनाने की दिशा में पहल

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारत सरकार ने 8 अप्रैल 2025 से प्रभावी नए वक्फ कानून के अंतर्गत 4 जुलाई 2025 को एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास नियम, 2025 अधिसूचित कर दिया है। यह कदम वक्फ संपत्तियों के पारदर्शी प्रबंधन, राजस्व उपयोग में पारदर्शिता और समाज के जरूरतमंद वर्गों के सशक्तीकरण के उद्देश्य से उठाया गया है। इस पहल के तहत विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं और अनाथ बच्चों को वक्फ आय का सीधा लाभ उनके बैंक खाते में दिया जाएगा। यह बदलाव न केवल धार्मिक-आर्थिक न्याय की भावना को आगे बढ़ाता है, बल्कि वक्फ की लावारिस संपत्तियों के कुशल उपयोग और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रबंधन की दिशा में भी मील का पत्थर साबित हो सकता है। वक्फ एक इस्लामिक संस्था है जिसमें कोई मुसलमान अपनी संपत्ति (भूमि, भवन, दुकान, आदि) को धार्मिक, परोपकारी या पारिवारिक उपयोग के लिए दान करता है। वक्फ दो प्रकार के होते हैं। एक है वक्फ लिल्लाह- जिसमें संपत्ति समाज, मस्जिद, कब्रिस्तान, स्कूल, अस्पताल आदि के लिए दिया जाता है। दूसरा है वक्फ अलल औलाद (हॅा"" अ्ब‌‌‌‌‌‌‌‌‌‌‌‌‌"ड) - जब संपत्ति दाता अपने वंशजों- बच्चों, नाती-नातिनों आदि के भरण-पोषण के लिए वक्फ करता है। वक्फ संपत्ति का प्रशासन वक्फ बोर्ड और मुतवल्ली (प्रबंधक) के माध्यम से होता है। भारत में वक्फ अधिनियम 1995 (संशोधित 2013) के तहत राज्य व केंद्र वक्फ बोर्ड का गठन किया गया था। अब नया संशोधित अधिनियम 2025 इसमें कई ठोस परिवर्तन लाया गया है। संशोधित अधिनियम 2025 में हर वक्फ संपत्ति को अब एक यूनिक वक्फ आइडेंटिफिकेशन नंबर (UWID) मिलेगा। इससे सभी वक्फ संपत्तियों की निगरानी, ट्रैकिंग और पारदर्शी लेखांकन संभव होगा। सभी वक्फ संपत्तियों और मुतवल्लियों को ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य होगा। पंजीकरण डळढ आधारित मोबाइल और ई-मेल प्रमाणीकरण से किया जाएगा। इसके बाद ही संपत्ति का विवरण अपलोड किया जा सकेगा। नए वक्फ जो 8 अप्रैल 2025 के बाद बनाए गए हैं, उन्हें तीन महीने के भीतर वक्फ बोर्ड के समक्ष पंजीकरण कराना होगा। बिना पंजीकरण वक्फ संपत्ति को गैरकानूनी घोषित किया जा सकता है। वक्फ अलल औलाद संपत्तियों में अगर कोई उत्तराधिकारी नहीं बचा हो यानि वह लावारिस हो जाएं, तो उनकी आय अब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं और अनाथ बच्चों के हित में उपयोग किया जाएगा। यह राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खाता में भेजा जाएगा। इसके लिए फॉर्म-1, फॉर्म-2 और फॉर्म-3 का प्रावधान किया गया है। यह नियम समाज में वंचित और उपेक्षित वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। खासकर मुसलमानों में विधवाओं और तलाकशुदा महिलाओं की आर्थिक स्थिति बेहद नाजुक होती है। ऐसे में वक्फ संपत्तियों से उन्हें लाभ देना कुरआनी न्याय की भावना के अनुरूप भी है। उदाहरण के लिए पटना के फुलवारी शरीफ इलाके में एक लावारिस वक्फ संपत्ति वर्षों से बंद पड़ी थी। अब उसका किराया स्थानीय गरीब महिलाओं को मिलेगा। दिल्ली के बवाना इलाके में ऐसी ही संपत्ति से 10 अनाथ बच्चों की स्कूल फीस भरी जाएगी। नियम के अनुसार, जिला कलक्टर की सिफारिश पर गलत वक्फ घोषणा की जांच 1 साल में पूरी करनी होगी। उसके बाद राज्य सरकार को 90 दिनों में औकाफ सूची को गजट में प्रकाशित कर पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। इसमें वक्फ की सीमाएं, उद्देश्य, उपयोगकर्ता, और मुतवल्ली का विवरण शामिल होगा। अब प्रत्येक वक्फ को वार्षिक लेखा परीक्षण (अ‌ुद‌ि‌ट) कराना होगा। वक्फ संपत्तियों की किराया वसूली, नवीनीकरण, रखरखाव की जानकारी सार्वजनिक पोर्टल पर होगी।

जाम के झाम से मुक्ति के हों पुख्ता इंतजाम

27 जून को इंदौर-देवास हाईवे पर करीब पर 40 घंटे तक 8 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसमें 4000 से ज्यादा वाहन फंस गए थे। इस दौरान 3 लोगों की जान चली गई। 14 जून को केरल के कन्नूर में कोट्टियूर के पास एक तीन वर्षीय बच्चे की अस्पताल ले जा रही एम्बुलेंस के भीषण ट्रैफिक जाम में फंस जाने से मौत हो गई। 07 जून दिल्ली से आए एक 62 वर्षीय पर्यटक कमल किशोर टंडन की मसूरी में भीषण ट्रैफिक जाम में फंसने के बाद अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। 6 मई 25 उम्र के हमीरपुर जिले के सुमेरपुर थाना क्षेत्र में एक डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और राजमार्ग पर तीन घंटे तक जाम फंसे रहने की वजह से उसे वक्त पर उचित उपचार नहीं मिला और इस वजह से उसकी मौत हो गई। 24 अप्रैल हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में मुख्य बाजार देहरा में समय सड़क निर्माण कार्य के कारण लगे भारी जाम ने 75 साल के बुजुर्ग की जिंदगी छीन ली। 24 फरवरी कोटा राजस्थान के राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर दरा नाल में लगने वाले भीषण जाम ने एक मासूम की जान ले ली। ये तो बानगी भर है। इस तरह की खबरें अक्सर सुनने, पढ़ने और देखने को मिलती हैं। दो चार दिन के हो हल्ले के बाद गाड़ी पुराने ढर्रे पर दौड़ने लगती है। ताजा प्रकरण इंदौर-देवास हाईवे पर 40 घंटे के जाम का है। 40 घंटे का जाम था...कोई सोच भी नहीं सकता कि आजादी के 75 साल बाद, 40 किलोमीटर का रास्ता तय करने में 40 घंटे लग सकते हैं। दिल्ली से न्यूयॉर्क जाने में आमतौर पर 16 से 20 घंटे लगते हैं। मतलब जितने में दिल्ली से न्यूयॉर्क की फ्लाइट का आना जाना हो जाए, उतने में इंदौर से देवास नहीं पहुंच सके। इंदौर से देवास तक का रास्ता महज 40 किलोमीटर है। मध्य प्रदेश के हाई कोर्ट ने फटकार लगाते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी एनएचएआई को इस घटना के लिए जिम्मेदार बताया था। निश्चित रूप से इस दुर्घटना और हजारों लोगों के घंटों जाम में फंसे रहने के मामले में जहां एनएचएआई की तरफ से माफी मांगने की जरूरत थी, वहीं उसने दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिये देश लोगों पर लगाते हुए असंवेदनशील बयान दे डाला। 30 जून को अदालत में जवाब देते हुए एनएचएआई के वकील ने कहा कि ह्लोग बिना जरूरी काम के इतनी सुबह घर से बाहर निकलते ही क्यों हैं?ह्व एनएचएआई की इस टिप्पणी ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया। उनके इस बयान को सुनकर लोगों को ऐसा लग रहा है कि एनएचएआई घटना की जिम्मेदारी लेने से बच रहा है और घटना के लिए आम लोगों को ही दोषी बताने की कोशिश कर रहा है। यहां तक कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भी एनएचएआई के रुख को कठोर और संवेदनहीन बताया है, जो जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करने वाला है। विवाद बढ़ने पर एनएचएआई ने कहा कि, यह टिप्पणी अथॉरिटी के आधिकारिक विचारों को नहीं दर्शाती। देश में जहां एक तरफ ट्रैफिक की समस्या से निजात पाने के लिए सड़कों, हाई-वेज और एक्सप्रेस-वेज को बनाने का काम जोरों-शोरों पर चल रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ ऐसे शहर भी हैं, जो अंदरूनी ट्रैफिक से काफी ज्यादा परेशान हैं। असल में, ट्रैफिक जाम की समस्या से बड़े ही नहीं बल्कि छोटे शहर भी जूझते हैं। लेकिन बड़े शहरों में यह एक संकट का रूप लेने लगा है। एक जानकारी के मुताबिक एक घंटे जाम में एक लीटर ईंधन बर्बाद होता है। जितनी ईंधन की खपत होगी, उतना ही ज्यादा सीओटू उत्सर्जन भी होगा, जो पर्यावरण और प्रदूषण के साथ-साथ अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसानदायक होता है। एक अनुमान के अनुसार, महानगरों में और हाईवे पर देश में हर साल लगने वाले ट्रैफिक जाम से हर साल तकरीबन 1.4 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हो रहा है। टॉमटॉम ट्रैफिक इंडेक्स 2024 के अनुसार, देश में कोलकाता का ट्रैफिक सबसे धीमा है। बेंगलुरु ने इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर जगह बनाई है। कमोबेश ऐसे हालात दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, पुणे, चंडीगढ़, गुरुग्राम, लखनऊ, जयपुर, कानपुर, अमृतसर, अहमदाबाद, वाराणसी और देश के अन्य महानगरों और शहरों के हैं। डाक्टरों के अनुसार, जाम में फंसने वालों को अकसर ब्लड प्रेशर बढ़ने, बर्नआउट, सांस की बीमारी, डिहाईड्रेशन, फीवर, घबराहट, सीने में दर्द आदि बीमारियों का सामना करना पड़ता है। गंभीर मरीज लंबे समय तक जाम में फंस जाए तो उसकी मौत भी हो सकती है। 2022 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि यदि अब जाम में एंबुलेंस फंसी तो इसे अपराध माना जाएगा और मरीज को नुकसान पहुंचाने के तहत कार्रवाई की जाएगी।

ई-वोटिंग: लोकतंत्र की मजबूती या तकनीकी जटिलता

डिजिटल असमानता और भरोसे की कमी को दूर किए बिना इसका व्यापक क्रियान्वयन उचित नहीं होगा। ई-वोटिंग का भविष्य उज्ज्वल है, बशर्ते इसे संतुलित, सुरक्षित और समावेशी ढंग से लागू किया जाए....भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत हैझ्र जनभागीदारी। यह भागीदारी जितनी व्यापक होती है, उतना ही लोकतंत्र मजबूत होता है। लेकिन जब आम चुनावों में भी 100 में से केवल 60-65 लोग ही अपने मताधिकार का उपयोग करते हैं, तो सवाल उठता है कि शेष 35-40 प्रतिशत वोटर क्यों चुप रह जाते हैं? क्या यह निष्क्रियता है, उदासीनता है, या व्यवस्था की असुविधा? इस संदर्भ में ई-वोटिंग (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग, मोबाइल या इंटरनेट के माध्यम से) को भविष्य का समाधान बताया जा रहा है। हाल ही में बिहार में हुए नगर निकाय उपचुनाव में एक ऐतिहासिक प्रयोग हुआ-मोबाइल ऐप के जरिए कुछ क्षेत्रों में वोटिंग करवाई गई और उस क्षेत्र में मतदान प्रतिशत उल्लेखनीय रूप से बढ़ा। यह प्रयोग कई मायनों में संकेत देता है

डॉ. सत्यवान सौरभ

(लेखक)

ई-वोटिंग मतदान प्रक्रिया को सरल, सुलभ और व्यापक बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। बिहार के प्रयोग से स्पष्ट है कि मोबाइल ऐप के माध्यम से मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी संभव है। हालांकि, तकनीकी पहुंच, साइबर सुरक्षा, मतदाता की पहचान और गोपनीयता जैसी चुनौतियाँ इस प्रणाली के समक्ष खड़ी हैं। डिजिटल असमानता और भरोसे की कमी को दूर किए बिना इसका व्यापक क्रियान्वयन उचित नहीं होगा। ई-वोटिंग का भविष्य उज्ज्वल है, बशर्ते इसे संतुलित, सुरक्षित और समावेशी ढंग से लागू किया जाए....भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत हैझ्र जनभागीदारी। यह भागीदारी जितनी व्यापक होती है, उतना ही लोकतंत्र मजबूत होता है। लेकिन जब आम चुनावों में भी 100 में से केवल 60-65 लोग ही अपने मताधिकार का उपयोग करते हैं, तो सवाल उठता है कि शेष 35-40 प्रतिशत वोटर क्यों चुप रह जाते हैं? क्या यह निष्क्रियता है, उदासीनता है, या व्यवस्था की असुविधा? इस संदर्भ में ई-वोटिंग (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग, मोबाइल या इंटरनेट के माध्यम से) को भविष्य का समाधान बताया जा रहा है। हाल ही में बिहार में हुए नगर निकाय उपचुनाव में एक ऐतिहासिक प्रयोग हुआ-मोबाइल ऐप के जरिए कुछ क्षेत्रों में वोटिंग करवाई गई और उस क्षेत्र में मतदान प्रतिशत उल्लेखनीय रूप से बढ़ा। यह प्रयोग कई मायनों में संकेत देता है कि यदि तकनीक को सही तरीके से अपनाया जाए तो चुनावी भागीदारी क्रांतिकारी रूप से बढ़ सकती है। कई बार यह माना जाता है कि जो लोग वोट नहीं डालते, वे लोकतंत्र को गंभीरता से नहीं लेते। लेकिन यह दृष्टिकोण अधूरा है। प्रवासी मजदूर, जो चुनाव के समय अपने घर नहीं लौट पाते; वृद्ध या अस्वस्थ नागरिक, जो लंबी कतारों में खड़े नहीं हो सकते; और दूरदराज क्षेत्रों के नागरिक, जहाँ मतदान केंद्र तक पहुँचना एक कठिनाईपूर्ण कार्य है- इन सभी को यदि घर बैठे सुरक्षित और विश्वसनीय माध्यम से वोट डालने का विकल्प मिले, तो शायद भारत का मतदान प्रतिशत 90% तक पहुँच सकता है। ई-वोटिंग का सबसे बड़ा लाभ है सुलभता। मोबाइल फोन आज हर हाथ में है। यदि बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, नौकरी आवेदन-सब कुछ मोबाइल से हो सकता है, तो मतदान क्यों नहीं? ई-वोटिंग से लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं रहती, दिव्यांगजन और बुजुर्गों के लिए राहत होती है, कामकाजी वर्ग को कार्यालय से छुट्टी लेने की बाध्यता नहीं होती और प्रवासी नागरिक भी मतदान कर सकते हैं। यह तकनीक ह्वहर मतदाता तक पहुंचनेह्ल के लक्ष्य को साकार कर सकती है। ई-वोटिंग जितनी आकर्षक है, उतनी ही चुनौतियों से घिरी भी है। सबसे पहले साइबर सुरक्षा का प्रश्न आता है-क्या वोट सुरक्षित रहेंगे? क्या हैकिंग या डेटा लीक से लोकतंत्र खतरे में पड़ सकता है? दूसरा प्रश्न है प्रामाणिकता-मोबाइल पर वोट डालने वाले व्यक्ति की पहचान कैसे सुनिश्चित होगी कि वह वही मतदाता है? तीसरा प्रश्न है गोपनीयता-वोट की गोपनीयता कैसे कायम रहेगी जब व्यक्ति अपने घर में बैठकर वोट डाल रहा है? चौथा प्रश्न है टेक्नोलॉजी की पहुंच-क्या भारत का हर नागरिक स्मार्टफोन, इंटरनेट और ऐप का उपयोग करने में सक्षम है? बिहार नगर निकाय चुनाव में ई-वोटिंग को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया था। मोबाइल ऐप आधारित वोटिंग से बूथ स्तर पर बढ़ा हुआ मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया। इससे यह प्रमाणित हुआ कि तकनीक अपनाने से न केवल सुविधा बढ़ती है, बल्कि मतदाता सक्रियता भी। लेकिन इसे पूर्णतः सफल मानना जल्दबाजी होगी। यह प्रयोग सीमित क्षेत्र, चयनित मतदाताओं, और निगरानी में किया गया था। पूरे देश में इस मॉडल को लागू करना वृहद तैयारी, भरोसेमंद तकनीकी आधारभूत ढाँचा और कानूनी वैधता की मांग करेगा। भारत में आज भी 70 करोड़ से अधिक लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, जिनमें से बहुतों के पास स्मार्टफोन या तेज इंटरनेट नहीं है। डिजिटल साक्षरता की कमी, महिलाओं की तकनीकी पहुंच, बुजुर्गों का तकनीक के प्रति झुकाव-यह सभी कारक ई-वोटिंग को समावेशी नहीं, बल्कि विभाजनकारी बना सकते हैं, यदि इसे बिना तैयारी के लागू किया जाए। इसलिए आवश्यक है कि वोटर वेरिफिकेशन सिस्टम तैयार किया जाए, जैसे आधार कार्ड आधारित डळढ, फेस रिकग्निशन, या बायोमेट्रिक लॉगिन। पहले कुछ महानगरों या संस्थानों में स्वैच्छिक रूप से इसे लागू कर प्रभाव का अध्ययन किया जाए। हर चरण पर डेटा एन्क्रिप्शन और ट्रैकिंग सिस्टम का निर्माण हो। ग्रामीण और अशिक्षित वर्ग को तकनीकी मतदान की प्रक्रिया समझाई जाए। यह भी आवश्यक है कि कोई भी वोटर दबाव में या निगरानी में वोट न करे, इसके लिए गोपनीयता कानून स्पष्ट हों। ई-वोटिंग लोकतंत्र को और भी पारदर्शी बना सकती है, बशर्ते उस पर जनविश्वास हो। यदि सही तकनीक, मजबूत साइबर सुरक्षा, पारदर्शिता, और व्यापक जनशिक्षा को मिलाया जाए, तो ई-वोटिंग न केवल मतदान प्रतिशत बढ़ा सकती है, बल्कि लोकतंत्र को सशक्त, समावेशी और समयानुकूल बना सकती है। कोई भी प्रणाली तभी सफल होती है जब उस पर जनविश्वास हो। ई-वोटिंग में सबसे बड़ी चुनौती है लोगों का भरोसा जीतना। जिस दिन यह विश्वास बन जाएगा कि ह्लमोबाइल पर दिया गया मेरा वोट उतना ही सुरक्षित और गोपनीय है जितना मतदान केंद्र परह्व, उसी दिन भारत में 90% से अधिक मतदान हो सकता है। ई-वोटिंग कोई कल्पना नहीं, बल्कि एक संभावनाशील भविष्य है। लेकिन इसे जल्दबाजी में नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, समावेशिता और सुरक्षा के साथ अपनाना होगा। लोकतंत्र की मजबूती केवल कानूनों से नहीं, बल्कि हर नागरिक की भागीदारी से बनती है। और यदि तकनीक उस भागीदारी को सहज बना सकती है, तो क्यों न उसका स्वागत किया जाए-सोच-समझकर, संतुलन के साथ।

दलाई लामा के चयन पर चीन का साजिशपूर्ण हस्तक्षेप

इन स्थितियों में उत्तराधिकार के मसले पर भारत की भूमिका एक निर्णायक मार्गदर्शक के रूप में उभरती है और इसे दृष्टि में रखते हुए भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसा करने में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं हैं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी। चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, ह्यस्वर्ण कलशह्न प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है।

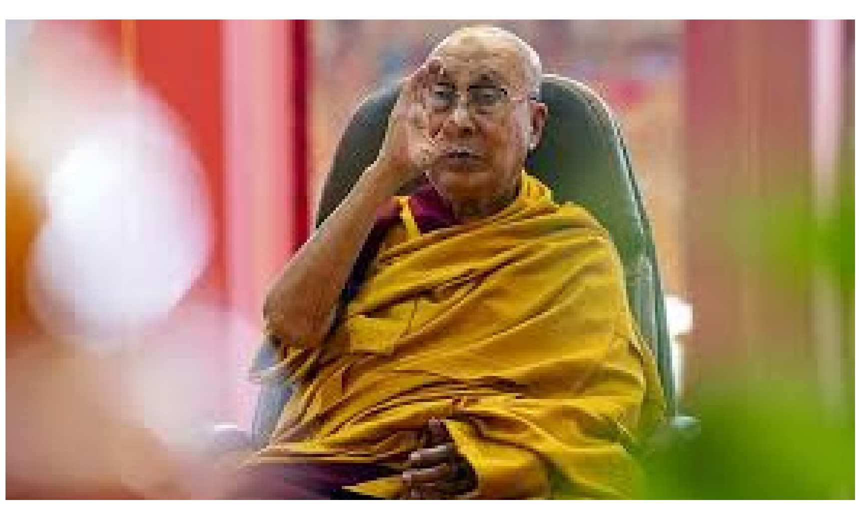

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

तिब्बत के आध्यात्मिक नेता एवं वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो की उत्तराधिकार प्रक्रिया न केवल बौद्ध धर्म और तिब्बत की संस्कृति से जुड़ा विषय है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति, मानवाधिकार और भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। चीन द्वारा इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का प्रयास न केवल धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है, बल्कि यह वैश्विक जनमत की भी अवहेलना है। इन स्थितियों में उत्तराधिकार के मसले पर भारत की भूमिका एक निर्णायक मार्गदर्शक के रूप में उभरती है और इसे दृष्टि में रखते हुए भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसा करने में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं हैं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी। चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, ह्यस्वर्ण कलशह्न प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उसे ह्यस्वर्ण कलशह्न प्रणाली के माध्यम से है, जो 1793 में किंग राजवंश के समय से चली आ रही है। इस प्रणाली में, संभावित उत्तराधिकारियों के नाम एक कलश में डाले जाते हैं और फिर एक नाम निकाला जाता है। दलाई लामा केवल तिब्बत के धार्मिक नेता नहीं हैं, वे तिब्बती अस्मिता, स्वतंत्रता और आत्म-सम्मान के प्रतीक हैं। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, 1959 में चीन की दमनकारी नीतियों के कारण तिब्बत छोड़कर भारत आए और धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना हुई। भारत ने न केवल उन्हें शरण दी, बल्कि एक शांतिपूर्ण संघर्ष के पथप्रदर्शक के रूप में वैश्विक स्तर पर उनके विचारों को मंच भी प्रदान किया। वर्तमान दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी गाडेन फोडरंग ट्रस्ट को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन ने इस मसले में साजिशपूर्ण हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए। चीन दलाई लामा की उत्तराधिकार प्रक्रिया पर नियंत्रण चाहता है ताकि तिब्बती जनता को अपने ही धार्मिक नेता से अलग किया जा सके। 2007 में चीनी सरकार ने एक ह्यधार्मिक मामलों पर नियंत्रण कानूनह्न लागू किया जिसके अंतर्गत दलाई लामा जैसे धार्मिक नेताओं की नियुक्ति भी राज्य की अनुमति से ही संभव बताई गई। यह न केवल बौद्ध धर्म के सिद्धांतों के विरुद्ध है, बल्कि यह तिब्बती जनता की आस्था और पहचान का गला घोंटने जैसा है। 1959 में जब दलाई लामा को कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं- चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है। चीन की योजना यह है कि जब वर्तमान दलाई लामा का देहांत हो, तो वह अपनी पसंद का एक ह्यदलाई लामाह्न घोषित करे, जिसे वैश्विक समुदाय भले ही स्वीकार न करे, लेकिन चीन उसकी पहचान को जबरन वैधता प्रदान करे। यह एक ह्लराजनीतिक कठपुतलीह्व खड़ी करने जैसा है, जिससे तिब्बत पर उसका शासन वैचारिक रूप से मजबूत हो सके। लेकिन भारत, जो दलाई लामा और तिब्बती निर्वासित समुदाय का स्वागत करता रहा है, अब उस नाजुक मोड़ पर है जहाँ केवल नैतिक समर्थन पर्याप्त नहीं होगा। चीन की विस्तारवादी नीति और आक्रामक कूटनीति को देखते हुए भारत को अपनी रणनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करनी होगी। चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर वैश्विक राजनीति का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे। चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेइचिंग के बीच तनाव का एक बड़ा कारण बनती रही है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है- अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है। धर्मशाला, जहाँ वर्तमान दलाई लामा रहते हैं, अब विश्व स्तर पर तिब्बती संस्कृति एवं बौद्ध परंपराओं का केंद्र बन गया है। भारत को इस केंद्र को आधिकारिक मान्यता देनी चाहिए और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर इस धार्मिक स्वतंत्रता के प्रश्न को उठाना चाहिए। अब जबकि दलाई लामा स्वयं कह चुके हैं कि उनके उत्तराधिकारी का चयन भारत में हो सकता है तो भारत सरकार को इस पर एक स्पष्ट नीति बनानी चाहिए कि वह चीन द्वारा घोषित किसी भी ह्यनकलीह्न दलाई लामा या अनुचित हस्तक्षेप को मान्यता नहीं देगा। भारत को अमेरिका, जापान, यूरोपीय संघ जैसे लोकतांत्रिक देशों के साथ समन्वय स्थापित करके इस विषय पर वैश्विक समर्थन, कूटनीतिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय समन्वय तैयार करना चाहिए। अमेरिका भी पहले ही कह चुका है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी केवल तिब्बती परंपराओं के अनुसार चुना जाएगा।

भाषा के बिना गूंगा होता है राष्ट्र

समाज को एक सूत्र में पिरोने का सबसे अच्छा कार्य भाषा ही करती है। भाषा इतनी शक्तिशाली है कि यह कई बार क्षेत्र, रंग, लिंग, जाति और धर्म पर भी भारी पड़ जाती है। बांग्लादेश भाषा के कारण पाकिस्तान से अलग हो गया था। बात हिंदी की करें तो, हिंदी का स्वतंत्रता संग्राम में बड़ा योगदान रहा है, इसलिये हिंदी को राजभाषा तो माना गया पर, राजनैतिक हानि-लाभ के चलते हिंदी को राष्ट्र भाषा वाला गौरव आज तक नहीं मिल पाया है। हिंदी को क्षेत्रीय भाषाओं के समकक्ष खड़ा करने का प्रयास भी किया जाता है तो, बड़ा राजनैतिक बवंडर होने लगता है, जबकि हिंदी को अब विश्व स्वीकार रहा है, वो विश्व की तीसरी बड़ी भाषा बन गई है। हिंदी इंटरनेट पर भी धूम मचा रही है। अब किसी तकनीक की कल्पना हिंदी के बिना की ही नहीं जा सकती लेकिन, महाराष्ट्र के कुछेक नेता हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में भी स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं, इस सब पर ही चर्चा कर रहे हैं... यह है त्रि-भाषा नीति विवाद महाराष्ट्र सरकार ने 17 जून को आदेश जारी कर कहा था कि कक्षा- एक से कक्षा- पांच तक मराठी और अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जायेगा। हालांकि आदेश में यह भी कहा गया कि अगर किसी स्कूल में हर कक्षा में कम से कम 20 छात्र किसी अन्य भारतीय भाषा को पढ़ना चाहें तो, वे हिंदी से छूट पा सकते हैं, इसके लिये या तो नया शिक्षक नियुक्त किया जायेगा या, ऑनलाइन कक्षाओं की व्यवस्था की जायेगी, इस पर कई शिक्षाविदों, मराठी भाषा प्रेमियों और भाषा सलाहकार समिति ने आपत्ति जताई थी, उनका तर्क था कि प्राथमिक कक्षाओं में मातृभाषा पर ही ध्यान होना चाहिये अन्यथा, बच्चों की भाषा सीखने की क्षमता कमजोर होगी। सरकार ने निरस्त किये आदेश महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने के आदेश को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने निरस्त करने की घोषणा कर दी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस विषय पर फिलहाल कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है और दोनों पुराने सरकारी आदेश (जीआर) निरस्त कर दिये गये हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा कि आज तीन-भाषा नीति पर मंत्रिमंडल में चर्चा हुई। हमने तय किया है कि डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जायेगी, जो यह तय करेगी कि किस कक्षा से कौन-सी भाषा लागू की जाये, कैसे की जाये और छात्रों को क्या विकल्प दिए जायें, उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक यह समिति अपनी रिपोर्ट सरकार को नहीं सौंपती तब तक 16 अप्रैल 2025 और 17 जून 2025 को जारी दोनों सरकारी आदेश निरस्त माने जायेंगे, वहीं महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि महाराष्ट्र सरकार ने तीन-भाषा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित दो सरकारी संकल्प वापस ले लिये हैं और डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता वाली एक नई समिति इसका अध्ययन करेगी और अपनी रिपोर्ट पेश करेगी... जो लोग हमारे विरुद्ध आरोप लगा रहे हैं, जब वे सत्ता में थे तो, उन्होंने तीन भाषाओं मराठी, अंग्रेजी और हिंदी की शिक्षा को अनिवार्य कर दिया था, जिसकी सिफारिश रघुनाथ माशेलकर समिति ने की थी... जब वे सत्ता में थे तो, उनकी राय अलग थी और अब जब, वे सत्ता में नहीं हैं तो, वे अलग तरह से प्रतिक्रिया दे रहे हैं... जनता जानती है कि मराठी भाषी लोगों के मुंबई छोड़ने के लिये कौन जिम्मेदार है और हमारी सरकार उन्हें वापस मुंबई ला रही है। भाषा सलाहकार समिति लेगी यह निर्णय महाराष्ट्र सरकार की ओर से नियुक्त भाषा सलाहकार समिति ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से अपील की थी कि इस निर्णय को तुरंत वापस लिया जाये। पुणे में आयोजित एक बैठक में समिति के 27 में से 20 सदस्य उपस्थित थे, इस बैठक में सर्व-सम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि कक्षा- पांच से पहले किसी भी तीसरी भाषा को पढ़ाना उचित नहीं है, इस बैठक में मराठी भाषा विभाग के सचिव किरण कुलकर्णी भी उपस्थित थे। अब 27 सदस्यीय भाषा सलाहकार समिति यह तय करेगी कि तीसरी भाषा कौन सी कक्षा से शुरू की जाये। समिति भाषा लागू करने का तरीका खोजेगी। छात्रों को कितने और कौन से विकल्प दिये जाये, इस बारे में भी समिति नीति बनायेगी। मंत्री के आरोप पर पूर्व मंत्री ने दिया जवाब महाराष्ट्र सरकार के मंत्री उदय सामंत ने शुक्रवार को कहा था कि पहली कक्षा से हिंदी की पढ़ाई अनिवार्य करने की मंजूरी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार ने मंजूर की थी, इस पर कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने महायुति सरकार के उन आरोपों को खारिज कर दिया है, जिनमें महायुति सरकार ने दावा किया है कि पूर्व की महाविकास अघाड़ी सरकार ने राष्ट्रीयय शिक्षा नीति के अंतर्गत तीन भाषा नीति को स्वीकार किया था। वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि महाराष्ट्र पर जबरन हिंदी थोपने को बर्दाश्त नहीं करेंगे। पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री और कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा था कि हम हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं हैं लेकिन, हम महाराष्ट्र में इसे जबरन थोपने को स्वीकार नहीं करेंगे। भाजपा विधायक ने साधा निशाना भाजपा विधायक प्रवीण दरेकर ने विपक्षी दल पर निशाना साधते हुये कहा था कि विपक्षी दल महाराष्ट्र के लोगों को गुमराह कर रहे हैं कि स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को अनिवार्य विषय बनाया जा रहा है। दरेकर ने कहा था कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के अंतर्गत लागू त्रिभाषा फॉमूर्ला में हिंदी को अनिवार्य नहीं किया गया है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इसे दोहराया है। उन्होंने कहा कि यह उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली महाविकास अघाड़ी सरकार थी,

पीडीएस डीलर हैं प्रशासन और जनता के बीच अहम कड़ी: जिलाधिकारी

सदर अनुमंडल के डीलरों को कार्यशाला के माध्यम से दी गई जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। पीडीएस डीलर प्रशासन और जनता के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। आपकी पहुंच सीधे तौर पर घरों तक होती है। उक्त बातें जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी अमन समीर ने सदर अनुमंडल के जनवितरण प्रणाली के डीलरों के प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। कार्यशाला मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर आयोजित की गयी थी। जिलाधिकारी ने कहा कि यह कोई नया काम नहीं,और न ही पहली बार हो रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार साल में तीन बार अर्हता तिथि को पुनरीक्षण सतत चलता है। उसी प्रकार यह भी अभियान है। इसमें केवल यह अन्तर है कि मतदाताओं का सत्यापन भी कराया जा रहा है। बिहार में गहन पुनरीक्षण 2003 में भी हुआ था। 20 साल में उसमें बहुत से नाम जुड़े तो अशुद्धियां भी रह गयी हैं। उन्हें ही ठीक कर एक हेल्दी मतदाता सूची बनाने के लिए गहन पुनरीक्षण की आवश्यकता है। अभियान के तहत बीएलओ के माध्यम से सभी मतदाताओं को प्रीफिल्ड गणना फॉर्म उपलब्ध कराया जा रहा है। जिनपर हस्ताक्षर कर एक डाक्यूमेंट के साथ वापस करना है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह एक बहुत बड़ा अभियान है। इसमें आपसे सहयोग की अपेक्षा है। आप जनता के बीच प्रशासन की आंख के रूप में हैं। कम से कम 200 घरों से आपका सीधा जुड़ाव है। आप परिवार के सदस्यों से भी वाकिफ हैं। लोगों को फॉर्म वितरण कराने और कलेक्शन में मदद करें। ताकि कोई एक भी योग्य मतदाता छूटे नहीं। बीएलओ के समपर्क में रहें और उनको दैनिक रूप से फॉर्म अपलोड करने के लिए भी प्रेरित करें। डीएम ने 2003 के मतदाता सूची के ऑनलाईन उपलब्ध होने और बीएलओ के पास हार्ड कॉपी होने की जानकारी देते हुए बताया कि उसमें जिनके नाम हैं उन्हें अपने और बच्चों के लिए वह मान्य डाक्यूमेंट होगा। कोई दूसरा कागज या प्रमाण पत्र देने की आवश्यकता नहीं। जिलाधिकारी ने अभियान चला कर चार से पांच दिनों में कार्य पूरा कराने में सहयोग की अपील की। जिला आपूर्ति पदाधिकारी कमरे आलम को अन्य अनुमंडल में भी कार्यशाला आयोजित करने का निदेश दिया। अनुमंडल पदाधिकारी नीतेश कुमार को सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से अभियान की मॉनीटरिंग कराने और रिपोर्ट करने का निर्देश देने को कहा। पूर्व में उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद एकबाल ने स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रुपरेखा, महत्वपूर्ण तारीख और मान्य कागजात की जानकारी दी।

प्रधानमंत्री जी के स्वावलंबी भारत मिशन का अभियान दूत बनेंगे नगर निकाय:गरिमा

- स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में अव्वल बनी बिहार की महापौर गरिमा देवी सिकारिया को मिला नेतृत्व
- पॉवर प्वॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से महाभारत काल स्थानीय निकायों के अस्तित्व का दिया परिचय

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि हरियाणा के गुरुग्राम में आयोजित स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रजेंटेशन के आधार पर बिहार को अग्रणी भागीदार घोषित किया गया है। 21वीं सदी के 2047 में विकसित भारत के वास्तुकार रूप में महिलाओं की भागीदारी के विषय पर समूह चर्चा के आधार पर अव्वल बने बिहार का नेतृत्व करने को लेकर महापौर गरिमा देवी सिकारिया को प्रजेंटेशन प्रस्तुत करने के रूप में नेतृत्व का अवसर मिला। अपने पॉवर प्वॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि भारतवर्ष में स्थानीय निकायों का इतिहास करीब पांच हजार साल पुराना है। महाभारत काल स्थानीय निकायों के अस्तित्व का परिचय देते हुए महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि कि तब पूरा और पौरा के रूप में स्थानीय निकायों को स्थापित किया गया था। वही तालियों की शाबाशी के बीच श्रीमती सिकारिया ने कहा कि हम नगर निकाय विकसित भारत की बुनियाद के रूप अपने यशस्वी प्रधानमंत्री जी के ह्यस्वावलंबी भारत मिशनह्न का अभियान दूत बनेंगे। उन्होंने बताया कि अपने निकाय क्षेत्र में सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं को बढ़ावा देकर स्थापित करेंगे। अपने पीपीटी सत्र की ओजस्वी अध्यक्षता में महापौर श्रीमती सिकारिया ने उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री और अब राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा की विद्वता पूर्ण अध्यक्षता के लिए आभार जताया।

संसद भवन में आयोजित निकाय प्रतिनिधियों के विशेष बैठक की ओम बिड़ला ने की अध्यक्षता

बेतिया। स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों के राष्ट्रीय सम्मेलन के अंतिम दिन देर शाम तक पुराने संसद भवन में निकाय प्रतिनिधियों के विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस विशेष और प्रेरक सत्र की अध्यक्षता लोक सभा के अध्यक्ष ओम बिड़ला ने की । इस मौके पर महापौर गरिमा देवी सिकारिया समेत सभी प्रतिभागी प्रतिनिधियों को सवाल पूछने और आसान की भूमिका का व्यवहारिक प्रदर्शन दिखाया गया। बैठक के अंत में अग्रिम पंक्ति के नगर निकाय प्रतिनिधियों के साथ लोक सभा अध्यक्ष में फोटो भी खिंचवा कर उत्साह वर्द्धन किया। इस क्रम में श्री बिड़ला ने बताया कि अपने देश में त्रिस्तरीय सदन की शासन व्यवस्था है। आप सब देश प्रथम सदन का नेतृत्व करने वाले हैं। इस लिए इस तीसरे सदन का अनुभव प्राप्त करना आप सबको निश्चय ही अच्छा लगा होगा। इसके बाद पुराने और नए संसद भवन का भ्रमण देश भर से पहुंचे स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों को कराया गया।

संक्षिप्त खबरें

सर्पदंश से युवक की मौत

लहलादपुरः सर्पदंश से एक युवक की मौत हो गयी. जिससे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हुआ है. मृतक बृहस्पतिवार की रात्रि अपने मकान के दरवाजे पर टहल रहा कि उसे सर्प ने डंस लिया. चिकित्सा एवं झाड़फूंक के बावजूद भी उसे बचाया नहीं जा सका. वह जनता बाजार थाना क्षेत्र के बसही गांव निवासी भगवान साह का 25 वर्षीय पुत्र विकास कुमार साह बताया जाता है. परिजनों ने बताया कि मृतक सहाजितपुर स्थित अपने कपड़े के दुकान से आया था, बिजली गायब थी और घर में गर्मी काफी अधिक थी. बाहर हवा खाने के क्रम में यह घटना घटी.

केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल 9 जुलाई से

छपरा ' बैंक कर्मचारियों के सबसे बड़े संगठन ऑल इंडिया बैंक इंप्लाइज एसोसिएशन एवं बैंक एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया तथा ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर एसोसिएशन के संयुक्त आह्वान पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 9 जुलाई 25 को राष्ट्र व्यापी बैंक हड़ताल रहेगा। विदित हो किया यह हड़ताल बैंकों में पर्याप्त बहाली, बैंकों के निजीकरण नहीं करने, बैंकों में ठेकेदारी प्रथा बंद करने, पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने, ग्राहकों का सेवा शुल्क कम करने आदि मांगों सहित केंद्रीय ट्रेड यूनियन के मांगों के समर्थन एवं केंद्र सरकार की जन एवं श्रमिक विरोधी कानून के विरोध में किया गया है। बिहार प्रोविंशियल बैंक इंप्लाइज एसोसिएशन के जिला सहसचिव मनोज कुमार सिंह , बैंक एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया के मनोज कुमार ठाकुर एवं ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष जयशंकर प्रसाद में दावा किया है कि बुधवार 9 जुलाई 25 औद्योगिक हड़ताल के दिन जिले के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कामकाज पूर्णतः ठप रहेगा।

पोखर से मगरमच्छ का रेस्क्यू गंडक नदी में सुरक्षित, छोड़ा गया

बगहा। चंपापुर गोनौली पंचायत के मछली पलकों द्वारा वन विभाग से पिछले कई दिनों से सूचना देखकर गुहार लगाई जा रही थी कि पोखरा में घुसकर मगरमच्छ मछलियों को मार कर खा रहा है जिससे मछली पलकों को भारी नुकसान पहुंच रहा है। रेंजर श्रीनिवासन नवीन ने जानकारी देते हुए बताया कि बायोलॉजिस्ट सौरभ वर्मा के नेतृत्व में शनिवार के दोपहर 12 बजे मगरमच्छ का रेस्क्यू किया गया ।जिसे बाद में सुरक्षित वीटीआर के चुलभट्टा के समीप गंडक नदी में छोड़ दिया गया ।चंपापुर निवासी मुखिया स्वर्गीय नंदलाल महतो के बेटे ओमप्रकाश महतो ने बताया कि गांव के समीप बने शिवराय के पोखर में मगरमच्छ घुस आया था ।जिसका रेस्क्यू किया गया है ।बतादें की इस क्षेत्र में नहरों का जाल बिछा हुआ है और यह क्षेत्र गंडक नदी के समीप है ।जहां मगरमच्छ गंडक नदी से नहर के रास्ते बांध को पार कर पोखरा में पहुंचकर पोखरे के मछलियों का शिकार कर रहा था ।यह कोई पहली घटना नहीं है,जब किसी मगरमच्छ का पोखरे से रेस्क्यू किया गया हो ।इससे पहले भी कई दफा मगरमच्छ का वनकर्मियों द्वारा पोखरा से रेस्क्यू किया जाता रहा है।

7 वां अंतर्राष्ट्रीय होमियोपैथी सम्मेलन वियतनाम में होम्योपैथी अवार्ड से होंगे कई सम्मानित

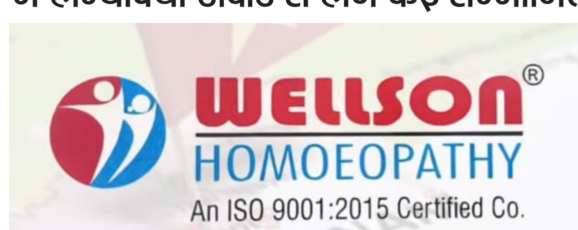

बेतिया। इस साल 7 वां अंतर्राष्ट्रीय होम्योपैथी सम्मेलन वियतनाम में हो रहा है उत्तर प्रदेश,बिहार, झारखंड,बंगाल, असम समेत कई राज्यों के चिकित्सक इसमें शामिल होंगे। 21 अगस्त को होनेवाले इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश-विदेश के होम्योपैथी चिकित्सकों को एक मंच पर लाया जायेगा। वेल्सन होमियोपैथी द्वारा आयोजित इस 7 वां इंटरनेशनल होम्योपैथी समिट में होम्योपैथी विशेषज्ञ और चिकित्सक शामिल होंगे [जानकारी देते हुए वेल्सन होमियोपैथी के एमडी डॉ.संजय कुमार सिंह ने बताया कि वेल्सन होमियोपैथी द्वारा हर साल एक राष्ट्रीय और एक अंतर्राष्ट्रीय होमियोपैथी सम्मेलन का आयोजन किया जाता है जिसमें शामिल चिकित्सकों द्वारा होमियोपैथी द्वारा जटिल बीमारियों से ठीक कर चुके केस को साझा किया जाता है [कार्यक्रम में होमियोपैथी के नए अपडेट की भी चर्चा की जाती है। डॉ संजय ने बताया कि कार्यक्रम में होम्योपैथी चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को होम्योपैथी अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

बज्म-ए-हबीब ने शिक्षा , लेखन , पत्रकारिता , रंगमंच एवं समाजसेवा क्षेत्र के उत्कृष्ट 11 मनीषियों को सम्मानित किया

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय।। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी बज्म-ए-हबीब (साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था) ने अपने - अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाले देश भर के कुल 11 मनीषियों को स्वामी विवेकानंद स्मृति राष्ट्रीय सम्मान -2025 से सम्मानित किया। बज्म-ए-हबीब (साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था) की चयन समिति ने देश भर के शिक्षा , लेखन , पत्रकारिता , रंगमंच तथा समाज सेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय और उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 मनीषियों का चयन किया था। बज्म-ए-हबीबह के संस्थापक सचिव एवं हिन्दी , उर्दू और भोजपुरी के नामचीन शाइर , लेखक और समाजसेवी डॉ. ऐनुल बरौलवी का जन्मदिन प्रत्येक वर्ष की तरह इस साल भी साहित्यिक रूप में मनाया गया। संस्था की चयन समिति के निर्णयानुसार संस्थापक सचिव डॉ. ऐनुल बरौलवी का जन्मदिन साहित्यिक रूप में मनाया गया। इस अवसर पर संस्था की चयन समिति द्वारा चयनित देश भर के कुल 11 मनीषियों को स्वामी विवेकानंद स्मृति राष्ट्रीय सम्मान -2025 से सम्मान पत्र जारी कर ऑनलाइन सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में बिहार से डॉ.जौहर शफि याबादी , गोपालगंज (शिक्षा) , डॉ. विद्या भूषण श्रीवास्तव , छपरा (पत्रकारिता) , डॉ.मीना कुमारी परिहार , पटना (लेखन) , मोहित सिंह , छपरा (लेखन) , डॉ. मनोज संकल्प , छपरा (समाजसेवा) और उत्तरप्रदेश से अब्दुल अजीज सिद्दीकी , लखनऊ (पत्रकारिता) , अनिल त्रिपाठी , लखनऊ (पत्रकारिता) एवं आंध्रप्रदेश से डॉ.चक्रवर्ती कडपांगंडल , प्रोद्दुर (समाजसेवा) तथा राजस्थान से ममता शर्मा अंचल , अलवर (शिक्षा) , दिनेश त्रिपाठी ह्यादीवानाह, भीलवाड़ा (पत्रकारिता) , विजय मिश्र दानिश, जयपुर (रंगमंच) आदि हैं। बज्म-ए-हबीब की अध्यक्षा एवं शाइरा शाफिया हसन शाफी , कार्यकारी अध्यक्ष ई.नोमान अहमद अंसारी , उपाध्यक्ष एवं शाइरा रज़िया खातून ह्यरज़िया , संस्थापक सचिव एवं शाइर डॉ.ऐनुल बरौलवी , कोषाध्यक्ष शाहिद हसन , सदस्य गण प्रो. (डॉ.) शहनाज हसन , ई.रुखसाना हक , डॉ. निकहत रज़िया , ई. अजीमुल हक तथा डॉ. इरशाद अहमद , रामावतार यादव , सुनील कुमार आदि ने सम्मानित सभी मनीषियों को बधाई दी है।

योगियां हाईस्कूल में शिक्षिका नेहा को स्थानांतरण पर दी गई विदाई

रसूलपुर। स्थानीय आर एन हाईस्कूल योगियां की शिक्षिका नेहा कुमारी की स्थानांतरण विदाई दी गई प्रधानाचार्य लालबाबू यादव ने कहा कि एक साल में ही नेहा ने शिक्षक सहकर्मी और छात्रों को अपने कर्तव्य व आचरण से प्रभावित कर चुकी थी वहीं नेहा ने कहा कि एक तरफ स्थानांतरित हो कर उन्हें गोपालगंज जिले के अपने गांव के नजदीक परिजनों के साथ रह कर ड्यूटी करने की खुशी है तो दूसरी तरफ अपने निवर्तमान स्कूल के प्रिय शिक्षकर्मी साथियों व अपने छात्रों से बिछड़ने का अफसोस भी है फिर भी योगिया हाईस्कूल मेरा मातृ स्कूल है इसकी यादें आजीवन मेरे साथ रहेंगी संचालन कंप्यूटर शिक्षक अतुल कुमार ने किया मौके पर वरिष्ठ शिक्षक रामेश्वर गोप,विकास उपाध्याय ,राकेश तिवारी ,उमेश पांडेय ,धर्मेन्द्र तिवारी, नेहा,कपूरी ठाकुर,श्यामबाबू, बृजकिशोर,दीपक,दिनेश दुबे,अर्चना ,पूर्णिमा, कामिनी सिंह,सुनैना ,सुमन यादव ,श्रेया ,लूसी, दुर्गेशनंदिनी ,सिद्धि , राहुल गुप्ता अमरनाथ गुप्ता, विजय कुमार गुप्ता,राजकुमारी,लाइब्रेरियन कपूरी ठाकुर, आशिक इकबाल,राहुल कुमार, मो इरफान,हर्षवर्धन यादव ,कुमार प्रिंस ,रात्रि प्रहरी शिवकुमार यादव,आदेशपाल उदयशंकर आदि विद्यालय कर्मी उपस्थित रहे।

पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के छोटे भाई पंचतत्व में विलीन, शव यात्रा में राजनेताओं व गणमान्य लोगों की उमड़ी भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय महाराजगंज के पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के छोटे भाई और बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह के बड़े भाई, छपरा के पूर्व विधायक रणधीर सिंह के चाचा तथा युवराज सुधीर सिंह के पिता दीनानाथ सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को उनके पैतृक गांव मशरक से शव यात्रा निकालकर डोरीगंज घाट पर गंगा नदी के किनारे गमगीन माहौल में किया गया। उनके निधन की खबर मिलते ही शनिवार की सुबह उनके मशरक बड़हिया टोला स्थित आवास से हजारों लोगों की उपस्थिति में शव यात्रा निकाली गई। अंतिम यात्रा में परिवार के सभी सदस्यों के साथ-साथ क्षेत्र के हजारों लोगों ने शामिल होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए और अंतिम विदाई दी। बता दें कि दीनानाथ सिंह बीते छह माह से बीमार चल रहे थे और हजारीबाग जेल में सजा के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली एम्स में उनका इलाज चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। निधन की सूचना मिलते ही शव उनके गांव लाया गया। पैरोल पर छूट कर आए उनके बड़े भाई और पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह भी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। शव यात्रा में सारण, छपरा, सीवान, गोपालगंज, पटना सहित झारखंड के कई राजनेता, जनप्रतिनिधि, मुखिया, प्रखंड प्रमुख, पूर्व जिला पार्षद, शिक्षक, व्यवसायी और समाजसेवी शामिल हुए और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। साधारण परिवार में जन्मे दिवंगत दीनानाथ सिंह के पिता बासुदेव सिंह टायर गाड़ी चलाकर और खेती-बाड़ी से जीवन यापन करते थे। चार भाई और एक बहन में दूसरे स्थान पर रहे दीनानाथ सिंह ने वर्ष 1977 में उच्च विद्यालय मशरक से मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। वर्ष 1980 से उन्होंने अपने बड़े भाई के साथ सामाजिक और राजनीतिक जीवन की शुरूआत की और 1985 के बाद सारण की राजनीति में किंगमेकर की भूमिका निभाते रहे। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें याद करते हुए कहा कि उन्होंने सैकड़ों युवाओं को प्रेरित कर स्वावलंबी बनाया। जीवनभर अपने बड़े भाई प्रभुनाथ सिंह के साथ एक मजबूत स्तंभ की तरह खड़े रहे और परिवार को सामाजिक और राजनीतिक शिखर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। हत्या के आरोपों के बावजूद वे अंत तक अपने आदर्शों और परिवार के प्रति समर्पित रहे।

एकमा होकर 33 फेरों में चलेगी श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन, श्रद्धालु कांवड़ियों व यात्रियों को यात्रा में मिलेगी विशेष सहुलियत

प्रात : किरण संवाददाता

एकमा। रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी सावन माह में झारखंड के देवघर में लगने वाले श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालु कांवड़ियों व यात्रियों की होने वाली अत्यधिक भीड़ को ध्यान में रखते हुए मेला यात्रियों की सुविधा हेतु गाड़ी संख्या 05028/05027 बढ़नी-देवघर-बढ़नी वाया गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान, एकमा व छपरा होकर श्रावणी मेला विशेष गाड़ी का संचलन 09 जुलाई से 10 अगस्त 2025 तक प्रतिदिन बढ़नी से तथा 10 जुलाई से 11 अगस्त 2025 तक प्रतिदिन देवधर से 33 फेरों हेतु किया जायेगा। इसकी जानकारी देते हुए वाराणसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि गाड़ी संख्या 05028 बढ़नी-देवघर श्रावणी मेला विशेष गाड़ी 09 जुलाई से 10 अगस्त 2025 तक प्रतिदिन बढ़नी से 17.30 बजे प्रस्थान कर शोहरतगढ़ से 18.20 बजे, सिद्धार्थनगर से 18.39 बजे, आनंदनगर से 19.04 बजे, गोरखपुर से 20.00 बजे, चौरीचौरा से 20.27 बजे, देवरिया सदर से 21.13 बजे, भटनी से 21.40 बजे, मैरवा से 22.10 बजे, सीवान से 22.40 बजे, एकमा से 23.22 बजे दूसरे दिन छपरा से 00.15 बजे, दिधवारा से 00.47 बजे, सोनपुर से 01.10 बजे हाजीपुर से 01.25 बजे, देसरी से 01.55 बजे, शाहपुर पटोरी से 02.17 बजे, बछवारा से 02.40 बजे, बरौनी से 03.20 बजे, बेगुसराय से 03.42 बजे, साहिबपुर कमाल से 04.22 बजे, मुंगेर से 05.20 बजे, सुलतानगंज से 06.45 बजे, भागलपुर से 08.35 बजे, बरहट से 10.02 बजे तथा बांका से 10.42 बजे छूटकर देवघर 13.00 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 05028 देवघर-बढ़नी श्रावणी मेला विशेष गाड़ी 10 जुलाई से 11 अगस्त 2025 तक प्रतिदिन देवघर से 18.45 बजे प्रस्थान कर बांका से 19.40 बजे, बरहट से 20.03 बजे, भागलपुर से 21.03 बजे, सुलतानगंज से 21.30 बजे, मुंगेर से 23.20 बजे, साहिबपुर कमाल से 23.45 बजे दूसरे दिन बेगुसराय से 00.10 बजे, बरौनी से 00.40 बजे, बछवारा से 1.02 बजे, शाहपुर पटोरी से 01.32 बजे, देसरी से 01.55 बजे, हाजीपुर से 02.35 बजे, सोनपुर से 02.47 बजे, दिधवारा से 03.10 बजे, छपरा से 05.10 बजे, एकमा से 05.37 बजे, सीवान से 06.20 बजे, मैरवा से 06.50 बजे, भटनी से 07.52 बजे, देवरिया सदर से 08.25 बजे, चौरीचौरा से 08.57 बजे, गोरखपुर से 09.40 बजे, आनंदनगर से 10.35 बजे, सिद्धार्थनगर से 11.30 बजे व शोहरतगढ़ से 11.52 बजे छूटकर बढ़नी 12.30 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 06, साधारण द्वितीय श्रेणी के 07 व एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 15 कोच की सुविधा रहेगी।

सारण के स्कूल में छात्रा पिटाई के बाद शिक्षक गिरफ्तार

छपरा कार्यालय। बिहार के सारण जिले में एक शिक्षक की गिरफ्तारी हुई है। शिक्षक पर एक छात्रा ने बेरहमी से पीटने का आरोप लगाया है। छात्रा के परिजनों ने इस मामले को लेकर विद्यालय परिसर में जमकर बवाल काटा। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय थाना की पुलिस अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंची और आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी शिक्षक की पहचान गड़खा थाना क्षेत्र के स्व० सुरेश्वर सिंह का पुत्र मनोज कुमार सिंह के रूप में की गयी है। मामला गड़खा थाना क्षेत्र के बोर्ड मध्य विद्यालय चिरांद रोड स्कूल की बताई गई है। छात्रा ने इसकी शिकायत अपने घरवालों के पास की, जिसके बाद शिक्षक की हरकत सुनकर परिवार के लोग गुस्से से आगबबूला हो गए और इस घटना से आक्रोशित होकर ग्रामीणों के द्वारा विद्यालय का घेराव कर विद्यालय प्रशासन के प्रति विरोध प्रदर्शन किया। जिसके बाद छात्रा के परिजनों ने शिक्षक पर आरोप लगाते हुए इसकी सूचना स्थानीय पुलिस अधिकारी को दी गई। पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही विद्यालय परिसर पहुंच घटना का निरीक्षण किया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी शिक्षक को अपने कब्जे में लिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार छात्रा ने बेरहमी से पीटने का आरोप शिक्षक पे लगाया गया है। छात्रा से पूर्व में भी इस तरह का कोई आरोप नहीं लगाया गया था लेकिन अचानक से शिक्षक पे ऐसे आरोप लगाना एक बड़ी बात को दशार्ता है। आरोप वहीं छात्रा के परिजनों की लिखित शिकायत पर केस दर्ज किया गया और आरोपी शिक्षक को पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। वही घायल छात्रा का इलाज गड़खा पी एच सी में चल रहा है। ग्रामीणों के गंभीर आरोप के बाद पुलिस प्रशासन ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया साथ ही आसपास के लोगों से इस घटना के संबंध में आवश्यक पूछताछ की । प्रशासन ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है।

विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 को लेकर कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) और वसुधा केंद्र संचालकों को किया गया प्रशिक्षित

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। जिला प्रशासन, बेतिया द्वारा शनिवार को रमना मैदान के ऑडिटोरियम में विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के संबंध में जिला अंतर्गत सभी कॉमन सर्विस सेंटर (उरउ) और वसुधा केंद्र संचालकों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आगामी प्रारूप मतदाता सूची में मतदाताओं का नाम दर्ज कराने में इन संचालकों को पूर्ण रूप से सक्षम बनाना था, जो 01/08/2025 को प्रकाशित की जाएगी। प्रशिक्षण सत्र के दौरान, उरउ और वसुधा केंद्र संचालकों को मतदाताओं की सहायता करने के लिए विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसमें उन्हें 2003 की बिहार मतदाता सूची उपलब्ध कराने, ऑनलाइन गणना फॉर्म भरने में मदद करने और पहले से भरे हुए गणना फॉर्म को डाउनलोड करने की प्रक्रिया समझाई गई। यह प्रशिक्षण अनुमंडल निर्वाचन पदाधिकारी नरकटियागंज विवेक कुमार और जिला सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधक अभिषेक कुमार द्वारा प्रदान किया गया। उन्होंने उपस्थित सभी संचालकों को तकनीकी पहलुओं और मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया के बारे में गहनता से प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण के उपरांत, कॉमन सर्विस सेंटर (उरउ) और वसुधा केंद्र संचालकों ने जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण और कार्यशाला के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण उन्हें मतदाताओं को प्रारूप मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने में पूरी तरह से मदद करने में सक्षम बनाएगा। इस पहल से जिले में मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया में तेजी आने और अधिक से अधिक लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मोहर्रम के अंतिम दिन कहीं निकला अलम, ताबूत तो कहीं 6 माह के अली असगर का झूला

छपरा, शहर के नई बाजार स्थित स्वर्गीय मुबारक हुसैन साहब की इमाम बारे में कर्बला में शहीद हजरत इमाम हुसैन का ताबूत और उनके छोटे भाई हजरत अब्बास का अलम ए मुबारक बरामद हुआ । सच तो यह है की सभी का सहारा हुसैन है । छपरा, शहर के विभिन्न इमामबाड़ों में आज नवी मोहर्रम को हजरत अब्बास का आलम और उनके बड़े भाई हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम का अलम शिया समुदाय के लोगों ने नम आंखों से निकाल कर मातम किया, मजलिस का आरंभ कैंसर अली के सोज से हुआ । लखनऊ से आए हुए मौलाना जनाब आदिल फराज ने अपने प्रवचन में कहा कि कर्बला में यजीद और इमाम हुसैन की जंग जो हुई उसकी मिसाल पूरी दुनिया में कहीं नहीं मिलती। मौलाना ने कहा की कर्बला में तीन दिनों तक भूखा प्यासा लेकर जो हजरत अब्बास ने जंग की उसकी मिशाल कहीं नहीं मिलती। परवेज नकवी ने अपने काव्यपाठ ेी हुसैन की शहादत को याद किया। श्री हैदर ने कहां की सच तो यह है कि सभी का सहारा हुसैन है, सब मिलकर कहो हमारा हुसैन है,श्री हैदर ने बताया यौमे आशूरा का मातमी जुलूस, रविवार को 1:00 दिन में छोटा इमामबाड़ा से श्रद्धा के साथ निकाला जाएगा जो फातिमा इमामबाड़ा, मोहम्मद चौक, साहिबगंज, जामा मस्जिद होते हुए बूटन बाड़ी कर्बला पहुंचेगा ।उधर शिया मोहल्ला दहियावां के छोटे और बड़े इमामबाड़ा में हजरत इमाम हुसैन की याद में ताबूत और उनके छोटे भाई हजरत अब्बास की याद में अलम ए मुबारक निकालकर लोगो ने जंजीरी मातम किया। शकील हैदर ने कहा की आसुर के दिन रहते हैं मोहताज यहां तक,औलाद भी मर जाए तो पुरसा नहीं लेते, रुखसार पर एहसास लगाता है तमाचे,जिस रोज की हम नामे सकीना नहीं लेते मौलाना आदिल फराज ने इमाम हुसैन के कार्यों को लोगों के सामने रखा और बताया कि कैसे उन्होंने कर्बला के मैदान में रहते हुए मानवता की रक्षा की। उन्होंने कहा कि आज जो इस्लाम बच्चा है यह कर्बला की जंग का एक बेहतरीन उदाहरण।

बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत अंचल अधिकारी बैरिया के विरुद्ध दंड अधिरोपित

- बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत मामलों के निष्पादन में लें अभिरुचि : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम) जिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार के द्वारा बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत कुल नौ परिवादों की सुनवाई की गई जिलाधिकारी के द्वारा परिवादी और लोक प्राधिकार की उपस्थिति में चन्दन शर्मा, मझौलिया, अशोक कुमार, बेतिया, कुमार मंजीत, बेतिया, मिन्हाजुद्दीन खान, बगहा-1, राजीव यादव, उत्तर प्रदेश, भागवत प्रसाद गुप्ता, बेतिया, सन्नी कुमार गुप्ता, बगहा-1 एवं रहमत हुसैन, रामनगर में मामलों की सुनवाई कर मामला निष्पादित किया गया। वहीं प्रदीप मिश्रा, पिता- सुभाष मिश्र, सा० लौकरिया, अंचल- बैरिया के मामले की सुनवाई के दौरान अंचल अधिकारी, बैरिया श्री मुकेश कुमार के स्तर पर मामले के निष्पादन में शिथिलता के लिए मो० 2000/- का आर्थिक दंड अधिरोपित किया गया। साथ ही 14 दिनों का समय देते हुए मामले का नियमानुसार पूर्ण निवारण करने का निर्देश भी दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी अधिनियम है।

इसके तहत दायर परिवादों के निष्पादन में लोक प्राधिकार अभिरुचि लें अन्यथा विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

अनचाहे गर्भावस्था से बचाव को लेकर जिले की महिलाओं को लगेगा इम्प्लांट

बेतिया(घनश्याम)। परिवार नियोजन इम्प्लांट को लेकर राज्य स्वास्थ्य समिति के पदाधिकारियों के द्वारा जिले के मेडिकल कॉलेज बेतिया की महिला चिकित्सक डॉ. शिवानी गुप्ता एवं सहयोगी संस्थान पी. एस. आई. इंडिया के प्रतिनिधियों को पटना मे प्रशिक्षण कराया गया है ताकि प्रशिक्षण कर वें जिले के स्वास्थ्य कर्मियों को इसपर प्रशिक्षण दें। इस सम्बन्ध में मेडिकल कॉलेज बेतिया की प्रोफेसर डॉ सुधा भारती ने बताया कि ह्लजल्द ही इम्प्लांटह्व की सुविधा मेडिकल कॉलेज मे उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया की इस ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स में मेडिकल कॉलेज बेतिया से डॉक्टर शिवानी गुप्ता ने हिस्सा लिया जहाँ राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ सरिता के द्वारा सम्मान एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया की परिवार नियोजन इम्प्लांट एक प्रभावी और सुविधाजनक गर्भनिरोधक विकल्प है। यह उन महिलाओं के लिए उपयुक्त है जो लंबे समय तक चलने वाले, प्रतिवर्ती गर्भनिरोधक चाहती हैं। परिवार नियोजन इम्प्लांट को गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण भी कहा जाता है, यह एक छोटी सी लचीली छड़ होती है जिसे बांह की त्वचा के नीचे प्रत्यारोपित किया जाता है। यह 3 साल तक गर्भावस्था को रोकने में प्रभावी है। यह हार्मोन शरीर में प्रवेश करके ओव्यूलेशन को रोकता है और गर्भाशय ग्रीवा के बलगम को गाढ़ा करता है, जिससे शुक्राणु के लिए गर्भाशय में प्रवेश करना मुश्किल हो जाता है। 3 साल तक यह प्रभावी रहता है, जिससे बार-बार गर्भनिरोधक लेने की आवश्यकता नहीं होती है। इसकी क्षमता प्रतिशत से अधिक प्रभावी है। वहीं इसे आसानी से हटाया जा सकता है और महिलाएं इसे हटाकर गर्भवती भी हो सकती हैं। इसका कोई खास दुष्प्रभाव नहीं देखा गया है। कुछ महिलाओं को अनियमित रक्तस्राव, या मासिक धर्म का न होना, सिरदर्द, मुंहासे, या मनोदशा में बदलाव हो सकता है। इम्प्लांट कब लगवाना चाहिए? डॉ. शिवानी गुप्ता ने कहा की मासिक धर्म चक्र के पहले 5 दिनों के भीतर, या 4 सप्ताह के भीतर प्रसव के बाद, या गर्भपात के बाद, इसे लगवाया जा सकता है। सब डर्मल इम्प्लांट (पटना एवं भागलपुर) पायलट के तौर दो जिलों में शुरूआत की गयी थी। सबडर्मल जहां माचिस की तिली जैसी एक अस्थाई गर्भनिरोधक का साधन है वहीं उनके द्वारा बताया गया की इस नए गर्भनिरोधक साधन के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन में पीएसआई इंडिया का सहयोग रहेगो

बड़हरा विधायक ने केशोपुर मुक्ति धाम पीसीसी सड़क का किया उदघाटन

क्षेत्र की जनता में खुशी का माहौल, विधायक का जोर-शोर से किया स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

आरा/बड़हरा। बड़हरा के विधायक सह पूर्व मंत्री केशोपुर पहुंच कर 58 लाख की राशी से बना केशोपुर घाट मुक्ति धाम पीसीसी सड़क का विधिवत उदघाटन किया। बड़हरा विधायक केशोपुर में नारियल फोड़कर और फीटा काट कर केशोपुर मुक्ति धाम पथ का उदघाटन किए। केशोपुर पहुंचते ही सैकड़ो जनता द्वारा ढोल बाजे ,फूल माला एवं अंगवस्त्र के साथ विधायक का स्वागत किया गया।इस दौरान विभिन्न नारे भी लगाए गए।उक्त अवसर पर बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि केशोपुर मुक्ति धाम मार्ग जर्जर हो चुका था,जनता की मांग और अंतिम संस्कार में जाने वाले लोगो को पीड़ा देखते हुए केशोपुर पुल से मुक्तिधाम तक पीससी सड़क का निर्माण करवाया। सड़क उच्च गुणवत्ता का बना है और क्षेत्र की जनता को लाभ मिलेगा।। उन्होने आगे कहा कि बड़-हरा विधानसभा क्षेत्र मे विकास चारो तरफ हो रहा है। मैं लगातार बड़हरा विधानसभा का प्रतिनिधित्व करता आ रहा हूँ।बाढ़ प्रभावित क्षेत्र होने के बावजूद क्षेत्र मे लगातार विकास होता रहा है। मै अपना पूरा जीवन बड़हरा विधानसभा क्षेत्र के लिए समर्पित कर दिया हूँ।क्षेत्र की समस्या मेरी समस्या है और उसका निदान करना भी मेरा कर्तव्य है। आज क्षेत्र के महत्वपूर्ण सड़को का निर्माण हो रहा है।यह कोई बोलने की बात नही है,देखने वाली बात है।जो लोग कहते है कि विकास नही हुआ है तो उनसे पूछना चाहता हूँ कि आरा से अपने गाँव पहुंचने मे कितना समय लगता है। आज सभी गाँव की सड़के मुख्य मार्ग से जुड़ गया है।

बिहार मे नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार सर्वस्व विकास कर रही है। आज बिहार में विकास और सुशासन का सरकार है।

उन्होने कहा कि जलने वालो को जलने दिजिए, मै विकास करता रहूँगा। उन्होने कहा कि मुक्ति धाम स्थल पर तीन लाख की राशी से शेड भी मेरे द्वारा बनवाया गया है।कार्यक्रम में बड़हरा प्रखंड पदाधिकारी मोहित भारद्वाज, राजस्व पदाधिकारी नवनीत सिन्हा,बड़हरा बीस स-त्री अध्यक्ष शुभम पांडेय,धनंजय तिवारी, संजय कुमार सिंह,रामायण सिंह,धीरज सिंह,जितेन्द्र तिवारी, संतोष संटु,चंद्रकांत सिंह,पलधारी सिंह,नारद बिंद,दिनेश सिंह,मिथलेश पासवान, रंजीत गुप्ता,टुनटुन बिंद,हरेराम बिंद,निखिल राम,अजय सिंह,सिद्धनाथ सिंह, धर्मेन्द्र सिंह,नीरज सिंह,रामबाबू पासवान, साधुशरण सिंह,सतीराम यादव,लालजी राय,रघुवीर सिंह,सन्नी सिंह,राजबली यादव,आदित्य नारायण पाठक ,दीपु सिंह,पवन सिंह सहित सैकड़ो लोग शामिल हुए।

फरहदा में कौशल युवा प्रोग्राम प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित समाजसेवी अजय सिंह ने युवाओं को दिखाई सफलता की राह

प्रातः किरण संवाददाता

फरहदा। स्वामी एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित कुशल युवा केंद्र, फरहदा में आज कौशल युवा प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र के लोकप्रिय समाजसेवी अजय सिंह शामिल हुए, जिन्होंने युवाओं को प्रेरक संबोधन दिया और जीवन में आगे बढ़ने के लिए सफलता के मंत्र साझा किए।कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी अजय सिंह, जिला कौशल प्रबंधक संजय कुमार (बिहार कौशल विकास मिशन, पटना), मुखिया संघ अध्यक्ष रितेश सिंह, हबटेक सेंटर के अभिषेक अग्रवाल, प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव मनोज सिंह, उपाध्यक्ष अविनाश कुमार, कोषाध्यक्ष हेमंत यादव तथा संयोजक अनंत सिंह द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।समारोह को संबोधित करते हुए समाजसेवी अजय सिंह ने युवाओं से आत्मनिर्भर बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि सफलता की पहली सीढ़ी खुद को पहचानने से शुरू होती है। जब तक आप अपने लक्ष्य को स्पष्ट नहीं करेंगे, तब तक कोई रास्ता नहीं मिलेगा।उन्होंने अपने छात्र जीवन से लेकर नौकरी तक के सफर को छात्रों से साझा करते हुए कहा कि साथी चुनने की इच्छा स्वाभाविक है, लेकिन पहले खुद को इतना सक्षम बनाइए कि कोई भी निर्णय आत्मगौरव का कारण बने, न कि पछतावे का।साथ ही, उन्होंने युवतियों के लिए सिलाई केंद्र खोलने का वादा करते हुए कहा कि,स्वरोजगार के माध्यम से बेटियाँ आत्मनिर्भर बनें, इसके लिए हर संभव सहयोग करूंगा।

समाजसेवी अजय सिंह ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित भी किया।

मुखिया संघ के अध्यक्ष रीतेश सिंह ने कहा कि कोई भी छात्र अगर पढ़ाई में किसी भी समस्या का सामना कर रहा है तो वे व्यक्तिगत रूप से मदद के लिए हमेशा तत्पर हैं।

जिला कौशल प्रबंधक संजय कुमार ने बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग द्वारा चलाए जा रहे सभी कौशल कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

जॉब कैंप और सम्मान समारोह :

कार्यक्रम में रस्तोगी इंटरप्राइजेज एवं सन एंड स्टेपिंग सॉल्यूशन के सहयोग से जापानी कंपनी मदरसन के लिए जॉब कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 45 युवक-युवतियों ने भाग लिया।

संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर संतोष कुमार ने मुख्य अतिथि समाजसेवी अजय सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया, साथ ही अन्य अतिथियों को भी मोमेंटो प्रदान किए गए।

कार्यक्रम की सफलता में योगदान :

कार्यक्रम को सफल बनाने में धनंजय सिंह, सत्यपाल सिंह, रामअशीष यादव, रबिन्द्र सिंह, आशमानो देवी, बिंदेश्वरी प्रसाद, प्रणव कुमार, रोहित कुमार, चंचल कुमार, राजू कुमार, कन्हैया व्यास, रवि कुमार, प्रेमलता, राजा, नेहा, अलीशा, प्रियंका, अंजलि, संतोष तिवारी, अनवर आलम, दिनेश सिंह सहित अनेक सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा।

ग्रामीण चिकित्सकों को कालाजार और फाइलेरिया पर मिला प्रशिक्षण

बिहिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पिरामल फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित हुआ कार्यक्रम

प्रातः किरण संवाददाता

बिहिया (भोजपुर), झ भोजपुर जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बिहिया में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण चिकित्सकों को कालाजार और फाइलेरिया जैसे गंभीर संक्रामक रोगों की रोकथाम व उपचार की जानकारी देना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नंद किशोर प्रसाद ने की।प्रशिक्षण सत्र में इन रोगों के लक्षण, बचाव व इलाज पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही ग्रामीण चिकित्सकों को इन बीमारियों के प्रसार को रोकने में उनकी भूमिका को लेकर भी मार्गदर्शन दिया गया।इस अवसर पर पिरामल स्वास्थ्य संस्था से रितेश राज ने एनएमडीपी किट, दिव्यांग प्रमाणपत्र प्रक्रिया और हाइड्रोसील ऑपरेशन से जुड़ी जानकारी साझा की। साथ ही प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के माध्यम से बताया गया कि रितेश राज के द्वारा कैसे फील्ड में लगातार गांव-गांव जाकर, पंचायत प्रतिनिधियों, मुखिया, वार्ड सदस्य, जीविका दीदियों, विद्यालयों, और चौपालों में बैठकों के माध्यम से वे लोगों को फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक कर रहे हैं। रितेश राज का यह निरंतर प्रयास कालाजार एवं फाइलेरिया उन्मूलन की दिशा में एक प्रभावी कड़ी के रूप में सामने आया है।प्रशिक्षण को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए प्रोजेक्टर के माध्यम से पीपीटी और फोटोज के जरिए जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित चिकित्सकों के बीच व्हाउ कार्ड व हैंडबिल का वितरण किया गया ताकि वे अपने क्षेत्रों में आम लोगों तक आवश्यक जानकारी पहुँचा सकें।कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य प्रशिक्षक, अन्य स्वास्थ्यकर्मी, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक रितेश जी, सामुदायिक उत्प्रेरक राजू सिन्हा, और बीडीएस संगीता कुमारी भी मौजूद रहे। इन्होंने ग्रामीण चिकित्सकों को स्थानीय स्वास्थ्य संस्थानों से समन्वय बनाकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सरकारी तंत्र और पिरामल फाउंडेशन जैसे विकास भागीदारों के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर बीमारियों के उन्मूलन की दिशा में एक ठोस और प्रशंसनीय पहल के रूप में देखा जा रहा है।

समाजसेवी ने दिव्यांग को दिलाया संबल, दिल्ली में लगवाएंगे कृत्रिम पैर बड़हरा और भोजपुर के जरूरतमंद दिव्यांगों से की संपर्क करने की अपील

प्रातः किरण संवाददाता

बखोरापुर (बड़हरा) समाजसेवा में हमेशा आगे रहने वाले अजय सिंह ने एक बार फिर मानवीयता की मिसाल पेश की है। बीते दिन एक दिव्यांग युवक शुभम पांडेय उनसे मिलने उनके गांव बखोरापुर स्थित आवास पर पहुँचे। शुभम ने छह महीने पहले एक ट्रेन दुर्घटना में अपना एक पैर खो दिया था और अब वह जीवन की नई शुरूआत के लिए मदद की तलाश में थे।अजय सिंह ने शुभम की स्थिति को गंभीरता से लिया और उसे भरोसा दिलाया कि उनका कृत्रिम पैर दिल्ली में लगवाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस पूरी प्रक्रिया – यात्रा, इलाज, ठहराव और भोजन – का सारा खर्च वह स्वयं उठाएंगे। शुभम को किसी भी प्रकार की आर्थिक चिंता करने की जरूरत नहीं होगी।अजय सिंह ने इस मौके पर भोजपुर ज़िले, खासकर बड़हरा क्षेत्र के उन सभी दिव्यांगजनों से भी अपील की कि अगर वे किसी प्रकार की सहायता के जरूरतमंद हैं, तो बेहिचक उनसे संपर्क करें। उन्होंने कहा, झहमारे क्षेत्र में कोई भी दिव्यांग अभाव में न रहे, यह मेरी प्राथमिकता है। ऐसे सभी लोग मुझसे सीधे संपर्क कर सकते हैं।झसंपर्क के लिए उन्होंने अपना नंबर भी सार्वजनिक किया: +91 9771460812। इस पहल की स्थानीय लोगों में व्यापक सराहना हो रही है। अजय सिंह की इस संवेदनशीलता और सामाजिक ज़िम्मेदारी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि सेवा ही उनका धर्म है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क प्रबंधन योजना की प्रगति पर जिलाधिकारी ने की समीक्षा

आरा। जिलाधिकारी भोजपुर तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क प्रबंधन योजना के अंतर्गत कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग को स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले की सभी ग्रामीण सड़कों की मरम्मती कार्य शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण कराया जाए, जिससे आमजन को बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सके। इस बैठक में डायरेक्टर ठएढ, सभी कार्यपालक अभियंता एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षक संघ ने किया डीईओ का स्वागत

आरा। हरेंद्र प्रसाद राय अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ भोजपुर सह कार्यकारी अध्यक्ष, बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षा संघ पटना के नेतृत्व में संघ का एक शिष्टमंडल जिला शिक्षा पदाधिकारी मान्यवर मानवेंद्र कुमार राय से औपचारिक मुलाकात की एवं उन्हें बुके तथा फूल माला से गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। जिला शिक्षा पदाधिकारी भोजपुर ने बताया कि शिक्षा एवं शिक्षकों के उत्तरोत्तर विकास में आप सभी का सकारात्मक सहयोग अपेक्षित है । राम भूषण उपाध्याय अकेंक्षक बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ, परमात्मा पांडे कार्यकारी सदस्य एवं श्रीनन्दजी सिंह प्रधान सचिव ने शिक्षा के उत्तरोत्तर विकास में ईमानदारी से पूरा सहयोग का वादा किया। डॉक्टर तारकेश्वर सिंह वरिय अध्यक्ष ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को विश्वास दिलाया कि हम लोग जिले के सभी प्रखंडों में शैक्षणिक विकास के लिए सेमिनार का आयोजन करेंगे जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। शिष्टमंडल में चंदेश्वर सिंह राजेंद्र ओझा संपत राय धर्मदेव सिंह शशि भूषण पांडे चितरंजन कुमार प्रभाशंकर सिंह नवल किशोर तिवारी प्रेमचंद राय बबन सिंहएवं अन्य उपस्थित रहे।

बीजेपी ने किया बैठक आयोजित

आरा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आरा लोकसभा के अगिआँव विधानसभा के अगिआँव मण्डल में अगिआँव गाँव के हनुमान मंदिर के प्रांगण में बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत एक बैठक आयोजित किया गया ।इस बैठक की अध्यक्षता अगिआँव मण्डल अध्यक्ष - कुन्दन कुमार कुशवाहा एवं संचालन मण्डल महामंत्री - संजय कुमार पाण्डेय ने किया। बैठक की शुरूआत पण्डित दीन दयाल उपाध्याय जी एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा राष्ट्रीय गीत - वन्दे मातरम् का गायन कर किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष सह अगिआँव विधानसभा प्रभारी - ज्योति प्रकाश कुशवाहा , केन्द्रीय टीम से अगिआँव विधानसभा के प्रभारी - प्रशान्त कुमार मिश्रा , जिला मंत्री सह अगिआँव मण्डल प्रभारी - अनुपमा पम्मी उपस्थित रहे। अतिथियों को अंग - वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

शिक्षक भोजपुर के अध्यक्ष ने की डीएम से शिष्टाचार भेंट

आरा।जिला प्राथमिक शिक्षक भोजपुर के अध्यक्ष उमेश कुमार सिंह के तत्वाधान में जिला कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ नव पदस्थापित जिला शिक्षा पदाधिकारी भोजपुर मानुवेन्द्र कुमार राय से शिष्टाचार मुलाकात किया गया साथ ही संघ के सदस्यों द्वारा फूल - माला, अंगवस्त्र, एवं बुके देकर हार्दिक स्वागत किया गया । हमारे अध्यक्ष के द्वारा कहा गया है कि हमारे नव शिक्षा पदाधिकारी भोजपुर ऊजार्वान एवं कर्मठशील व्यक्कि्त हैं मुझे आशा एवं विश्वास हैं कि हमारे शिक्षकों के समस्या एवं विद्यालय पर विशेष ध्यान देंगे ताकि शिक्षक निर्भीक होकर बच्चों को शिक्षा प्रदान करें इस पर हमारे जिला शिक्षा पदाधिकारी भोजपुर द्वारा आश्वासन दिया गया कि आप लोग निर्भीक होकर अपना काम कीजिए मैं हमेशा आपके सहयोग में तैयार हूं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष उमेश कुमार सिंह ,मुकेश कुमार सिंह, हरेंद्र कुमार सिंह, सुधीर सिंह ,राजीव रंजन उर्फ महेश कुमार, शशिकांत तिवारी , डा राजू भट्ट, राजेश कुमार सिंह अखिलेश्वर सिंह दिनेश राय अवध बिहारी दुबे भक्ति सिंह थे।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय बसतपुर में निपुण दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

रक्सौल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्रारंभ मिशन निपुण बिहार के चार सफल वर्षों की पूर्णता के उपलक्ष्य में राजकीय प्राथमिक विद्यालय बसतपुर में निपुण दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वरीय शिक्षक श्री मोहम्मद नुरुल होदा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत निपुण बिहार के लोगो के प्रदर्शन से की गई, जिसके माध्यम से छात्रों को मिशन के उद्देश्यों से अवगत कराया गया। इसके पश्चात बच्चों को निपुण गीत सुनाया गया, जिससे उनमें आत्मविश्वास और प्रेरणा का संचार हुआ। विद्यालय परिसर में शिक्षकों द्वारा बुनियादी भाषा और गणितीय कौशल की महत्ता पर चर्चा की गई और बच्चों के कार्यों की सराहना की गई। श्री होदा ने कहा कि ह्वनिपुण बिहार का लक्ष्य है कक्षा 1 से 3 तक के सभी बच्चों को ऐसी शैक्षिक बुनियाद देना जो उन्हें आजीवन सीखने के लिए सक्षम बना सके ।ह्व उन्होंने यह भी बताया कि विद्यालय में गतिविधि आधारित शिक्षण, समूह कार्य और नवाचारों के माध्यम से बच्चों में सीखने की रुचि को लगातार बढ़ाया जा रहा है। विद्यालय परिवार एवं अभिभावकों की उपस्थिति से कार्यक्रम और भी गरिमामय हो गया। बच्चों में भी विशेष उत्साह देखा गया। अंत में विद्यालय द्वारा यह संकल्प लिया गया कि सभी बच्चों को बुनियादी शिक्षा में निपुण बनाने के लिए मिशन की भावना के अनुरूप कार्य करते रहेंगे।

डॉ अनुग्रह नरायण सिंह के तैल चित्र पर पुष्पअर्पित कर पुण्यतिथि मनाई गई

गया जी ।गया जिला कांग्रेस कमिटी राजेन्द्र आश्रम के सभागार मे डॉ अनुग्रह नरायण सिंह के तैल चित्र पर पुष्पअर्पित कर पुण्यतिथि मनाई गई है,डॉ अनुग्रह नरायण सिंह कांग्रेस संगठन में अपना राजनीतीज्ञ, चम्पारण सत्याग्रह मे भागीदारी, गाँधीवादी और आधुनिक बिहार के निमार्ताओं मे से एक थे, उन्होंने 1946 से 1957 तक बिहार के पहले उपमुख्यमंत्री और वित्तमंत्री के रूप मे कार्य किया है साथ ही साथ महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज उनके बताए गए मार्गो पर चलकर ही कांग्रेस को बिहार में पुनः स्थापित किया जा सकता है। इस अवसर पर कार्यक्रम कैमूर जिला प्रभारी मोहम्मद असहाब अंसारी, कार्यालय प्रभारी कमलेश चंद्रवंशी, कार्यालय सचिव अशोक प्रसाद भारती,अब्दुल रकीब, राजीव सिंह उर्फ लबी, शिवनाथ प्रसाद, देवेंद्र सिंह, टिंकू गिरी सहित अनेको कांग्रेसजण उपस्थित हुये है।

इनर व्हील क्लब सिटी द्वारा विधार्थी को विशेष नोट बुक मेरी किताब वितरण किया गया

गया जी ।इनर व्हील क्लब सिटी की ओर से कन्या उच्च विद्यालय पिता महेश्वर के विधार्थी को विशेष नोट बुक मेरी किताब वितरण किया गया है। इसके साथ ही बच्चों के लिए एक सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता भी आयोजन किया गया है।जिसमें बच्चों को उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है ।इस मौके पर क्लब अध्यक्ष सिमा भदानी ने कहा कि इनर व्हील क्लब मुख्य उद्देश्य समाज के प्रति समर्पित सेवा भाव को बढाना है आने वाले दिनों में क्लब शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तीकरण जैसे विषयों पर और भी कयी कार्यक्रम का आयोजन करेगी।

संस्कृति पब्लिक स्कूल में नवनिर्मित स्विमिंग पूल का उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। संस्कृति पब्लिक स्कूल में नवनिर्मित स्विमिंग पूल का उद्घाटन विद्यालय के सचिव डॉ अजय सिंह (पूर्व एम.एल.सी) एवं निदेशक डॉक्टर आलोक सिंह ने किया ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि महोदय ने विद्यालय में हर आवश्यक सुविधाओं को उपलब्ध कराने के प्रयास पर जोर दिया ।यह बच्चों के शारीरिक मानसिक विकास के लिए आवश्यक है ।इससे बच्चों में उत्साह बढ़ता है और विद्यालय उनके रूची का हिस्सा बन जाता है तथा वे नियमित विद्यालय आने का प्रयास करते हैं। जैसा कि हमें मालूम है कि तैरना एक व्यायाम है , जो शारीरिक शौष्ठव के लिए आवश्यक है ।इसे प्रत्येक कक्षा के लिए साप्ताहिक रूटीन का हिस्सा बनाने का निर्देश दिया है। अध्ययन के साथ विद्यालय में अन्य गतिविधियों का नियमित संचालन करने पर बोल दिया । इसी क्रम में ह्लसोशल मीडिया और हमारा समाजह्व विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।जिसमें कक्षा 9 वीं एवं 10वीं के छात्रों ने हिस्सा लिया ।बच्चों ने इस अवसर पर विपक्ष में अपने-अपने तर्क संगत उत्तर से निर्णायक मंडल को प्रभावित किया एवं अपने-अपने पक्ष में अंक देने को विवश किया ।फलतः ग्रुप इ (किंगफिशर एवं इगल हाउस) विपक्ष के बच्चे विजेता तथा ग्रुप अ(मयूर एवं फॉल्कन हाउस) पक्ष के बच्चे उपविजेता बने विद्यालय की प्राचार्या जकिया यास्मीन ने विजेता एवं उपविजेता टीम को कप देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर नर्सरी से कक्षा तीन तक के बच्चों ने रंग बिरंगे स्वीमिंग पोशाक में प्रशिक्षित शिक्षकों के निर्देशन में स्विमिंग पूल में ज्यों ही उतरे सभी छात्रों , शिक्षकों एवं अभिभावकों ने ताली बजाकर उनका स्वागत किया ।इस समय पर करतल ध्वनि से पूरा वातावरण ही खुशनुमा हो गया साथ ही उमंग में बच्चों ने सजाए गए गुब्बारों को फोड़ने लगे जो इस समारोह का और ऊजार्वान बना दिया। इस अवसर पर श्री सत्यदेव सिंह ,दीपक तिवारी ,अमित उपाध्याय ,कुमुद ,शिवांगी ,सिमरन , एजाज ,रोशन सिंह ,अमरेश मिश्रा ,पवन , लक्ष्मी , ममता, श्वेता ,नवल किशोर ,अनिल सिंह आदि सभी शिक्षकों ने अपने उपस्थिति दर्ज कर समारोह को सफल बनाया।

रामविलास जी द्वितीय अंबेडकर थे : राजेश्वर पासवान

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। परिसदन में लोकजनशक्ति पार्टी (रा)के तत्वावधान में पार्टी के जिलाध्यक्ष राजेश्वर पासवान की अध्यक्षता में भारत सरकार के पूर्व मंत्री, पद्म भूषण, श्रद्धेय रामविलास पासवान जी के79वां जयन्ति समारोह मनाया गया ।समारोह के उद्घाटन लोकजनशक्ति(रा) के प्रदेश महासचिव सह भोजपुर जिला के प्रभारी पंकज पासवान ने उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर किया ।समारोह के संचालन छात्र लोजपा(रामविलास)के जिलाध्यक्ष विकास सिंह ने किया ।अपने उद्घाटन भाषण में पंकज पासवान ने कहा कि श्रधेय रामविलास पासवान जी समाजवाद के प्रखर प्रहरी एवं राजनैतिक आंदोलन के अग्रदूत थे ।उन्होंने समाज के हर वर्ग के वंचित लोगो के लिए सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन किया करते थे ।उन्होंने अपने पार्टी के घोषणा पत्र में उल्लेख किये थे कि उच्ची जाति के गरीब लोगों को10%आरक्षण के व्यवस्था हो ।उन्होंने दलित पिछड़ा एवं अनुसूचित जाति /जन जाति को निजी क्षेत्र में आरक्षण देने की मांग किया करते थे ।अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री राजेश्वर पासवान ने कहा कि श्रद्धेय रामविलास पासवान जी अपने मंत्रित्व काल में चाहे वो किसी भी विभाग के मंत्री हो उलेखनीय कार्य किये थे ।वे द्वितीय अंबेडकर थे ।उन्होंने 1989 में विश्व नाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व वाली सरकार में श्रम एवं कल्याण मंत्री बनाये गए थे ।उन्होंने कल्याण मंत्री के रूप में अनुसूचित जाति एक्ट के कानून बनवाये थे। रामविलास जी अब दुनिया में नही रहे लेकिन उनके चिराग उनके अधूरे सपनों का साकार करेंगे ।प्रदेश सचिव सुरेन्द आजाद ने कहा कि रेल मंत्री के रूप में 95 हजार केजुअल मजदूर को स्थायी रूप से करने के काम किये थे ।प्रदेश कार्य समिति के सदस्य प्रो विजय सिंह मुखिया ने कहा कि1969में उनको एक साथ दो खुशियां मिली थी एक आरक्षी उपाधीक्षक के नौकरी के नियुक्ति पत्र तथा दूसरा अलौली विधानसभा क्षेत्र से सोशलिस्ट पार्टी के टिकट ।प्रदेश कार्य समिति के सदस्य यादव रामसकल सिंह भोजपुरिया ने कहा कि श्रद्धेय रामविलास पासवान जी ने रेल मंत्री थे तो सबसे निम्न श्रेणी के कुली लोगो को रेलवे पास तथा रहने के लिए विश्राम गृह बनवाने के कानून बनवाये थे ।समारोह को सम्बोधित करने वाले लोगो मे अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मनोज पासवान, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव सन्तोष पासवान श्रम प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष प्रमोद पासवान ,चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉ प्रवीण कुमार, महिला प्रकोष्ठ के जिला कार्यकारी अध्यक्ष बबिता चौधरी,संसदीय बोर्ड के जिला कार्यकारी अध्यक्ष राजेश साहू, जिला उपाध्यक्ष विनोद कुमार, संजय पासवान ,जिला मीडिया प्रभारी संजू पासवान,विमलेश जी, केडी पासवान,मनीष बुचुली रामलायक सिंह,कमलेश गुप्ता, राकेश उपाध्याय सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

पितृपक्ष मेला एवं जनसुविधा को लेकर मंत्री डॉ० प्रेम कुमार ने जिलाधिकारी के साथ की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी ।सहकारिता मंत्री, बिहार सरकार एवं गया विधायक डॉ० प्रेम कुमार ने गयाजी समाहरणालय कक्ष में जिला पदाधिकारी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की है ।इस बैठक में आगामी पितृपक्ष मेला-2025 की तैयारी एवं गया शहर की जनसुविधाओं को लेकर विस्तारपूर्वक समीक्षा और चर्चा की गई है। मंत्री डॉ० प्रेम कुमार ने पितृपक्ष मेला को गयाजी की सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यटन दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताते हुए विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी प्रस्तावों को जिलाधिकारी के साथ चर्चा की ।उन्होंने कहा कि पितृपक्ष मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है।

इस बैठक में चर्चा किए गए प्रमुख बिंदु निम्नलिखित हैंःगयाजी शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या और उसके स्थायी समाधान पर ।पर्यटकों की सुविधा हेतु सूचना एवं सेवा केंद्र ।देश के प्रधानमंत्री द्वारा घोषित उज्जैन महाकाल एवं काशी विश्वनाथ के तर्ज पर गयाजी बोधगया कॉरिडोर के डीपीआर के संबंध में ।संपूर्ण शहर में अंडरग्राउंड केबलिंग (बिजली व्यवस्था) ।पर्यटक स्थलों पर साइनेज (दिशा संकेतक) लगाने की आवश्यकता ।गयाजी के पौराणिक चार दरवाजों का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण ।वाहन पार्किंग की समुचित व्यवस्था ।ब्राहम्योनी,प्रेतशिला,मां डुमेश्वरी गयाजी रोपवे योजना का क्रियान्वयन ।तालाब, घाट, पार्कों को कॉरिडोर योजना में शामिल करना ।पहाड़ों पर लाइटिंग व्यवस्था ।शहरी क्षेत्र के पार्कों के विकास हेतु योजना ।सभी वेदियों का जीर्णोद्धार एवं जनसुविधा बहाल करना ।गयाजी बस स्टैंड का जीर्णोद्धारकालरा अस्पताल में निमार्णाधीन भवन कार्य की प्रगति। लेप्रोशी अस्पताल भवन निर्माण योजना ।संवास सदन समिति, गांधी मैदान, खलिस पार्क के पास भवन निर्माण ।जेल प्रेस के सामने वित्त विभाग की जमीन के उपयोग पर चर्चा किंजर समुदाय के लिए पुरानी डेल्हा थाना के पास भवन निर्माण ।घाटों के पुनर्निर्माण एवं सौंदर्यीकरण,गांधी मैदान के निकट कचरा डंपिंग को जनहित में हटाए जाने पर चर्चा गयाजी मेट्रो रेल परियोजना की कार्य शुभारंभ करने पर चर्चा ।मुख्यमंत्री प्रगति यात्रा अंतर्गत गयाजी रेलवे स्टेशन से माँ बागेश्वरी मंदिर होते हुए रेल ओवरब्रिज निर्माण।

सत्य चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित शनिवारीय नुक्कड़ श्रृंखला में ज्ञान का सौदागर नाटक की हुई प्रस्तुति

साहेब लाल यादव द्वारा लिखित व निर्देशित ज्ञान का सौदागर में शिक्षा के निजीकरण और व्यवसायीकरण को विषय बनाया

प्रातः किरण संवाददाता

आरा : सत्य चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित शनिवारीय नुक्कड़ श्रृंखला में आज साहेब लाल यादव द्वारा लिखित व निर्देशित ज्ञान का सौदागर की प्रस्तुति की गई. विदित हो कि प्रत्येक शनिवार स्टेडियम गेट, रमना मैदान में यह नुक्कड़ श्रृंखला आयोजित की जाती है. आज के कार्यक्रम का उद्घाटन महावीर मंदिर के महंत श्री सुमन बाबा ने किया. श्री सुमन बाबा ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्राचीन भारत में गुरुकुल की परम्परा थी, जहाँ शिक्षा मुफ्त मिलती थी. वही आज के भारत में शिक्षा बिना पैसों के नहीं मिलता. आज के निजी विद्यालय और विश्वविद्यालय शिक्षा के नाम पर आम जनों का आर्थिक शोषण होता हैं.

कार्यक्रम में नाटक के कलाकारों को वरिष्ठ रंगकर्मी आलोक कुमार टूटू और पत्रकार आशुतोष पाण्डेय के हाथों अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का संचालन युवा नेता व समाजसेवी अभय विश्वास भट्ट ने किया. संस्था के ट्रस्टी श्री संजय राय ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें पुराने शिक्षा संस्कृति की ओर लौटना होगा, जहाँ शिक्षा के साथ साथ अनुशासन और संस्कार भी मिलता था.

वही संचालन करते हुए अभय विश्वास भट्ट ने बताया कि नाटक में निजी विद्यालयों द्वारा किये जा रहें आर्थिक शोषण को विषय बनाया गया. जहाँ शिक्षा कम, पोशाक और किताबों के नाम पर धन उगाही की जाती है। इन्होंने लोगो को जागरूक करते हुए कहा कि शिक्षा के बाजारीकरण को रोकने के लिए हम सभी को प्रयास करना चाहिए। आज स्कूल ज्ञान का मंदिर नही बल्कि पैसा का मशीन हो गया है ।नाटक के मुख्य भूमिकाओं में आरती देवी, अम्बुज राजा, डॉ अनिल सिंह, लड्डू भोपाली, बीरेंद्र ओझा बम, राजा कुमार, अंकुश कुमार व साहेब लाल यादव रहें. धन्यवाद ज्ञापन रंगकर्मी लड्डू भोपाली ने किया. कार्यक्रम में क्रिकेट एकेडमी के सचिव विजय कुमार ,वरीय कलाकार सुधीर शर्मा, कमलेश कुंदन, भोला भट्ट,आलोक कुमार टूटू, करण कुमार, राहुल श्रीवास्तव, वरिष्ठ कलाकार डॉ पकंज भट्ट आदि शामिल रहें।

ब्रेक के बाद फिल्मों में एक्टिव हुए विक्रांत

विक्रांत मैसी लगभग छह महीने फिल्मों से दूर रहे, अब वह फिर से बॉलीवुड में एक्टिव हो गए हैं। पिछले साल अपने परिवार, हेल्थ पर ध्यान देने के लिए विक्रांत मैसी ने एक्टिंग से ब्रेक लेने की घोषणा की थी। एक्टर ने साफ कहा था कि ब्रेक कुछ महीनों का होगा। हाल ही में अपने इस करियर ब्रेक के बारे में विक्रांत ने बात की है। साथ ही वह अपनी जल्द रिलीज होने वाली फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' को लेकर भी उत्साहित हैं।

खत्म हो गया विक्रांत का करियर ब्रेक

बातचीत में विक्रांत मैसी कहते हैं, 'मेरा ब्रेक खत्म हो गया है। मैंने बस छह महीने का ब्रेक लिया था। अब मैं हर चीज को लेकर बहुत क्लीयर हूं। पर्सनल लाइफ हो या करियर, सब चीजों को लेकर मेरा नजरिया बिल्कुल क्लीयर हो चुका है। मैंने इस ब्रेक में महसूस किया कि एक्टिंग मेरी जिंदगी का हिस्सा है, साथ ही कई और चीजें भी मेरे लिए बहुत अहम हैं।'

परिवार के साथ गुजारा समय

विक्रांत ने करियर ब्रेक के दौरान परिवार के साथ खूब समय गुजारा। वह कहते हैं, 'मैंने बेटे वरदान के साथ समय बिताया, खूब सारी फिल्में देखी। उन चीजों पर नोट्स बनाए हैं, जिन पर मुझे काम करना है। मेरी कोशिश एक एक्टर के तौर पर खुद को बेहतर बनाना है।'

खुद में ठहराव महसूस करते हैं विक्रांत

विक्रांत आगे कहते हैं, 'ब्रेक के बाद मेरे अंदर एक ठहराव भी आ गया है। मैंने अपनी सभी भी फिल्में देखीं, इन पर गौर किया। उन फिल्मों में और बेहतर काम कर सकता था। अब मैं जिन फिल्मों का हिस्सा बन रहा हूं, उनमें इन बातों का ध्यान रखूंगा।'

'आंखों की गुस्ताखियां' को लेकर उत्साहित

विक्रांत मैसी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' में शनाया कपूर के एक्टिंग कर रहे हैं। यह फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होगी। फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां रस्किन बॉन्ड की शॉर्ट स्टोरी 'द आइज हैव इट' पर बेस्ड है। विक्रांत, राइटर रस्किन बॉन्ड के फैन हैं। वह फिल्म में अंधे इंसान का किरदार निभा रहे हैं। विक्रांत कहते हैं, 'इस रोल ने अंधे लोगों के बारे में मेरी समझ को चैलेंज किया है।'

मैं जानबूझकर नेगेटिविटी खोजती हूं

डेब्यू से पहले ट्रोल्स को शनाया कपूर की दो टूक बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही शनाया कपूर सोशल मीडिया की बेरहम दुनिया से दो-चार हो रही हैं। संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया अपनी पहली फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से सिल्वर स्क्रीन पर दस्तक देने जा रही हैं। लेकिन डेब्यू से पहले ही वो जिस हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ ट्रोलिंग का सामना कर रही हैं, वो काबिल-ए-तारीफ है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में शनाया ने सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग और नेगेटिव कमेंट्स पर अपनी राय खुलकर रखी। उन्होंने कहा कि वो जानबूझकर सोशल मीडिया पर खुद से जुड़े नेगेटिव कमेंट्स और आर्टिकल्स पढ़ती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं जानना चाहती हूं कि लोग मेरे बारे में क्या कह रहे हैं। मुझे लगता है कि ये मेरा फर्ज है कि मैं ऑडियंस की राय को सुनूं।' जहां ज्यादातर सेलिब्रिटीज ऑनलाइन ट्रोल्स से दूरी बनाकर रखते हैं, वहीं शनाया की ये सोच उन्हें खास बनाती है। हालांकि उन्होंने ये भी माना कि कई बार ये कमेंट्स बहुत क्रूर होते हैं, खासकर जब वो उनकी लुक्स, कपड़ों या शरीर को लेकर होते हैं।

शनाया ने ये भी कहा कि उन्होंने वक्त के साथ ये समझ लिया है कि किस तरह की बातों को खुद से दूर रखना है और किसे गंभीरता से लेना है। उन्होंने कहा, 'कुछ बातें बहुत पर्सनल होती हैं, जैसे कि बॉडी या ड्रेसिंग को लेकर। लेकिन मैं उन्हें अलग रख देती हूं। मैं कोशिश करती हूं कि अपनी कला को सुधारने के लिए इन्हें एक फीडबैक की तरह लूं।'

फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से होगी शुरुआत शनाया की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है और लोगों की ओर से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। इस फिल्म में उनके साथ नजर आएंगे अभिनेता विक्रांत मैसी, जो इसमें एक दृष्टिहीन युवक की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन किया है संतोष सिंह ने और इसे लिखा है मानसी बगला ने। फिल्म को ज़ी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है और यह 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कावेरी कपूर ने की नए प्रोजेक्ट्स की घोषणा

गायिका-गीतकार और जेनरेशन जेड की उभरती हुई स्टार, बहुमुखी प्रतिभाशाली कावेरी कपूर ने बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से काफी चर्चित शुरुआत की। उसके बाद, कावेरी ने खुद के लिखे दो गाने रिलीज़ किए, और उनकी प्रतिभा को अनदेखा नहीं किया जा सका, उनके प्रशंसक उनके आगामी प्रोजेक्ट के घोषणा का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। फिल्म निर्माता शेखर कपूर और गायिका-अभिनेत्री सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी कावेरी ने पहले ही इंडिपेंडेंट म्यूजिक जगत में अपने लिए एक अनूठी जगह बना ली है। अपने आत्मनिरीक्षण गीतों और भावपूर्ण गायन के लिए जानी जाने वाली कावेरी ने पहले भी डिड यू नो, हाफ ए हार्ट और स्मेल ऑफ द रेन जैसे ओरिजिनल ट्रैक जारी किए हैं, जो उनके भावनात्मक लेखन और विकसित होते संगीत को दर्शाते हैं। और अब अपने फैन्स को ज़्यादा इंतज़ार न कराते हुए, कावेरी ने हाल ही में कुछ बहुत ही रोमांचक आने का संकेत दिया है। जब एक प्रशंसक ने उनसे आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में पूछा, तो कावेरी ने एक फोटो पोस्ट की जिसमें वह थम्स-अप देते हुए नज़र आ रही हैं, और उन्होंने लिखा- येस्स, जुड़े रहिए ... कुछ बहुत एक्साइटिंग आने वाला है। हालांकि उन्होंने ज़्यादा जानकारी साझा नहीं की, लेकिन यह अपडेट सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। चाहे वह नया म्यूज़िक हो, कोई कोलैबोरेशन, या फिर किसी नई क्रिएटिव दिशा की शुरुआत — फैन्स को अभी इंतज़ार करना होगा। लेकिन एक बात तय है- कावेरी कपूर अपने अगले बड़े क्रिएटिव अध्याय की तैयारी में हैं — और यह ज़रूर कुछ खास होगा।

पंचायत की सानविका ने IMDb पर शाहरुख को पछाड़ा

जब से पंचायत सीजन 4 ने ओटीटी पर दस्तक दी है, हर तरफ इसी की चर्चा है। एक ओर जहां सोशल मीडिया पर विधायक जी और बिनोद का डांस वायरल है, वहीं चर्चा में प्रधानजी की बेटी रिंकी यानी सानविका भी हैं। सचिव जी के साथ रिंकी की प्रेम कहानी भले ही वेब सीरीज में धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है, लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। आलम ये है कि IMDb की पॉपुलैरिटी लिस्ट में सानविका ने शाहरुख खान को पछाड़ दिया है। जी हां, एक्ट्रेस ने खुद एक वीडियो पोस्ट शेयर कर दर्शकों के इस प्यार के लिए धन्यवाद किया है। सानविका ने इंस्ट्राग्राम पर जो वीडियो शेयर किया है, वो उनके मोबाइल स्क्रीन की रिकॉर्डिंग है। वीडियो क्लिप में वह IMDb की सबसे पॉपुलर भारतीय सेलेब्स की लिस्ट दिखा रही हैं, जिसमें उनका नाम आमिर खान और ऐश्वर्या राय बच्चन के बाद नंबर 3 पर है। जबकि बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। टॉप-5 में 5वें नंबर पर आरएस प्रसन्ना हैं, जिन्होंने सितारे जमीन पर डायरेक्ट की है।

खुशी से फूले नहीं समा रही पंचायत की रिंकी

सानविका ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, अरे वाह!!!! ये सभी मेरी प्रेरणा हैं और हमेशा मुझसे ऊपर रहेंगे, लेकिन एक दिन के लिए भी इस ग्रुप में शामिल होना, यह वाकई कमाल है। यह मेरे लिए एक खास पल है। सानविका ने कैप्शन के आखिर में पंयाचत के मेकर्स को टैग करते हुए उनका धन्यवाद किया है। साथ ही आगे लिखा है, जनताज आप लोगों का दिल से शुक्रिया। आपसे ही सब कुछ है। इस प्यार के लिए बहुत बहुत शुक्रिया।

बता दें कि सानविका का असली नाम पूजा सिंह है। हाल ही एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने पंचायत सीजन 5 को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, पंचायत सीजन 5 की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उम्मीद है, शायद अगले साल के मध्य तक या अगले साल किसी समय, यह रिलीज हो जाएगी। कहानी लिखने का काम पहले ही शुरू हो चुका है। हम इस साल के अंत तक शूटिंग शुरू कर सकते हैं।

कभी पत्रकार, तो कभी बहन का निभाया किरदार, कोंकणा सेन शर्मा की खूब हुई तारीफ

कोंकणा सेन शर्मा की फिल्म मेट्रो इन दिनों रिलीज हो गई है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कि कोंकणा सेन शर्मा ने किन फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी की है।

पेज थ्री

साल 2003 में रिलीज हुई फिल्म पेज थ्री में पत्रकारिता की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा एंटरटेनमेंट बीट की पत्रकार होती हैं। हालांकि असली पत्रकारिता क्या होती है इसके बारे में उन्हें फिल्म में अतुल कुलकर्णी बताते हैं। फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा की अदाकारी की खूब तारीफ हुई थी।

लिपस्टिक अंडर माय बुर्का

साल 2016 में रिलीज हुई इस फिल्म में चार महिलाओं की कहानी दिखाई गई है। इन महिलाओं में से कोंकणा सेन शर्मा भी एक हैं। फिल्म में उन्होंने एक शादीशुदा महिला का किरदार निभाया है। वह घर-घर जाकर सामान बेचती हैं। वह अपना करियर बनाना चाहती हैं लेकिन उनका पति उनका इस्तेमाल सिर्फ अपनी यौन इच्छाओं को पूरी करने के लिए करता है। कोंकणा ने इस किरदार को बखूबी निभाया है।

लाइफ इन अ मेट्रो

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म लाइफ इन अ मेट्रो में कई लोगों की प्रेम कहानियां दिखाई गई हैं। फिल्म में एक कहानी कोंकणा सेन शर्मा और इरफान खान की है। फिल्म में इरफान खान, कोंकणा को नौकरी दिलाने में मदद करते हैं। इसके बाद दोनों में प्यार हो जाता है। फिल्म के आखिर में कोंकणा इरफान से शादी के लिए प्रपोज करती हैं। फिर दोनों की शादी होती है। फिल्म में कोंकणा की संजीदा अदाकारी की खूब तारीफ हुई।

लागा चुनरी में दाग

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म लागा चुनरी में दाग वेश्यावृत्ति पर बनी है। फिल्म में रानी मुखर्जी ने एक वेश्या का किरदार निभाया है। कोंकणा सेन शर्मा ने रानी मुखर्जी की छोटी बहन का किरदार निभाया है। फिल्म में दिखाया गया है कि जैसे रानी मुखर्जी अपनी खुशियों को कुर्बान करके कोंकणा की मदद करती हैं वैसे ही कोंकणा सेन शर्मा भी अपनी बड़ी बहन का सपोर्ट करती हैं।

लक बाय चांस

साल 2009 में रिलीज हुई फिल्म लक बाय चांस में कोंकणा सेन शर्मा ने अहम किरदार निभाय है। फिल्म में फिल्मी दुनिया में मची होड़ के बारे में दिखाया गया है। इसमें कोंकणा सेन शर्मा ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है जो अभिनेत्री बनना चाहती है। हालांकि उसके साथ धोखा हो जाता है। इस फिल्म की और कोंकणा सेन शर्मा की खूब तारीफ हुई थी।

पौराणिक कथाएं मुझे आकर्षित करती हैं, शिव का किरदार निभाना चाहते हूं

अर्जुन रामपाल हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'राणा नायडू 2' में विलेन के रोल में नजर आए हैं। अक्सर अपने किरदार के साथ एक्सपेरिमेंट करने वाले अर्जुन इससे पहले भी 'ओम शांति ओम', 'रा वन' और 'धाकड़' समेत कई फिल्मों में विलन की भूमिका निभा चुके हैं। लीड हीरो के तौर पर वे आखिरी बार 2017 में रिलीज हुई फिल्म डैडी में नजर आए थे। इसे उन्होंने प्रोड्यूस भी किया था। अब अर्जुन एक पौराणिक किरदार निभाने की चाह रखते हैं।

आपने 'आई सी यू' और 'डैडी' जैसी फिल्में प्रोड्यूस की हैं। अगली फिल्म कब प्रोड्यूस करेंगे?

'डैडी' मेरे लिए बेहद खास फिल्म थी लेकिन शायद मैं उसे लोगों तक सही तरीके से पहुंचा नहीं पाया। उस कहानी से मैं जो दिखाना चाहता था वो दिखा नहीं पाय। ऐसे में अब मैं सोचता हूं जब भी कुछ प्रोड्यूस करूं तो ऐसा करूं जिससे ऑडियंस सीधा जुड़ सके। जब तक मुझे वैसी स्क्रिप्ट नहीं मिलती, मैं इंतजार करूंगा।

कोई ऐसा जोनर है जो बतौर प्रोड्यूसर आकर्षित करता हो?

मेरी मां इतिहास पढ़ाती थीं तो मैंने बचपन से ही बहुत सी कहानियां सुनी हैं। इतिहास से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। मैं कुछ ऐसा बनाना चाहता हूं जो समाज को संदेश दे। साथ ही, इंडियन माइथोलॉजी (पौराणिक कथाएं) भी मुझे बेहद आकर्षित करती है। ये बहुत गहराई और ज्ञान से भरा सब्जेक्ट है। समय से कहीं आगे की सोच दिखाती है। अगर मौका मिला तो कोई साइंस फिक्शन या डिस्टोपियन वर्ल्ड वाली कहानी भी करना चाहूंगा।

कोई ऐसा पौराणिक किरदार जो निभाने की इच्छा रखते हों?

जवाब ङ्क मैं भगवान शिव का किरदार निभाना चाहूंगा। उनके व्यक्तित्व में गहराई है, एक रहस्य है। उस रोल को करने के लिए पूरी तरह से उसमें उतरना पड़ेगा और यही मुझे पसंद है। मैं इसे बेहद सादगी और ईमानदारी से दर्शकों के सामने पेश करना चाहूंगा।

सवालङ्क लंबे वक्त से आप किसी लीड रोल में नहीं दिखे। क्या ये आपकी पसंद होती है या संयोग?

जवाब ङ्क मैं वैसे रोल चुनता हूं जो मुझे अच्छे लगते हैं। अगर फिल्म की कहानी अच्छी हो और मेरा किरदार दमदार हो तो मुझे फर्क नहीं पड़ता कि उसमें और कितने स्टार्स हैं। मल्टी-स्टारर फिल्मों में काम करने से अच्छा अनुभव मिलता है, अच्छे कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिलता है। सब मिलकर जब एक अच्छी टीम बनाते हैं, तो फिल्म का असर और भी मजबूत होता है। मेरे लिए सबसे जरूरी यही है कि फिल्म अच्छी हो और मेरा किरदार उसमें कुछ खास कर सके।

इतने साल इंडस्ट्री में बिताने के बाद आपको कौन सा बड़ा बदलाव नजर आया है?

आज लोग ज्यादा खुले विचारों वाले हो गए हैं। रिस्क लेते हैं और ये बहुत अच्छा भी है। टेक्नीकली हम बहुत आगे बढ़े हैं। हमारे टेक्नीशियन अब बहुत बेहतर हैं लेकिन अभी भी एक चीज है जिस पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। वो है, अच्छी कहानी और अच्छी स्क्रिप्ट। मुझे हाल फिलहाल में सीरीज राणा नायडू, पंजाब 95 और द रेपिस्ट जैसी फिल्मों की स्क्रिप्ट खास लगीं। मैं खुद इन दिनों सबसे पहले स्क्रिप्ट देखता हूं।

आपकी फिल्म द बैटल ऑफ भीमा कोरेगांव का क्या हुआ?

जवाब ङ्क यह साल 2021 में रिलीज होने वाली थी पर हमारे को-प्रोड्यूसर को कुछ निजी समस्याएं आ गईं। हमने करीब 60-70 प्रतिशत शूट कर लिया था लेकिन फिर शूट रुक गया। उम्मीद है कभी सब कुछ सही होगा तो उसे पूरा करेंगे।

सवाल ङ्क आपकी अगली फिल्म 'धुरंधर' है। इसमें

रणवीर सिंह के साथ पहली बार काम कर रहे है। कैसा अनुभव रहा?

बड़ी ही मजेदार अनुभव रहा। टीम बहुत शानदार है। रणवीर जबरदस्त फॉर्म में है, अक्षय, संजय, माधवन सब कमाल कर रहे हैं। मैं भी अपनी तरफ से बेस्ट देने की कोशिश कर रहा हूं। डायरेक्टर आदित्य धर हर दिन कुछ नया लाते हैं, जो सेट पर हम सबको बहुत प्रेरित करता है।

अपने अब तक के करियर से कितना संतुष्ट हैं?

जवाबङ्क न मुझे कोई शिकायत है और न ही कोई अपेक्षा। मैं ये नहीं सोचता कि किसी को मेरे लिए कुछ करना चाहिए। जब आप ऐसा सोचते हैं तो निगेटिव हो जाते हैं। मैंने हमेशा जो काम किया वो ईमानदारी से किया और जो भी मुझे मिला मैं उसके लिए आभारी हूं।

व्यापार

सेंसेक्स
83432.89 पर बंद
निफ्टी
25461.00 पर बंद

सोना
95,870
चांदी
94,000

आईपीओ से पहले ब्रिगेड होटल वेंच को सफलता, 1.4 करोड़ शेयर बेचकर जुटाई बड़ी रकम

नईदिल्ली, एजेंसी। ब्रिगेड होटल वेंचर्स लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले बड़ी सफलता मिली है। दरअसल, कंपनी ने 360 वन अल्टरनेटिव्स एसेट मैनेजमेंट को शेयर बेचकर 126 करोड़ रुपये जुटाए हैं। ब्रिगेड होटल वेंचर्स बेंगलुरु स्थित रियल एस्टेट कंपनी ब्रिगेड एंटरप्राइजेज लिमिटेड की सब्सिडयरी कंपनी है। बता दें कि ब्रिगेड होटल वेंचर्स ने 360 वन अल्टरनेट्स एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड (360 वन) को 90

रुपये प्रति शेयर के भाव पर 1.4 करोड़ शेयर जारी किए। यह लेनदेन कंपनी की पूर्व-प्रस्ताव शेयर पूंजी का 4.74 प्रतिशत है।

900 करोड़ रुपये तक के नए शेयर- दस्तावेज के अनुसार, कंपनी के आईपीओ में 900 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इससे हासिल राशि में से कंपनी करीब 480 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और 107 करोड़ रुपये जमीन खरीदने में करेगी। शेष राशि का इस्तेमाल अन्य कार्यों के लिए रखा जाएगा। जेएम फाइनेंशियल और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को आईपीओ के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर के रूप में नियुक्त किया गया है। ब्रिगेड होटल वेंचर्स दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों में होटलों का स्वामित्व और डेवलप करता है। 2004 में हॉस्पिटैलिटी में प्रवेश करने के बाद से यह बेंगलुरु, चेन्नई, कोच्चि, मैसूर सिटी में नौ ऑपरेटिंग होटलों का प्रबंधन करने के लिए विकसित हुआ है, जो कुल 1,604 प्रमुख होटलों का प्रबंधन करता है। ये संपत्तियां मैरियट और इंटरकॉन्टिनेंटल होटल समूह जैसे प्रसिद्ध वैश्विक हॉस्पिटैलिटी ब्रांडों के तहत संचालित की जाती हैं। दक्षिण भारत में दूसरे सबसे बड़े निजी होटल परिसंपत्ति के मालिक के रूप में, ब्रिगेड होटल वेंचर्स अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करना जारी रखता है।

रिलायंस, अडानी और टाटा.... इन शेयरों को ट्रेडिंग फर्म ने बनाया था निशाना

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अमेरिका के ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट ग्रुप की चार इकाइयों को भारतीय सिक्योरिटी मार्केट में एंट्री करने से प्रतिबंधित कर दिया है। इन पर डेरिवेटिव सेगमेंट में धोखाधड़ी और हेरफेर का आरोप है। सेबी ने अपने 105 पन्नों के अंतरिम आदेश में जेन स्ट्रीट से जुड़े कई अहम खुलासे किए हैं। आदेश में यह भी बताया गया है कि जेन स्ट्रीट ग्रुप ने प्रमुख बैंक निफ्टी और निफ्टी 50 के शेयरों की खरीद और बिक्री के माध्यम से इंडेक्स स्तरों में कैसे हेरफेर कर बंपर कमाई की। सेबी ने 18 ट्रेडिंग सेशन की पहचान की है। इसमें से 15 में बैंक निफ्टी और तीन में निफ्टी 50 शामिल हैं।

सरसों का तेल और चावल हुआ महंगा

टमाटर समेत कई सब्जियों के दाम भी बढ़े, मॉनसून ने बिगाड़ दिया घर का बजट

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में लोगों को एक बार फिर महंगाई की मार झेलनी पड़ सकती है। क्योंकि, सरसों के तेल में प्रति लीटर 10 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा चावल के दाम भी बढ़े हैं।

जानकारी के मुताबिक, इस साल लगभग 111 लाख टन सरसों की फसल होने का अनुमान था, लेकिन अब तक करीब 95 लाख टन ही मार्केट में सप्लाई आई है। तेल के थोक कारोबारी हेमंत गुप्ता बताते हैं कि बीते एक महीने में सरसों के तेल में लगभग 10 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

क्यों महंगा हुआ तेल?- इसके पीछे कई कारण हैं। एक तो जून के महीने में सरसों के तेल की

डिमांड बढ़ जाती है। जिसकी वजह से दाम में बढ़ोतरी होती है। इसके अलावा कई किसानों ने अभी फसल को मार्केट में नहीं उतारा है। जिससे इसकी कमी बनी हुई है। जिससे सरसों के तेल के दाम में उछाल आया है।

चावल कारोबारी सचिन शर्मा बताते हैं कि इन दिनों ईरान में चावल की सप्लाई प्रभावित है। लेकिन देश में घरेलू चावल की डिमांड कुछ तेज हुई है। जिससे चावल कारोबारियों को थोड़ी राहत मिली है।

बारिश से महंगी हुई सब्जियां

राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में बारिश के कारण घर का बजट और बिगड़ गया है। बारिश के चलते सब्जियों के दाम में तेजी आई है। दिल्ली-एनसीआर में टमाटर और हरी सब्जियों की कीमत आसमान पर पहुंच गई है।

टमाटर की कीमत 15 रुपये से बढ़कर 50 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। वहीं शिमला मिर्च 80 किलो तक बिक रही है। बैंगन का भाव 80 रुपये प्रति किलो और भिंडी भी 80 रुपये किलो तक पहुंच गई है। हालांकि अलग-अलग मार्केट के अनुसार सब्जियों की कीमत अलग-अलग हो सकती है।

फसल को पहुंचा नुकसान

सब्जी विक्रेताओं के मुताबिक बारिश के कारण सब्जियों की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। इससे सब्जियों के प्रोडक्शन में काफी कमी आई है। यही कारण है सब्जियों की बाजार में आवक काफी कम है और इनके दाम में तेजी आ रही है।

उपभोक्ताओं को रिफंडः ई-कॉमर्स कंपनियों और खुदरा विक्रेताओं ने लौटाए 7.14 करोड़ रुपये

नईदिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ताओं को राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) की मदद से पिछले दो महीनों में ई-कॉमर्स कंपनियों और अन्य खुदरा विक्रेताओं से 7.14 करोड़ का रिफंड मिला है। इस हेल्पलाइन के जरिये रिफंड दावों से जुड़ी 15,426 उपभोक्ता शिकायतों का समाधान किया गया। उपभोक्ताओं की शिकायतें 30 क्षेत्रों से संबंधित थीं।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने शुक्रवार को बताया, कुल 15,426 शिकायतों में से सबसे ज्यादा 8,919 ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ आईं।इनका निपटान किया गया। रिफंड में भी यह क्षेत्र सबसे आगे रहा और उपभोक्ताओं को 3.69 करोड़ रुपये का रिफंड दिलाया गया।विभाग ने कहा, 25 अप्रैल से 30 जून के बीच उपभोक्ताओं को कुल 7.14 करोड़ रुपये का रिफंड दिलाना हेल्पलाइन की प्रतिबद्धता, जवाबदेही और बेहतर कार्यप्रणाली को दर्शाती है।

17 भाषाओं में दर्ज करा सकते हैं शिकायत- उपभोक्ता इस हेल्पलाइन पर एक टोल-फ्री नंबर 1915 के जरिये 17 भाषाओं में अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।

पीयूष गोयल बोले- 153 देश भारत से खिलौना आयात कर रहे, सरकार क्षेत्र के लिए एक और योजना लाने की तैयारी में

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का खिलौना उद्योग, जो पहले दूसरे देशों से आयात पर निर्भर था, अब घरेलू स्तर पर विनिर्माण कर रहा है और 153 देशों को निर्यात कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज दिल्ली में 16वें टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2025 को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह बदलाव लगातार नीतिगत समर्थन, गुणवत्ता मानकों के प्रवर्तन और स्थानीय विनिर्माण समूहों को मजबूत करने से संभव हुआ है।

मंत्री गोयल ने बताया कि गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) से भारत में अच्छी गुणवत्ता वाले खिलौने बनने लगे हैं और हमारे खिलौने अब अंतरराष्ट्रीय स्तर के बनते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की 1.4 बिलियन की आबादी एक बड़ा कैप्टिव मार्केट प्रदान करती है, जो विनिर्माण को बढ़ाने के लिए एक स्वाभाविक लाभ प्रदान करती है। इस पैमाने के साथ, उद्योग लागत दक्षता प्राप्त कर सकता है और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बन सकता है। उन्होंने कहा कि बड़ा घरेलू बाजार न केवल विस्तार का समर्थन करता है, बल्कि इसके लिए आधार का काम भी करता है।

पीयूष गोयल ने कहा कि अगर भारतीय कंपनियां

अच्छी ब्रांडिंग, आकर्षक पैकेजिंग और मजबूत डिजाइन पर ध्यान दें, तो भारतीय खिलौने विदेशों में और ज्यादा पसंद किए जाएंगे।

खिलौना उद्योग की तरक्की देश के विकास की मिसाल- गोयल ने बताया कि खिलौना उद्योग की यह तरक्की देश के विकास की एक मिसाल है। उन्होंने याद दिलाया कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने वोकल फॉर लोकल अभियान शुरू किया था, तो कुछ लोगों को शक था कि भारतीय चीजें विदेशी सामान का मुकाबला नहीं कर पाएंगी। लेकिन आज आत्मनिर्भर भारत के सपने के साथ, देश में बने खिलौनों को ज्यादा पसंद किया जा रहा है।

94 करोड़ लोगों को मिल रहा सामाजिक सुरक्षा योजना लाभ, अंत्योदय-समावेशी विकास नीति से सशक्त हो रहा देश

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में बीते एक दशक में जो बदलाव आया है उसे अब लगातार अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिल रही है। बीते दिनों अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा जारी किए गए आंकड़े इस बदलाव की पुष्टि करते हैं। 2015 में जहां भारत की महज 19 फीसदी जनसंख्या को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में माना जाता था, वहीं 2025 तक यह आंकड़ा बढ़कर 64.3 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। यानी, 94 करोड़ भारतीय अब कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा योजना से लाभान्वित हो रहे हैं।

यह न केवल भारत के लिए बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी एकउल्लेखनीय उपलब्धि है। भारत में सामाजिक सुरक्षा का विस्तार सिर्फ संख्या की वृद्धि नहीं है बल्कि नीतियों के दृष्टिकोण में एक गहरा बदलाव भी

दर्शाता है। पहले जहां यह कल्याण योजनाएं केवल दिखावटी या चुनावी भाषणों तक सीमित थीं वहीं अब उन्हें डेटा आधारित, कानूनी रूप से समर्थित और संस्थागत रूप से प्रमाणित ढांचे में समाहित किया गया है। इस बदलाव से गांव-गरीब का भी 'सिस्टम' के प्रति भरोसा जाग रहा है।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की संकल्पना पर आधारित योजनाओं से बीते 10 वर्षों में यह स्पष्ट हुआ है कि कल्याण सिर्फ अब सरकारी जुमला नहीं है बल्कि शासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। सरकार की सबसे बड़ी सफलता यह रही है कि उसने कल्याणकारी योजनाओं को 'डिजिटल ट्रांसफर आधारित न्याय' में बदला। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से 44 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजे गए।

वृतिलाइफ स्किनकेयर की नई शुरुआत, स्मृति मंधाना और मणिका बत्रा बनीं ब्रांड एंबेसडर

मुंबई, एजेंसी। हर्बालाइफ इंडिया, एक प्रमुख हेल्थ और वेलनेस कंपनी, ने भारत की दो जानी-मानी खेल हस्तियों - भारतीय क्रिकेटरस्मृति मंधानाऔर टेबल टेनिस खिलाड़ीमणिका बत्राके साथ अपनी साझेदारी का विस्तार किया है। अब ये दोनों खिलाड़ी कंपनी कीवृतिलाइफ आयुर्वेदिक स्किनकेयर रेंजकी ब्रांड एंबेसडर होंगी। यह साझेदारी स्किनकेयर के क्लिनिकली टेस्टेड रूटीन के ज़रिए वेलनेस को बढ़ावा देने की दिशा में एक मजबूत कदम है और हर्बालाइफ की अंदरूनी और बाहरी तौर पर संपूर्ण सेहत को लेकर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

स्मृति मंधाना और मणिका बत्रा, दोनों ही प्रोफेशनल एथलीट हैं, जो रोज़ाना शारीरिक और पर्यावरणीय तनाव का सामना करती हैं। ऐसे में वे ऐसी स्किनकेयर की ज़रूरत को समझती हैं, जो उनकी एक्टिव लाइफस्टाइल

के साथ मेल खाए और गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न करे। यह साझेदारी आयुर्वेद की परंपरा को आधुनिक विज्ञान से जोड़ती है और हर व्यक्ति को अपनी त्वचा को लेकर आत्मविश्वास देने का लक्ष्य रखती है।

अजय खन्ना, मैनेजिंग डायरेक्टर, हर्बालाइफ इंडिया ने कहा, वृतिलाइफहमारे आयुर्वेद पर आधारित और विज्ञान द्वारा समर्थित न्यूट्रिशन व स्किनकेयर के प्रति समर्पण का प्रतीक है। हम इस रेंज का दायरा लगातार बढ़ा रहे हैं और हमें खुशी है कि स्मृति मंधाना और मणिका बत्रा - जो पहले से ही हर्बालाइफ की ब्रांड एंबेसडर हैं - अब वृतिलाइफ स्किनकेयर के ज़रिए भी हमारे इस सफर का हिस्सा बन रही हैं। वे संतुलन, मजबूती और सच्चाई के प्रतीक हैं - जो वृतिलाइफ की मूल भावना से मेल खाता है। हमें भरोसा है कि इनकी प्रेरणादायक कहानियां और सोच ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को स्किनकेयर को वेलनेस के अहम हिस्से के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करेंगी।

एसएसआई मंत्रा एम 'मेड इन इंडिया' सर्जिकल रोबोट यात्रा ने शुरू किया अपना भारत दौरा

गुरूग्राम, एजेंसी। भारत के पहले और एकमात्र स्वदेश में विकसित सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम एसएसआई मंत्रा के निर्माता एसएस इनोवेशन्स ने आज गुरूग्राम स्थित अपने मुख्यालय से एसएसआई मंत्रा एम 'मेड इन इंडिया' सर्जिकल रोबोट यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रोडशो का उद्घाटन हरियाणा सरकार में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नारबीर सिंह ने किया। एसएसआई मंत्रा एम सर्जिकल रोबोट यात्रा के साथ भारत ने हेल्थकेयर में एक बदलावकारी यात्रा की शुरूआत की है, जिसके तहत पहली मोबाइल रोबोटिक सर्जरी ट्रेनिंग एवं डेमोन्स्ट्रेशन युनिट का अनावरण भी किया गया। यह आधुनिक 'टेलीसर्जरी-ऑन-व्हील्स' पहल आधुनिक सर्जिकल टेक्नोलॉजी एवं कौशल निर्माण के अवसरों को सीधे देश के अस्पतालों और हेल्थकेयर पेशेवरों तक लेकर आई है। स्वदेश में विकसित यह युनिट रियल-टाईम कोलाबोरेशन को सक्षम बनाती है तथा एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के आधुनिक फीचर्स एवं क्षमताओं का प्रदर्शन करती है। लाईव सिमुलेशन्स, इंटरैक्टिव ट्रेनिंग मोड्यूल्स एवं गाइडेड डेमो के ज़रिए यह सर्जन, मेडिकल के छात्रों एवं हेल्थकेयर पेशेवरों को प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करती है। यह पहल भारत में रोबोटिक सर्जरी के बारे में जागरुकता और स्वीकार्यता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम है- खासतौर पर आधुनिक सर्जिकल टेक्नोलॉजी को टियर 2 एवं टियर 3 शहरों में अधिक सुलभ बनाएगा।

विनीत छतरी और दिव्यज्योति पटनायक चुने गए माइक्रो फाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

गुड़गांव, एजेंसी। एनबीएफसी-एमएफआई, बैंक, एसएफबी और एनबीएफसी जैसी विनियमित संस्थाओं के लिए अग्रणी उद्योग संघ और आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन (एसआरओ), माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क (एमएफआईएन) ने 4 जुलाई 2025 को गुड़गांव में आयोजित अपनी 16वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में एमएफआईएन के निदेशक मंडल के अध्यक्ष के रूप में श्री विनीत छतरी और उपाध्यक्ष के रूप में श्री दिव्यज्योति पटनायक की नियुक्ति की घोषणा की।

नए अध्यक्ष श्री विनीत छतरी फिलहाल स्वतंत्र माइक्रोफिन प्राइवेट लिमिटेड में प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं, जबकि श्री दिव्यज्योति पटनायक अन्नपूर्णा माइक्रोफाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक हैं। एमएफआईएन बोर्ड और सदस्यों ने एमएफआईएन गवर्निंग बोर्ड में तीन नए सदस्यों का स्वागत किया, जिनमें श्री भास्कर बाबू रामचंद्रन, प्रबंध निदेशक और

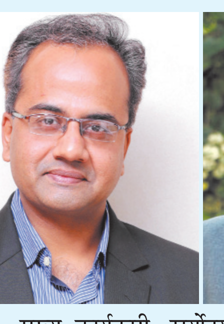

मुख्य कार्यकारी, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, श्री कृष्णदास बी नायर, ईवीपी और कारोबारी प्रमुख - माइक्रोफाइनेंस, एक्सिस बैंक लिमिटेड और श्री ज्ञान मोहन, निदेशक और मुख्य कार्यकारी, आदि चित्रगुप्त फाइनेंस लिमिटेड शामिल हैं और ये छोटे एनबीएफसी-एमएफआई प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुए। निदेशक मंडल ने दो नए स्वतंत्र निदेशकों - सुश्री वीणा मनकर, संस्थापक और निदेशक, स्वाधार फिनएक्सेस और श्री सौरभ सिन्हा, पूर्व कार्यकारी निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का भी स्वागत किया।

एमएफआईएन ने निदेशक मंडल के निवर्तमान सदस्यों - श्री अभिषेक कुमार, सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक, सिंधुजा माइक्रोक्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड; श्री अंकुश गोलेछा, निदेशक, अविरल फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड; और श्री जॉर्ज के. जॉन, कार्यकारी निदेशक, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के प्रति उनकी सेवा और बहुमूल्य योगदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष, श्री विनीत छतरी ने कहा, माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र के लिए ऐसे निर्णायक क्षण में यह भूमिका निभाना सम्मान की बात है। उद्योग ने लगातार उद्देश्य तथा प्रभाव का प्रदर्शन किया है और समय के साथ इसमें मज़बूती आती जा रही है। हम सहायक विनियमन, अनुकूल व्यापक आर्थिक माहौल और निरंतर सरकारी समर्थन के मद्देनज़र वित्तीय समावेश बढ़ाने के लिहाज़ से अच्छी स्थिति में हैं।

गुरु पूर्णिमा पर 'लाफ्टर शेफ्स' को आशीर्वाद देने एकत्र हुए देशभर के प्रतिष्ठित पंडित

मुंबई, एजेंसी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कलर्स के शो लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट के सेट पर एक अनोखा और भावुक क्षण देखने को मिला, जब देशभर के नौ प्रतिष्ठित पंडितों ने अपनी उपस्थिति और आशीर्वाद से शो को विशेष बना दिया। गुरुजनों को समर्पित शो ने अपने मूल भाव–हंसी, हलचल और सांस्कृतिक श्रद्धा–का खूबसूरती से संगम किया और भारतीय टेलीविजन पर एक यादगार पल रच दिया। एपिसोड की विशेष झलक ब्राह्मण भोज रही – एक पारंपरिक भोज, जिसे सेलिब्रिटी शेफ्स ने पूरे प्रेम और श्रद्धा के साथ पंडितों को परोसा। यह केवल एक भोज नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक कृतज्ञता का प्रतीक था। इस खास मौके पर भारतीय संस्कृति की जीवंत झलक देखने को मिली, जहां परंपरा और हास्य एक साथ चलते हैं। पंडितों ने न केवल शो को आशीर्वाद दिया, बल्कि शेफ्स के साथ हंसी-मजाक, आत्मीयता और व्यंग्य में भी भागीदारी की। यह एपिसोड इस बात की याद दिलाता है कि चाहे बात किचन की हो या पंचलाइन की – भारत अपनी आध्यात्मिक जड़ों से कभी नहीं भटकता। हर पंडित अपने साथ केवल आशीर्वाद ही नहीं, बल्कि अपने-अपने क्षेत्र की आध्यात्मिक गहराई और ज्ञान लेकर आए थे। काशी के पावन घाटों से पंडित वेंकटेश मिश्रा और काशी विश्वनाथ मंदिर की पारंपरिक गरिमा के संरक्षक पंडित कृष्ण आचार्य पधारे।

एचएंडएच एल्युमीनियम प्राइवेट लिमिटेड ने गुजरात के राजकोट में भारत के सबसे बडे सोलर पैनल फ्रेम प्लांट का उद्घाटन किया

भारत सरकार के माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल ने 4 जुलाई, 2025 को प्लांट का उद्घाटन किया

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात स्थित एचएंडएच एल्युमीनियम प्राइवेट लिमिटेड ने राजकोट में भारत का सबसे बडा और सबसे उन्नत एल्युमीनियम सोलर फ्रेम मैन्युफेक्चरिंग प्लांट शुरू किया है। राजकोट के चिभडा गांव में 24,000 मेट्रिक टन (एमटी) प्रति वर्ष क्षमता वाला यह प्लांट भारत में 6 गीगावाट तक के सौर संयंत्रों को सपोर्ट कर सकता है। इस प्लांट का उद्घाटन 4 जुलाई, 2025 को भारत सरकार के माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल द्वारा वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, एचएंडएच एल्युमीनियम की लीडरशिप टीम और सभी आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया।

कंपनी ने 28,000 वर्ग मीटर के अत्याधुनिक और सोलर पैनल एल्युमीनियम फ्रेम के लिए आधुनिक और सबसे उन्नत प्लांट में लगभग रु. 150 करोड का निवेश किया है। प्लांट में ट्रायल प्रॉडक्शन जून 2025 के महीने में शुरू हो गया था और एक महीने के भीतर वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। पूरी क्षमता पर प्लांट प्रति वर्ष रु. 700-750 करोड की बिक्री दर्ज करने में सक्षम होगा। यह प्लांट 300 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 45 रन की बढ़त

वेस्टइंडीज पहली पारी में 253 रन पर ऑल आउट ; लायन ने 3 विकेट लिए

ग्रेनेडा (एजेंसी)। वेस्टइंडीज की टीम ग्रेनेडा में दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 253 रन पर

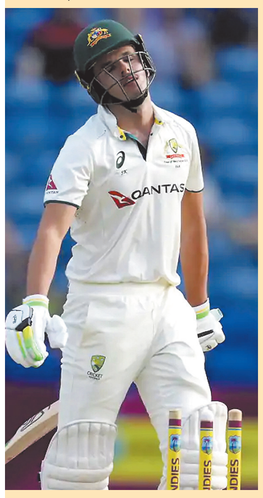

ऑलआउट हो गई। नाथन लायन ने 3 विकेट लिए। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक कैरेबियाई टीम ऑस्ट्रेलिया से 45 रन पीछे हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 2 विकेट खोकर 12 रन बना लिए हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 286 रन बनाए थे।

सैम कोंस्टास बिना रन बनाए लौटे – सैम कोंस्टास दूसरी पारी में शून्य पर आउट हो गए। उन्हें जेडन सील्स ने बोल्ड किया, जबकि उस्मान ख्वाजा दो रन पर आउट हुए। उन्हें सील्स ने ख्क्ष्ठ किया। दिन का खेल खत्म होने तक कैमरून ग्रीन 6 रन और नाइटवाचमैन नाथन लायन 2 रन बनाकर खेल रहे थे।

मैदान पर अचानक आ गया कुत्ता, पैट कमिंस ने किया उसे बाहर – वेस्टइंडीज टीम की बल्लेबाजी के दौरान 32.2 ओवर में ग्राउंड में अचानक एक कुत्ता आ गया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने उसे ब्राउंड्री लाइन के बाहर किया। इस दौरान थोड़ी देर के लिए खेल को रोकना भी पड़ा।

वेस्टइंडीज की ओर से ब्रैंडन किंग रहे टॉप स्कोरर – वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसका पहला विकेट 7 रन पर ही गिर गया। वहीं जॉन कैम्पबेल और केसी कर्टी के बीच दूसरे विकेट के लिए 33 गेंदों पर 39 रन की साझेदारी हुई। उसके बाद रोस्टन चेज और ब्रैंडन किंग ने चौथे विकेट के लिए 80 गेंदों पर 47 रन जोड़े। इसके बाद शाई होप और ब्रैंडन किंग के बीच पांचवें विकेट के लिए 96 गेंदों पर 58 रन की साझेदारी हुई। सातवें विकेट के लिए अल्जारी जोसेफ और समर जोसेफ ने 69 गेंदों पर वेस्टइंडीज के लिए 51 रन जोड़े। ब्रैंडन किंग वेस्टइंडीज के टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 108 गेंदों का सामना कर 75 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन लायन ने 3 विकेट लिए – ऑस्ट्रेलिया की ओर से पहली पारी में नाथन लायन ने 3 विकेट लिए। जोश हेजलवुड ने 16 ओवर में 46 रन देकर 2 विकेट और पैट कमिंस ने 14 ओवर में 43 रन देकर 2 विकेट लिए।

148 सालों में सबसे खराब गेंदबाज!

प्रसिद्ध कृष्णा ने भारत बनाम इंग्लैंड मैच में बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

बर्मिंघम (एजेंसी)। प्रसिद्ध कृष्णा के इंग्लैंड के खिलाफ काफी उम्मीदे थें। लेकिन वह मौजूदा टेस्ट सीरीज में इन उम्मीदों पर खर नहीं उतर रहे हैं। एजबेस्टन टेस्ट की पहली पारी में अपने खराब प्रदर्शन के साथ प्रसिद्ध के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड जुड़ गया है। वह टेस्ट क्रिकेट के 148 वर्ष के

इतिहास में सबसे खराब इकॉनमी रेट वाले गेंदबाज बन गए हैं।

वर्तमान में टेस्ट में प्रसिद्ध का इकॉनमी रेट 5.26 है, जो लगातार लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करने और विरोधियों को मुफ्त में मौका देने में उनकी अक्षमता को दर्शाता है। सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार प्रसिद्ध के नाम अब टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे खराब इकॉनमी रेट (न्यूनतम 500 गेंद) का रिकॉर्ड है। प्रसिद्ध ने अपने टेस्ट करियर में प्रति ओवर पांच से ज़्यादा रन दिए हैं।

वहीं इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट की बात करें तो उन्होंने 12 ओवर में 71 रन लुटाए हैं और एक भी विकेट नहीं ले पाए हैं। इस दौरान उन्होंने केवल एक ओवर ही खाली फेंका। ऐसे में इस मैच में ही उनका इकोनॉमी रेट 5.90 हो गया है। इससे पहले बांग्लादेश के शहादत हुसैन के नाम यह रिकॉर्ड था, जिन्होंने 38 मैचों में 4.16 की इकॉनमी रेट से 3,731 रन दिए थे। हुसैन ने 2005 से 2015 के बीच बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया था।

नीरज चोपड़ा क्लासिक इवेंट शुरु

मैं इस आयोजन को लेकर बेहद खुश हूं: चोपड़ा

बेंगलूर (एजेंसी)। ओलिंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के नीरज चोपड़ा क्लासिक इवेंट की शुरुआत हो गई है। यह भारत में होने वाला पहला वर्ल्ड एथलेटिक्स टॉप लेवल इवेंट होगा। इसे नीरज चोपड़ा होस्ट कर रहे हैं। बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में शाम 7 बजे से मुकाबला शुरू हुआ। मीडिया से बात करते हुए नीरज ने कहा, मेडल्स अलग बात हैं, लेकिन मैंने भारत को ऐसा कुछ दिया है जो कभी नहीं हुआ था। मैं इस आयोजन को लेकर बेहद खुश हूं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि युवा भारतीय जेवलिन थ्रोअर को वर्ल्ड क्लास एथलीट्स के साथ खेलने का मौका मिलेगा।

क्या है नीरज चोपड़ा क्लासिक – नीरज चोपड़ा क्लासिक एक दिवसीय कॉन्टिनेंटल टूर मीटिंग है, जिसे वर्ल्ड एथलेटिक्स से गोल्ड स्टेटस मिला है। यह भारत में आयोजित होने वाली पहली ट्रैक एंड फील्ड मीटिंग है। दुनिया भर में वर्ल्ड और कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप और डायमंड लीग मीटिंग्स के अलावा, कॉन्टिनेंटल टूर इवेंट्स की एक सीरीज होती है, जिन्हें कई श्रेणियों जैसे॰ (गोल्ड), क्र (सिल्वर), ष्ट (ब्रॉन्ज) और चैलेंजर इवेंट्स में बांटा गया है। गोल्ड स्टेटस के साथ, नीरज

भारत में पहली बार होगा वर्ल्ड लेवल एथलेटिक्स इवेंट

चोपड़ा क्लासिक डायमंड लीग के बाद सबसे बड़ा इवेंट माना जा रहा है। हाल ही में चेक गणराज्य में ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक, जहां नीरज ने जीत दर्ज की थी। वह एक गोल्ड-रेटेड वर्ल्ड एथलेटिक्स इवेंट है जो 1961 से चला आ रहा है। ऐसे ही टूर्नामेंट की तर्ज पर नीरज चोपड़ा क्लासिक की शुरुआत हो रही है। इस इवेंट में भाग लेने वाले एथलीट्स को सितंबर में टोक्यो में होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने में मदद करने के लिए पॉइंट्स मिलेंगे।

कैसे शुरू हुआ नीरज क्लासिक –नीरज चोपड़ा ने ओलिंपिक जीतने के बाद से ही चाहा था कि भारत में भी वर्ल्ड क्लास का एथलेटिक्स इवेंट हो। इस सपने को (जिंदल साउथ वेस्ट) स्पोर्ट्स और कई स्पॉन्सर्स के साथ मिलकर पूरा किया गया है। नीरज न सिर्फ इसमें हिस्सा ले रहे हैं। बल्कि आयोजन, प्रचार, खिलाड़ियों के बुलावे से लेकर मैदान की तैयारी तक हर स्तर पर उन्होंने खुद को शामिल किया।

यह उतरेंगे मैदान में –12 टॉप इंटरनेशनल और भारतीय जैवलिन थ्रोअर इस मुकाबले में हिस्सा ले रहे हैं। 2016 के ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता थॉमस रोहलर और रियो के सिल्वर मेडलिस्ट जूलियस येगो भी इस इवेंट में भाग लेंगे। स्न के कर्टिस थॉम्पसन, जिनका सीजन का बेस्ट 87.76 मीटर है, भी एक्शन में होंगे। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स इस महीने की शुरुआत में चोट के कारण मीट से बाहर हो गए थे। भारतीय जेवलिन थ्रोअर की अगली पीढ़ी भी एक्शन में होगी। 25 साल से कम उम्र के 4 प्लेयर्स को बड़ा मंच मिलेगा। सचिन यादव, जिन्हें जेवलिन में अगली बड़ी चीज माना जाता है। उनका पर्सनल बेस्ट 85.16 है। 22 वर्षीय यशवीर सिंह, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पांचवां स्थान हासिल किया था। वो भी एक्शन में होंगे।

दूसरे टेस्ट में भारत ने की दमदार वापसी

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत ने बर्मिंघम टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 317 रन की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 3 विकेट खोकर 152 रन बना लिए हैं। कप्तान शुभमन गिल और पंत मोर्चा संभाले हुए थे। करुण नायर 26 और यशस्वी जायसवाल 28 रन बनाकर आउट हुए। ब्रायडन कार्स और जोश टंग को एक-एक विकेट मिला। एजबेस्टन स्टेडियम में शनिवार को मैच का चौथा दिन था और पहले सेशन का खेल जारी था। टीम इंडिया ने सुबह 64/1 के स्कोर से खेलना शुरू किया। तीसरे दिन इंग्लैंड पहली पारी में 407 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को पहली पारी में 180 रन की बढ़त मिली। जैमी स्मिथ ने 184 और हैरी ब्रूक ने 158 रन बनाए। मोहम्मद सिराज ने 6 और आकाशदीप ने 4 विकेट लिए। भारत ने पहली पारी में कप्तान शुभमन गिल (269 रन) के दोहरे शतक के सहारे 587 रन बनाए।

तीसरे दिन बने यह रिकॉर्ड्स...

बेन स्टोक्स का पहला गोल्डन डक – इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स पहली ही गेंद पर कॉट बिहाइंड हो गए। उन्हें मोहम्मद सिराज ने बाउंसर फेंक कर विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। 113 टेस्ट के करियर में स्टोक्स 16वीं बार जीरो पर आउट हुए, लेकिन पहली बार ही किसी बॉलर ने उन्हें पहली गेंद पर पवेलियन भेजा।टेस्ट क्रिकेट में बगैर गोल्डन डक के सबसे ज्यादा पारियां खेलने का रिकॉर्ड भारत के राहुल द्रविड़ के नाम है। जो 286 पारियों बाद गोल्डन डक हुए थे।

जैमी स्मिथ ने 80 बॉल पर शतक लगाया – इंग्लैंड के विकेटकीपर बैटर जैमी स्मिथ ने महज 80 गेंद पर शतक लगा दिया। यह इंग्लैंड से चौथा सबसे तेज टेस्ट शतक रहा। फास्टेस्ट सेंचुरी का रिकॉर्ड गिल्बर्ट जेसप के नाम है, जिन्होंने 1902 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 76 गेंद पर सेंचुरी लगा दी थी।

ब्रूक ने सबसे तेज 2500 रन बनाए – इंग्लैंड से हैरी ब्रूक ने भी शतक लगाया, उन्होंने 158 रन की पारी खेली।

भारत के खिलाफ छठे विकेट के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप – जैमी स्मिथ और हैरी ब्रूक ने छठे विकेट के लिए 303 रन की पार्टनरशिप की।यह इंग्लैंड से भारत के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। इंग्लैंड से भारत के खिलाफ छठे विकेट के लिए यह सबसे बड़ी पार्टनरशिप रही। ब्रूक–स्मिथ ने जॉनी बेयरस्टो और क्रिस वोक्स का रिकॉर्ड तोड़ा।दोनों ने 2018 में लॉर्ड्स स्टेडियम में 189 रन जोड़े थे।

11 साल बाद भारत के खिलाफ 300+ रन की पार्टनरशिप – भारत के खिलाफ टेस्ट में 11 साल बाद किसी भी विकेट के लिए 300 से ज्यादा रन की पार्टनरशिप हुई।2014 में आखिरी बार न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैक्कलम और बीजे वाटलिंग ने छठे विकेट के लिए ही 352 रन जोड़े थे।भारत के खिलाफ टेस्ट में 12वीं बार 300 से ज्यादा रन की पार्टनरशिप हुई।

प्लेइंग-11

इंग्लैंड- बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

विंबलडन- आंद्रे रूबलेव राउंड ऑफ 16 में पहुंचे

फिट्ज ने भी थर्ड राउंड का मैच जीता; विमेंस सिंगल्स में मैडिसन कीस बाहर

पेरिस (एजेंसी)। विंबलडन के थर्ड राउंड में आंद्रे रूबलेव ने राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। उन्होंने एड्रियन मन्नारिनो को सीधे सेट में हराकर अगले राउंड में पहुंचे। वहीं विमेंस सिंगल्स छठी सीड मैडिसन कीस को उन्हें जर्मनी की सिगमंड ने हराकर बाहर कर दिया।

मेंस सिंगल्स में फिट्ज जीते – रूबलेव ने फ्रांस के एड्रियन मन्नारिनो को 7-5, 6-2, 6-3 के अंतर से हराया। मेंस सिंगल्स में रूबलेव के अलावा अमेरिका के टेलर फिट्ज, इंग्लैंड के कैमरन नोरी, ऑस्ट्रेलिया के लुसियानो डारडेरी, पोलैंड के कामिल माचजैक और चीली के निकोलस जेरी को भी जीत मिली। सभी ने राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। यह मुकाबले रविवार से खेले जाएंगे।

मेंस डबल्स में जीती टॉप सीड जोड़ी –मेंस डबल्स में नंबर-1 सीड मार्सेलो अरेवालो और मैट पैविक की जोड़ी ने अगले राउंड में जगह बना ली। दोनों ने स्पेन के जौम मुनार और पेड्रो मार्टिनेज की जोड़ी को हराया। दूसरी सीड हेनरी पैटन और हैरी हेलोवारा की जोड़ी ने भी अगले राउंड में जगह बना ली।

विमेंस सिंगल्स में मैडिसन कीस बाहर – विमेंस सिंगल्स में अमेरिका से छठी सीड मैडिसन कीस को उलटफेर का शिकार होना पड़ा।

एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप

भारत की पुंगनी तारा ने जीता रजत पदक

अस्ताना (कजाकिस्तान) (एजेंसी)। भारत की पुंगनी तारा ने शुक्रवार को 2025 एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप

2025 के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए 44 किलोग्राम भार वर्ग (युवा बालिका) में रजत पदक जीता।

पुंगनी ने कुल 141 किलोग्राम वजन उठाया। उनके व्यक्तिगत भारोत्तोलनों में 60 किलोग्राम स्नैच, 81 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क शामिल थे, जिससे उनका उठाया कुल वजन 141 किलोग्राम हो गया। इस प्रदर्शन के साथ, फुंगनी ने क्लीन एंड जर्क में स्वर्ण पदक और कुल भारोत्तोलन में रजत पदक हासिल किया।

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव ने पुंगनी को बधाई दी। उन्होंने कहा, 'मैं इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए पुंगनी तारा को हार्दिक बधाई देता हूं और सभी कोचों और सहयोगी स्टाफ को उनके अथक प्रयासों के लिए बधाई देता हूं। यह परिणाम हमारे एथलीटों के समर्पण और हमारी कोचिंग टीम की कड़ी मेहनत का प्रमाण है, खासकर सीमित तैयारी के समय को देखते हुए। इस सफलता से चैंपियनशिप में भारतीय दल के लिए एक प्रेरक शुरुआत हो।

बिहार देश का पहला राज्य बनेगा, जो महिला खिलाड़ियों के लिए बनाएगा हेल्थ एंड वेलनेस पॉलिसी

पटना(एजेंसी)। पाटलिपुत्र खेल परिसर में आज बिहार सरकार द्वारा महिला खिलाडियों के विकास के लिए बिहार महिला एथलीट स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति-2025 के ड्राफ़्ट पर देशभर से आए विशेषज्ञों द्वारा परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस तरह की नीति बनाने वाला बिहार देश का पहला राज्य होगा।

राज्य में महिला खिलाडियों की निरंतर बढ़ती भागीदारी और बेहतर प्रदर्शन द्वारा मेडल जीतने की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण और सरकार द्वारा महिला खिलाड़ियों के लिए विशेष रूप से स्वास्थ्य और कल्याण नीति बनाने की आवश्यकता महसूस हुई।

बिहार महिला एथलीट स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति-2025 के ड्राफ़्ट पर हुई आज की परिचर्चा में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण, निदेशक रविंद्र नाथ चौधरी पूर्व निदेशक संजय कुमार सिन्हा, उप निदेशक हिमांशु सिंह की उपस्थिति में खेल और विभिन्न क्षेत्रों की महिला विशेषज्ञों और खिलाडियों में प्रमुख रूप से बिहार पुलिस

अकादमी की निदेशिका आर मल्हार विज़्जी,ऑलंपियन तैराक माना पटेल ,आईआईएम बोधगया की निदेशिका डॉ.विनीता एस सहाय,प्रसिद्ध महिला उद्यमी और आईटी विशेषज्ञ ब्रांड रेडियेटर की प्रबंध निदेशक हिमानी मिश्रा,दानी स्पोर्ट्स फाउंडेशन के निदेशक और टॉप्स के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी कमोडोर राजेश राजगोपालन, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.ऋतुराज ,राजगीर स्पोर्ट्स अकादमी के मुख्य सलाहकार ऑलंपियन गविन फरेरा,सिंपली स्पोर्ट्स फाउंडेशन की अदिति मुतालकर, खेल मनोवैज्ञानिक डॉ.प्रिया ,आईपीआरडी की कम्युनिकेशन एक्सपर्ट नूपुर झा, लीड स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट मिहिरा, एनआईएस पटियाला की खेल विज्ञान विशेषज्ञ डॉ.जाह्नवी दांडे,सहित 30 से ज्यादा विशेषज्ञों ने अपनी राय रखी।

खेल के क्षेत्र में बिहार के निरंतर आगे बढ़ने के पीछे खिलाडियों की मेहनत के साथ साथ राज्य में खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास की सरकार की प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण योगदान है।

विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने जाग्रेब सुपरयूनाइटेड रैपिड चेस खिताब जीता

अमेरिकी प्लेयर वेस्ली सो को 36 चालों में मात दी, 18 में से 14 पॉइंट हासिल किए

जाग्रेब (एजेंसी)। क्रोएशिया के जाग्रेब में चल रहे सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भारतीय शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश ने रैपिड खिताब जीत लिया है।

यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर 2025 का हिस्सा है और गुकेश ने रैपिड फॉर्मेट में 18 में से 14 पॉइंट अर्जित करके खिताब अपने नाम किया।

गुकेश ने आखिरी राउंड में अमेरिकी खिलाड़ी वेस्ली सो को 36 चालों में हराकर रैपिड खिताब अपने नाम किया। गुकेश ने टूर्नामेंट में 9 मुकाबलों में से 6 में जीत हासिल की, 2 ड्रॉ रहे और एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा

टूर्नामेंट में पहला मुकाबला हार गए थे गुकेश – गुकेश को टूर्नामेंट के पहले ही मुकाबले में पोलैंड के जान-क्रिस्टॉफ डूडा ने 59 चालों में मात दी थी। इसके बाद गुकेश ने वापसी की। उन्होंने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और भारत के प्रगनानंद को हराया।

गुकेश ने टूर्नामेंट के चौथे राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और पांचवें राउंड में अमेरिका के फेबियानो कारुआना को हराया था।

छठे राउंड में गुकेश का मुकाबला नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से हुआ, जिसमें भारतीय ग्रैंडमास्टर ने जीत हासिल की। गुकेश ने कार्लसन को एक महीने के अंदर दूसरी बार हराया है। गुकेश ने कार्लसन को 2 जून को नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में भी हराया था। ग्रेब सुपरयूनाइटेड टूर्नामेंट में गुकेश

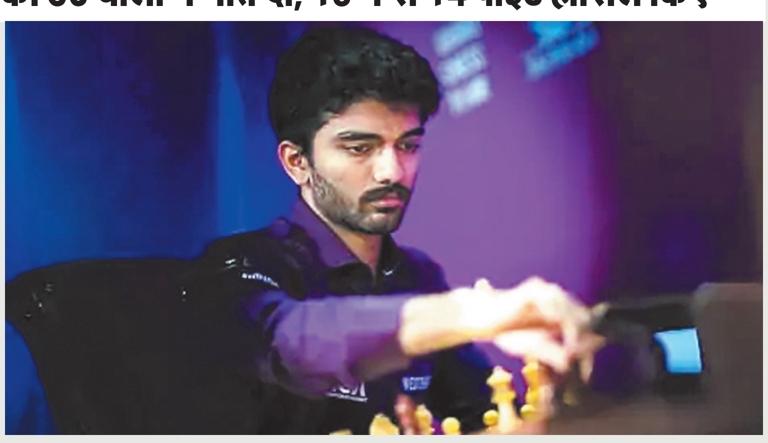

ने वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को हराया।

तीसरे दिन दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे – टूर्नामेंट के तीसरे दिन (4 जुलाई) गुकेश के दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे। उनकी इस दिन की शुरुआत डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ के साथ हुई। उसके बाद क्रोएशिया के इवान शारिक के खिलाफ उन्होंने 87 चालों वाला लंबा मुकाबला खेला। यह मैच भी ड्रॉ रहा।

प्रगनानंद ने सिर्फ एक जीत हासिल की – इस टूर्नामेंट में प्रगनानंद का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उन्होंने 9 मैचों में सिर्फ एक जीत इवान शारिक के खिलाफ दर्ज की। वहीं, 7 मुकाबले ड्रॉ खेले, जबकि एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कुल 9 अंक अर्जित किए। प्रगनानंद बुखारेस्ट फेज में विनर और वारसॉ में तीसरे स्थान पर रह चुके हैं। इससे वह ग्रैंड चेस टूर के ओवरऑल रैंकिंग में अब भी प्रबल दावेदार बने हुए हैं।

कार्लसन और डूडा किस पोजिशन पर रहे – मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट के आखिरी दिन (4 जुलाई) अमेरिकी प्लेयर फैबियानो कारुआना के खिलाफ जीत से शुरुआत की, लेकिन अगले गेम में नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से ड्रॉ खेलकर वह गुकेश को चुनौती नहीं दे पाए। वहीं, डूडा, जिन्होंने पहले राउंड में गुकेश को हराया था, उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया और दूसरे स्थान पर रहे।

अब टूर्नामेंट का ब्लिट्ज फेज खेला जाएगा – इस टूर्नामेंट का ब्लिट्ज चरण शनिवार से शुरू होगा और 6 जुलाई को खत्म होगा। रैपिड और ब्लिट्ज ङ्क दोनों फॉर्मेट से अर्जित अंकों के आधार पर ओवरऑल विनर का फैसला होगा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

भाषा विवाद के बीच महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला, 3 अक्तूबर को मनाएंगे मराठी दिवस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में हिंदी थोपे जाने के आरोपों के बीच चल रहे भाषा विवाद पर नया मोड़ आ गया है। प्राइमरी स्कूलों में हिंदी अनिवार्य करने के फैसले के बाद अब महाराष्ट्र सरकार ने 3 अक्तूबर को शास्त्रीय मराठी भाषा दिवस मनाने का ऐलान किया है। शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए सरकार की तरफ से कहा गया कि 3 से लेकर 9 अक्तूबर तक पूरा सप्ताह शास्त्रीय मराठी भाषा सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार की तरफ से जारी आदेश में इस सप्ताह में होने वाले कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी गई। आदेश के मुताबिक पूरे हफ्ते शास्त्रीय मराठी भाषा सप्ताह मनाने के बाद इसी संबंध में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन समारोहों का उद्देश्य मराठी के बारे में रिसर्च और जन जागरूकता को बढ़ाना और भाषा के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किया जाना शामिल होगा। सरकार ने राज्य के सभी जिला कलेक्टरों को मराठी भाषा जिला समिति के प्रमुख के रूप में नामित किया और इसके साथ ही इस पूरे सप्ताह के दौरान कार्यक्रमों की रूप रेखा बनाने का निर्देश दिया। आदेश में कहा गया है, "शास्त्रीय मराठी भाषा सप्ताह के दौरान शास्त्रीय मराठी भाषा के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशालाएं और शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। शास्त्रीय मराठी ग्रंथों की प्रदर्शनी आयोजित की जानी चाहिए। साथ ही, ताम्रपत्र शिलालेखों/शिलालेखों की प्रदर्शनी आयोजित करके छात्रों और आम जनता को मराठी भाषा की शास्त्रीय साहित्यिक परंपरा से परिचित कराया जाना चाहिए।

कर्नाटक में पांच बाघों की मौत : मंत्री ने दो अधिकारियों को किया निलंबित

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांडरे ने माले महादेश्वर (एमएम) पहाड़ियों में पांच बाघों की अप्राकृतिक मौत के संबंध में लापरवाही और कर्तव्य निर्वहन में चूक के लिए दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मंत्री ने इस मामले में उप वन संरक्षक (डीसीएफ) वाई चक्रपाणि को निलंबित करने की भी सिफारिश की है। एमएम हिल्स के हुग्याम रेंज में 26 जून को एक मादा बाघिन और उसके चार शावक मृत पाए गए थे। खांडरे ने चक्रपाणि के आचरण की विभागीय जांच की भी सिफारिश की। घटना के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। खांडरे का यह निर्णय अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एपीसीसीएफ) कुमार पुष्कर की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय जांच समिति द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक रिपोर्ट की समीक्षा के बाद आया।घटना की जांच के लिए इस समिति का गठन किया गया था। मंत्री ने समिति को 10 जुलाई तक अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। खांडरे के कार्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, बाघों की अप्राकृतिक मौत मामले में अधिकारियों की लापरवाही और कर्तव्यों का पालन ना करने के स्पष्ट सबूत हैं जिनके आधार पर मंत्री ने कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग से डीसीएफ वाई चक्रपाणि के निलंबन की सिफारिश की है। बयान में कहा गया है कि सहायक वन संरक्षक गजानन हेगड़े और संबंधित क्षेत्र के रेंज वन अधिकारी मदेश को निलंबित कर दिया गया है क्योंकि वे गश्ती कर्मचारियों की प्रभावी निगरानी करने में विफल रहे और वन संरक्षण के अपने मौलिक कर्तव्यों का निर्वहन करने में घोर लापरवाही बरती।

तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, पिता-पुत्र की मौत

शामली , एजेंसी। शामली थानाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि वेदखेड़ी मोड़ के निकट यह दुर्घटना हुई और मृतकों की पहचान कौसर (40) व फरमान (छह) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और मामले की जांच की जा रही है। थानाध्यक्ष ने कहा कि ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

आईपीएस अफसरों के साथ फोटो, राजस्थान पुलिस वर्दी में ट्रेनिंग, 2 साल तक फर्जी एसआई बनी रही मोना

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की राजधानी जयपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसमें शास्त्री नगर थाना पुलिस ने एक महिला को फर्जी सब-इंस्पेक्टर (एसआई) बनकर पुलिस महकमे और आम लोगों को दो साल तक गुमराह करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला की पहचान मोना बुगालिया उर्फ मूली देवी (28) के रूप में हुई है, जो नागौर जिले के नीम्बा का बास गांव की रहने वाली है। खास बात यह है कि मोना न केवल खुद को एसआई बताकर राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) में ट्रेनिंग ले रही थी, बल्कि उसने पुलिस की वर्दी पहनकर कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तस्वीरें भी खिंचवा लीं और सोशल मीडिया पर उन्हें पोस्ट कर अपनी फर्जी पहचान को मजबूत किया।

पुलिस के अनुसार, मोना बुगालिया ने वर्ष 2021 में सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा दी थी, लेकिन चयन नहीं हो सका। इसके बावजूद उसने सोशल मीडिया पर खुद को चयनित बताकर फर्जी खबरें फैलाना शुरू कर दिया। इसके बाद वह आरपीए में ट्रेनिंग लेने पहुंच गई। उसने न केवल वर्दी में तस्वीरें खिंचवाईं बल्कि अधिकारियों के बीच उठना-बैठना शुरू कर दिया, जिससे कोई उस पर शक न कर सके।

मोना की असलियत तब सामने आई जब वह एक एसआई के व्हाट्सऐप ग्रुप में शामिल हुई और वहां एक साथी को धमकी दे डाली। पीड़ित ने यह बात उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई। इसके बाद जब पुलिस अकादमी में जांच हुई तो पता चला कि मोना का नाम किसी भी ट्रेनिंग बैच में शामिल नहीं है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वर्ष 2023 में आरपीए की ओर से शास्त्री नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। एफआईआर के बाद पुलिस ने मोना के जयपुर स्थित किराए के मकान पर दबिश दी, जहां से पुलिस की वर्दी, बेल्ट, बैच, और फर्जी आईडी कार्ड जब्त किए गए। लेकिन तब तक मोना फरार हो चुकी थी। वह दो साल तक लगातार पुलिस को चकमा देती रही। इस दौरान उसने अपने रहने का ठिकाना बदल लिया और सीकर में कोचिंग छात्रा बनकर रह रही थी।

शास्त्री नगर थाना एसएचओ महेंद्र यादव ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने सीकर में एक कोचिंग संस्थान के पास से मोना को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के वक्त वह खुद को छात्रा बताने की कोशिश कर रही थी, लेकिन पुलिस पहले ही उसकी पहचान पुख्ता कर चुकी थी।

पुलिस का कहना है कि मोना ने आरपीए में रहते हुए पुलिसिंग के कई गुर सीख लिए थे। वह मुख्य गेट से कभी प्रवेश नहीं करती थी, क्योंकि वहां आईडी जांच होती थी। वह अक्सर अधिकारियों और उनके परिजनों के लिए बने वैकल्पिक गेट से आती-जाती थी, जिससे संदेह न हो।

पुलिस अब इस बात की जांच में जुट गई है कि आखिर मोना आरपीए में कैसे घुसी? क्या किसी अंदरूनी व्यक्ति की मिलीभगत थी या उसने यह सब खुद से ही किया? पुलिस का मानना है कि इतनी बड़ी फर्जीवाड़े की योजना अकेले अंजाम देना मुश्किल है, इसलिए उसके संपर्कों और कॉल डिटेल्स की जांच की जा रही है।

फिलहाल मोना से पूछताछ की जा रही है और जल्द ही उससे जुड़े अन्य लोगों पर भी शिकंजा कसने की तैयारी है। यह मामला न केवल पुलिस महकमे की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि फर्जी पहचान बनाकर लोग कैसे तंत्र को गुमराह कर सकते हैं।

दिल्ली-आगरा हाईवे पर बघौला पुल के पास जाम खत्म करने का नया प्लान तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे पर निर्माणधीन बघौला पुल के पास रोजाना लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए प्रशासन ठोस कदम उठाने जा रहा है। यहां भारी और हल्के वाहनों के लिए अलग-अलग लेन बनाने की तैयारी है, ताकि लोगों को जाम से मुक्ति मिल सके। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने मौका मुआयना करने के बाद यह जानकारी दी।

उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने गुरुवार को एनएच-2 पर बघौला गांव के पास निर्माणाधीन पुल क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि गांव का गंदा पानी सड़क पर न आए, जिससे रास्ता खराब न हो और जाम की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि गड्ढों में भरे पानी के कारण भी परेशानी बढ़ जाती है, ऐसे में नाले की उचित सफाई और पानी रोकने की पुख्ता व्यवस्था जरूरी है। जनस्वास्थ्य, पंचायती राज और पुलिस विभाग आपसी तालमेल के साथ समाधान करें। जनस्वास्थ्य विभाग व पंचायत विभाग को कहा गया कि वे गांव के पानी की निकासी की तुरंत व्यवस्था करें। एनएचएआई के परियोजना निदेशक से सड़क निर्माण की प्रोजेक्ट रिपोर्ट जल्द भेजने और तय समय में काम पूरा करने के निर्देश दिए। बघौला गांव में बनने वाले इस फ्लाईओवर का निर्माण कार्य वर्ष 2023 के जून माह में शुरू हुआ था। उस वक्त इस फ्लाईओवर का कार्य 15 माह में पूरा करना तय हुआ था। लेकिन,निर्माण कार्य के बीच में बघौला गांव के लोगों ने देवली मोड़ पर अंडरपास बनाने की मांग को लेकर फ्लाईओवर के निर्माण का विरोध शुरू कर दिया। इस वजह से इसका निर्माण कार्य ठप हो गया। देवली मोड़ पर अंडरपास के निर्माण की मंजूरी मिलने में देरी के कारण भी इस फ्लाईओवर का निर्माण कार्य तय अवधि में पूरा नहीं हो सका।

गाजियाबाद में 11 से 25 जुलाई तक किन वाहनों पर रोक

गाजियाबाद , एजेंसी। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर 11 जुलाई की रात 10 बजे से ट्रक, बस, कैंटर, ट्रैक्टर आदि भारी वाहन गाजियाबाद में प्रतिबंधित हो जाएंगे। गाजियाबाद कमिश्नरेट पुलिस ने शुक्रवार को डायवर्जन प्लान जारी कर दिया, जो कि 25 जुलाई की रात 8 बजे तक जारी रहेगा।

एडीसीपी ट्रैफिक पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि संपर्क मार्गों से भी भारी वाहन शहर में नहीं आ सकेंगे। गंगनहर पटरी, कांवड़ मार्ग, पाइपलाइन मार्ग, दिल्ली-मेरठ मार्ग और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर भी भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। कांवड़ यात्रा के दौरान डायवर्जन प्लान का कड़ाई से अनुपालन कराने के संबंध में एडीसीपी ट्रैफिक सच्चिदानंद ने शुक्रवार को पुलिस लाइन के परमजीत सभागार में सभी ट्रांसपोर्ट यूनियन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

इसमें एसीपी ट्रैफिक जियाउद्दीन अहमद, सभी यातायात निरीक्षक और ट्रांसपोर्ट यूनियन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। एडीसीपी ने कहा कि जरूरत पड़ने पर डायवर्जन व्यवस्था में कभी भी संशोधन किया जा सकता है। मुख्य कांवड़ मार्ग के साथ-साथ दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे को आकस्मिक मार्ग या रूट के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। साथ ही आवश्यक वस्तुओं को लाने-ले जाने वाले वाहनों को कांवड़ियों की संख्या के हिसाब से सशर्त अनुमति दी जाएगी। दिल्ली की तरफ से आने वाले वाहन तुलसी निकेतन बॉर्डर, सीमापुरी बॉर्डर, आनंद विहार बॉर्डर से शहर में नहीं आ सकेंगे। सभी वाहन चौधरी चरण सिंह मार्ग (सड़क संख्या-96) का प्रयोग कर यूपी गेट (गाजीपुर बॉर्डर) से एनएच-नौ का प्रयोग कर अपने गंतव्यों को जाएंगे। दिल्ली की तरफ से हरिद्वार, अमरोहा मुरादाबाद, लखनऊ आदि स्थानों पर जाने वाले वाहन यूपी गेट (गाजीपुर बॉर्डर) से एनएच-नौ का प्रयोग करते हुए डासना इंटरसेक्शन से इस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से अपने गंतव्य को जाएंगे। बागपत की तरफ से दिल्ली की तरफ जाने वाहन ट्रोनिका सिटी, सोनिया विहार होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे।

हापुड़, बुलंदशहर की तरफ से आने वाले वाहन डासना पुल से सीधे गाजियाबाद शहर में नहीं आ सकेंगे। यह वाहन एनएच-नौ का इस्तेमाल कर करते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे। बुलंदशहर और हापुड़ की तरफ से आने वाले वाहन लालकुआं से गाजियाबाद शहर में नहीं आ सकेंगे। यह वाहन एनएच-नौ का इस्तेमाल कर अपने गंतव्य को जा सकेंगे। दिल्ली, हापुड़, लालकुआं की ओर से आने वाले वाहन आत्माराम स्टील प्लांट तिराहा से शहर की ओर न आकर एनएच-नौ का इस्तेमाल कर अपने गंतव्य को जाएंगे। लोनी बॉर्डर से लोनी कस्बे की तरफ भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। संतोष मेडिकल कट से मेरठ तिराहा की ओर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। गौर ग्रीन, खोड़ा, मकनपुर, काला पत्थर, सेक्टर-62, छिजारसी, कनावनी पुस्ता से एनएच-नौ होते हुए इंदिरापुरम क्षेत्र में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। 10. गंगनहर पटरी, कांवड़ मार्ग, पाइपलाइन मार्ग, दिल्ली-मेरठ मार्ग और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

11. हापुड़, भोजपुर से आने वाले वाहन मोदीनगर की तरफ प्रतिबंधित रहेंगे।

पलवल सीएमओ 1 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथों गिरफ्तार, अस्पताल संचालकों को धमकाकर मांगी राशि

पलवल, एजेंसी। गुरुग्राम एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) की एक टीम ने निजी अस्पताल संचालकों से एक लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में पलवल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जय भगवान को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस बारे में जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी सीएमओ ने एक निजी अस्पताल को बंद करने की धमकी देकर उसके तीन साझेदारों (पार्टनर) से 15 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। जिसकी किस्त लेने के दौरान ही वह पकड़ा गया। आरोपी सीएमओ के खिलाफ थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और बीएनएस की धारा 308 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि अस्पताल संचालक आरोपी सीएमओ को दो किस्तों में सात लाख रुपए दे चुके थे, हालांकि वह बाकी बची राशि देने के लिए भी अस्पताल संचालकों पर दबाव बना रहा था, जिससे परेशान होने के बाद उन्होंने गुरुग्राम एसीबी से इसकी शिकायत कर दी। जिसके बाद एसीबी ने कार्रवाई करते हुए उसे रंगेहाथों पकड़ लिया। इसके बाद सीएमओ के घर की तलाशी लेने पर टीम ने उसके घर की अलमारी से कथित तौर पर तीन लाख रुपए भी बरामद किए। एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ित मनोहर ने इस बारे में एसीबी के पास शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उसने बताया था कि वह पलवल निवासी अपने दो साझेदारों धीरज और सुभाष के साथ मिलकर सनराइज ट्रॉमा अस्पताल चलाता है। जिसे उसने करीब तीन महीने पहले पलवल में खोला था, लेकिन सीएमओ बार-बार उसके कामकाज में खामियों का हवाला देकर उसके अस्पताल को बंद करने की धमकी दे रहा था। इसके बाद एक दिन सीएमओ ने मुझसे कहा कि अगर मुझे अस्पताल चलाना है तो इसके लिए मुझे 15 लाख रुपए देने होंगे। साथ ही मेरा भरोसा जीतने के लिए सीएमओ ने यह भी कहा कि उसे भी यह पैसा आगे तक पहुंचाना रहता है। करीब 20 दिन पहले मैं सीएमओ डॉ. जय भगवान के घर गया और उन्हें 6 लाख रुपए दे दिए। इसके बाद 2 जुलाई को एकबार फिर से उन्हें 1 लाख रुपए नकद दिए।

पुतिन के हाइपरसोनिक मिसाइल हमले के बाद यूक्रेन का काउंटर अटैक

कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने रूस पर पलटवार करते हुए शनिवार (05 जुलाई, 2025) को उसके मिलिट्री एयरफील्ड पर हमला किया। इस बात की जानकारी यूक्रेन की सेना ने सोशल मीडिया के जरिए दी।

यूक्रेनी सेना ने एक बयान में कहा कि यूक्रेन के विशेष बलों ने शनिवार को वोरोनिश क्षेत्र में रूस के बोरिसोग्लेब्स्क सैन्य हवाई क्षेत्र पर हमला किया, जिसमें ग्लाइड बम स्टोर और एक ट्रेनर एयरक्राफ्ट को निशाना बनाया गया। सेना ने आगे कहा कि अन्य विमानों पर भी हमला होने की संभावना है। हालांकि सेना ने इसकी कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। बयान में कहा गया, यह हवाई क्षेत्र दुश्मन के स्हु-34, स्हु-35एस और स्हु-30स्लूविमानों का घरेलू बेस है। वहीं, रूस ने सबसे बड़ा हवाई हमला करते हुए ड्रोन और मिसाइलों से रात भर यूक्रेन को निशाना बनाया। इस हमले में एक शख्स की मौत हो गई और एक बच्चे समेत कम से कम 26 लोग घायल हुए। अधिकारियों ने बताया कि कीव में सात घंटे तक चली बमबारी से राजधानी के कई जिलों में भारी नुकसान हुआ है। रात के समय आसमान में धमाकों की रोशनी फैल गई और हवाई हमले के सायरन की आवाजें पूरे शहर में गूंजने लगीं। आपातकालीन वाहनों की नीली रोशनी ऊंची इमारतों पर पड़ रही थी और मलबे ने शहर की सड़कों को अवरुद्ध कर दिया था। हमले को लेकर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा, यह एक कठोर और नींद रहित रात थी।

चैटजीपीटी ने दिखाया रास्ता... पलक झपकते ही बदल दी जिंदगी ! महिला ने चुकाया 20 लाख का लोन

वाशिंगटन एजेंसी। आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ तकनीकी दुनिया में बदलाव नहीं ला रहा, बल्कि आम लोगों की जिंदगी में भी बड़ा फर्क डाल रहा है। अमेरिका की रहने वाली 35 साल की जेनिफर एलन इसकी एक सच्ची मिसाल हैं। उन्होंने एआई टूल चैटजीपीटी की मदद से करीब 20 लाख रुपये (25,000 डॉलर से ज्यादा) का क्रेडिट कार्ड कर्ज चुकाया।

जेनिफर पेशे से रियल एस्टेट एजेंट और साथ ही कंटेंट क्रिएटर भी हैं। आमदनी अच्छी थी, लेकिन फाइनेंशियल लिटरेसी यानी पैसों की समझ की कमी उन्हें धीरे-धीरे मुसीबत में ले आई। जब उनकी बेटी का जन्म हुआ, तो मेडिकल खर्च और बच्चों की जरूरतें बढ़ गईं।

ऐसे में उन्हें बार-बार क्रेडिट कार्ड का सहारा लेना पड़ा। वे बताती हैं कि उन्होंने कोई फिजूलखर्ची नहीं की, सिर्फ जरूरी चीजों पर ही पैसे खर्च किए। लेकिन धीरे-धीरे कर्ज इतना बढ़ गया कि खुद भी डरने लगीं। एक दिन जब चैटजीपीटी की सलाह पर उन्होंने अपने पुराने ब्रोकरेज अकाउंट्स की जांच की, तो उन्हें हैरानी हुई। उन्हें वहां करीब 8.5 लाख रुपये (10,000 डॉलर से ज्यादा) की रकम मिली जो उन्होंने पहले कभी निवेश की थी लेकिन भूल चुकी थीं। दूसरी तरफ, किराने के खर्च पर नियंत्रण रखकर उन्होंने 50 हजार रुपये से ज्यादा की बचत भी की। इस तरह, सिर्फ 30 दिनों में वे करीब 10.3 लाख रुपये का कर्ज चुका सकीं, जो उनके कुल कर्ज का लगभग आधा था। जेनिफर कहती हैं, मैं किसी जादू की तरह नहीं थी। मैंने रोज़ अपने हालात का सामना किया, अपनी गलतियों को समझा और उन्हें सुधारने की कोशिश की। मैंने पैसों से डरना छोड़ दिया।

पंजाब पुलिस ने नार्को-हथियार, नार्को-हवाला मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया, नौ लोग गिरफ्तार

लुधियाना, एजेंसी। पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उसने एक अंतरराष्ट्रीय नार्को-हथियार मॉड्यूल और एक अंतरराज्यीय हवाला नेटवर्क का भंडाफोड़ कर कर्नाटक के दो निवासियों समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि पुलिस ने उनके पास से 1.15 किलोग्राम हेरोइन, पांच अत्याधुनिक पिस्तौल और 9.7 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे तस्करी मॉड्यूल का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच जारी है। प्रथम अभियान का विवरण साझा करते हुए अमृतसर के पुलिस आयुक्त (सीपी) गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि एक खुफिया अभियान में, पुलिस दलों ने नार्को-हथियार मॉड्यूल में शामिल तीन लोगों जसप्रीत, हरप्रीत और तेजबीर को गिरफ्तार किया और उनके पास से तीन 9 एमएम पिस्तौल, दो ग्लॉक 30 बोर चीनी पिस्तौल समेत पांच अत्याधुनिक पिस्तौल और कारतूस बरामद की। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जसप्रीत और हरप्रीत हाल में मलेशिया से लौटे थे और मलेशिया तथा पाकिस्तान में अपने आकाओं के संपर्क में थे।

माली बना आतंकियों का गढ़, अपहरण-फिरौती से होती है हजारों-करोड़ों की कमाई; कौन-सा ग्रुप है सक्रिय

बामाको एजेंसी। पिछले दिनों माली में तीन भारतीय नागरिकों का आतंकी संगठन ने अपहरण कर लिया। भारत सरकार ने इस घटना को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की और माली सरकार से तुरंत और सुरक्षित रिहाई के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा था। माली में आतंकवाद अपने चरम पर है। पश्चिमी अफ्रीका का एक संकटग्रस्त देश माली इस वक्त इस्लामी आतंकवाद की गिरफ्त में है। अल-कायदा से जुड़े आतंकी संगठन जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन और इस्लामिक स्टेट साहेल प्रांत ने देश में असुरक्षा का माहौल बना दिया है।

कैसे होती है कमाई?: इन आतंकी संगठनों ने अपहरण और फिरौती को अपनी मुख्य रणनीति का हिस्सा बना लिया है, जिससे माली धीरे-धीरे इस तरह के अपराध का वैश्विक केंद्र बनता जा रहा है। साल 2024 में माली में अपहरण की कई घटनाएं सामने आईं। जनवरी में सेगू क्षेत्र के तीलान गांव से दो ग्रामीण अध्यापकों को अगवा कर गांव को जला दिया गया था। हालांकि, 6 दिनों के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया था।

अपहरण-फिरौती से होते है ज्यादा कमाई

फिर दिसंबर में फराबूगू क्षेत्र में नागरिकों के अपहरण की पुष्टि हुई थी। हाल ही में कायेस क्षेत्र से तीन भारतीयों का अपहरण किया गया, जो इस चुनौती को और गहरा करता है।

2017 से लेकर 2023 के बीच, इस समूह ने माली, बुर्कीना फासो, नाइजर में करीब 1100 अपहरणों में से 845 की जिम्मेदारी ली। 2017 में जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (का सलाना राजस्व 149 करोड़ से 290 करोड़ के बीच था। इस राजस्व में लगभग 40% आय अपहरण और फिरौती से मिला। विशेषज्ञों के अनुसार, लोगों का अपहरण कर आतंकी संगठनों को सलाना लाखों डॉलर की कमाई होती है, जिससे वो इन पैसों का इस्तेमाल हथियार खरीदने और अपने गुट में लोगों को भर्ती करने में करते हैं।

माली में भारतीयों को अगवा करने वाला आतंकी संगठन जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (पांच देशों में सक्रिय है और यह अलकायदा का सबसे घातक विंग है।

जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (बीते पांच सालों में सबसे सक्रिय और खतरनाक आतंकी संगठन बन चुका है। इसकी स्थापना मार्च 2017 में अंसार दीन, एक्यूआईएम (सहारा शाखा), अल-मुराबितून और कातिबा मकीना जैसे आतंकी समूहों के विलय से हुई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHI/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129